भोपाल
रविवार, 22 मार्च 2026
चैत्र मास शुक्ल पक्ष -4
वर्ष : 12, अंक : 349
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 29
न्यून. 18

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

नन्हे मेहमान के साथ 'प्रधानसेवक'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर एक नन्हे बच्चे के साथ अपनी एक बेहद खूबसूरत तस्वीर साझा की है। अब यह तस्वीर इंटरनेट पर वायरल हो रही है। साझा की गई तस्वीर में देखा जा सकता है कि पीएम मोदी अपनी कुर्सी पर बैठे हैं और उनकी गोद में एक छोटा सा बच्चा बड़े चाव से खेल रहा है। यह बच्चा मलयालम अभिनेता और ▸▸शेष पेज 6 पर

जंग में अमेरिका व इजराइल हांफे, ट्रंप को नाटो का साथ नहीं, अब बीच का रास्ता निकालने की कोशिश

ट्रंप झुके, बोले- सीजफायर नहीं... पर जंग पर हो सकती है बात, अमेरिकी प्रतिबंधों में ढील पर ईरान ने पानी फेरा, कहा-हमारे पास अतिरिक्त तेल नहीं

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बीच वैश्विक तेल बाजार में हलचल तेज हो गई है। एक तरफ जहां अमेरिका प्रतिबंधों में ढील देकर बाजार को शांत करने की कोशिश कर रहा है, वहीं ईरान के हालिया बयान ने इन कोशिशों पर पानी फेर दिया है। ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि उसके पास अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए कोई सरप्लस (अतिरिक्त) क्रूड उपलब्ध नहीं है। न बाजार के लिए कोई स्टॉक ही है। अमेरिका ने 20 मार्च तक जहाजों पर लदे ईरानी तेल के लिए प्रतिबंधों में 19 अप्रैल तक की सीमित छूट दी है। इस छूट के लिए शर्त है कि केवल उस तेल की बिक्री और डिलीवरी ▸▸शेष पेज 6 पर

ईरान के तेल पर स्टैंड से ग्लोबल मार्केट में बढ़ सकती है क्रूड ऑयल की तपिश

एआई इमेज

भारत के 22 जहाज फारस की खाड़ी में

भारत के अभी भी 22 जहाज फारस की खाड़ी में हैं। ट्रंप की युद्ध विराम नहीं वाली नीति से इस क्षेत्र में तनाव लंबा खिंच सकता है, जिससे तेल की कीमतें आसमान छू सकती हैं। जहां ट्रंप चीन को इस मामले में घसीटना चाहते हैं, वहीं भारत नहीं चाहेगा कि हिंद महासागर और उसके आसपास के क्षेत्रों में चीन का दखल बढ़े।

मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति को फोन किया

जंग में बुनियादी ढांचे पर अमेरिकी हमलों की निंदा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के साथ फोन पर बातचीत में क्षेत्र में अहम बुनियादी ढांचे पर हो रहे हमलों की निंदा की। उन्होंने कहा कि ऐसे हमले क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डालते हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करते हैं। साथ ही उन्होंने समुद्री मार्गों

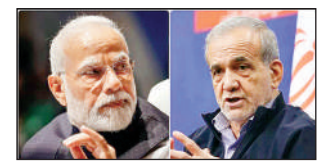

की स्वतंत्रता बनाए रखने और शिपिंग मार्गों को खुला व सुरक्षित रखने के महत्व को दोहराया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बात की और उन्हें ईद व नवरोज की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दोनों ने उम्मीद जताई कि यह त्योहारों का सीजन पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लाएगा।

डायवर्टेट प्लाट उपलब्ध है
बैंक फाईनेंस सुविधा उपलब्ध
66 फीट रोड सनराईज गार्डन के पीछे, महोली, मानपूर भोपाल
सर्व सुविधा युक्त प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण प्रदूषण मुक्त कवर्ड केम्पस के साथ
आफिस:आदित्य कन्सट्रक्सन एण्ड मार्केटिंग, हाउस न. 16, 66 फीट, कोकता ट्रांसपोर्ट नगर रोड, महोली, भानपुर, भोपाल
7222901488, 9755600827

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

उद्योगपतियों के साथ वन टू वन मीटिंग की और निवेश को लेकर अलग-अलग सेशन में उद्योगपतियों से चर्चा की

जयपुर में 'इन्टरेक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन मप्र' में बोले सीएम

मध्य प्रदेश में सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं भरपूर

मध्यप्रदेश में 'बेहिचक' कीजिए निवेश, सरकार देगी फुल सपोर्ट

सीएम ने कहा कि आज मप्र भारत के सबसे तेजी से विकसित होने वाले राज्यों में से एक है। मप्र की औद्योगिक विकास दर निरंतर बढ़ रही है। हमारी जीडीपी नई ऊंचाइयों को छू रही है

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को जयपुर पहुंचे। उन्होंने उद्योगपतियों के साथ वन टू वन मीटिंग की और निवेश को लेकर अलग-अलग सेशन में उद्योगपतियों से चर्चा की। उन्होंने निवेशकों से अपील करते हुए कहा कि आप देश के दिल, असीम संभावनाओं और विकास अवसरों के केंद्र से जुड़िए, बेहिचक मध्यप्रदेश में निवेश कीजिए। मप्र में बेहतर नीतियां, बेहतर अवसर, बेहतर इन्सेंटिव, बेहतर इकोसिस्टम, बेहतर मार्केट लिंकेज और बेहतर ग्रोथ रेट के साथ आपको हर कदम पर सरकार का फुल सपोर्ट मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने मप्र व राजस्थान के बारे में कहा कि हम सिर्फ विरासतों और ▸▸शेष पेज 6 पर

राजस्थान की उद्यमशीलता और मप्र की संसाधन क्षमता ही बनाएगी सेंट्रल इंडिया को इंडस्ट्रियल पावर का सेंटर

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव (मध्य में)

सरप्लस पावर स्टेट मप्र, अब बनेगा देश का ग्रीन, क्लीन एंड सोलर एनर्जी कैपिटल

मप्र में बन रहा देश का पहला मैन्युफैक्चरिंग जोन फॉर पावर एंड रिन्युएबल एनर्जी इक्विपमेंट्स

राजस्थान के व्यापारियों ने देश-दुनिया में नाम कमाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के व्यापारियों ने देश-दुनिया में व्यापार-व्यवसाय में अपना नाम कमाया है। धन कमाने के लिए मन और बुद्धि चाहिए। राजस्थान के व्यापारियों ने अपनी क्षमता, ▸▸शेष पेज 6 पर

निवेश आकर्षित करने के लिए 26 प्रकार की नई नीतियां

डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक निवेश आकर्षित करने के लिए 26 प्रकार की नई नीतियां लागू की हैं। अब स्पेस और एआई सेक्टर के लिए भी हम पॉलिसी लाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा ▸▸शेष पेज 6 पर

मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों के साथ की वन टू वन चर्चा

उद्योगपतियों से चर्चा करते हुए सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजस्थान एंजल्स के अध्यक्ष महावीर प्रताप शर्मा, महिंद्रा लाइफ साइंसेज के हेड अनुज बिंदल, इन्सोलेशन एनर्जी के चेयरमैन मनीष गुप्ता, फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, प्रताप ग्रुप के मैनेजिंग डॉयरेक्टर देवेंद्र सिंह शेखावत, डीजीएस ट्रांस लॉजिस्टिक्स के डायरेक्टर सौरभ खंडेलवाल, अक्षय इन्फ्रासिस इंडस्ट्रीज के मैनेजिंग डॉयरेक्टर अक्षय हाड़ा, प्लास्टिक मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्रवण शर्मा, ▸▸शेष पेज 6 पर

भोपाल स्थित गोविंदपुरा सड़क का शाम 5 बजे का दृश्य

फिर पलटा मौसम : बादलों पर सूरज भारी

अब पारा 3-5 डिग्री तक बढ़ेगा, बादल छंटने लगे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

भोपाल में धूप खिलने से पारा 29 डिग्री पर थमा, यह सामान्य से 5.6 डिग्री कम

राजधानी सहित प्रदेशभर में दो दिन से मौसम की करवट के साथ दिन-रात के तापमान में तेजी से गिरावट रही। दिन का पारा शनिवार को धूप खिलने के बाद 3 से 5 डिग्री तक बढ़ा, इसके बावजूद सामान्य से 6 से 7 डिग्री तक कम दर्ज हुआ है। भोपाल में 29.4 डिग्री पर थमा रहा, जो नॉर्मल से 5.6 डिग्री कम है। रात का पारा 2.3 डिग्री गिरकर 14.3 डिग्री रहा। यह सामान्य से 4 डिग्री कम है। मौसम केंद्र के अनुसार अब प्रदेश में बादल छंटेंगे। इससे तापमान में वृद्धि होगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अब सिस्टम आगे बढ़ गया है। इससे बादल छंटने के साथ धूप खिलेगी, जिससे अगले 3 से 4 दिन में पारा 3 से 5 डिग्री तक बढ़ेगा। इसके बाद कोई विशेष बदलाव नहीं होगा। बीते ▸▸शेष पेज 6 पर

5 डिग्री तक बढ़ोतरी के बाद भी सामान्य से 6 डिग्री तक कम

शनिवार को दतिया में पारा 3 डिग्री बढ़कर 28.2 डिग्री रहा, यह नॉर्मल से 6.6 डिग्री कम है। ग्वालियर, उज्जैन सहित आधा दर्जन जिलों में पारा 3 से 5 डिग्री तक बढ़ा। यह सामान्य से 4 से 6 डिग्री तक कम रहा। पूर्वी मप्र के मंडला, नौगांव, सिवनी सहित कुछ जिलों में हल्की बारिश, बादलों से 3 से 6 डिग्री गिरावट के साथ सामान्य से 7 डिग्री तक कम रहा। पूर्वी मप्र में दिन का ▸▸शेष पेज 6 पर

चतुर्थी: नां कूष्मांडा

सुरासंपूर्णकलशं रुधिराप्लुतमेव च।
दधाना हस्तपद्माभ्यां कूष्मांडा शुभदास्तु मे।

खबर संक्षेप

महाकाल के दर पर डिप्टी सीएम पाठक

उज्जैन। बाबा महाकाल के दरबार में शनिवार को उप्र सरकार में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पहुंचे। मंदिर समिति ने उनका सम्मान किया। पाठक ने ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन लाभ लिए।

आज रालोद में शामिल होंगे केसी त्यागी

नई दिल्ली। जेडीयू छोड़ने के बाद अब केसी त्यागी आज रविवार को रालोद का दामन थामेंगे। उन्होंने बयान में कहा दिल्ली के मावलंकर हॉल में दोपहर 12:30 बजे सम्मेलन हो रहा है।

पुलिस ने नहीं लिखी थी एफआईआर

रेप पीड़िता के बेटे ने जहर पीकर कर लिया सुसाइड

हरिभूमि न्यूज ▸▸ देवास/उदयनगर

सड़क पर शव रखकर चक्काजाम आरोपी की झोपड़ी में लगाई आग

जिले में रेप पीड़िता के बेटे ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर नहीं लिखने पर जहर पीकर सुसाइड कर लिया। शनिवार को गुस्साए परिजन और ग्रामीणों ने पुंजापुरा-उदयनगर मार्ग पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। मामला उदयनगर थाना क्षेत्र का है। गांव की महिला से उसी गांव के सुनील मालवीय ने दुष्कर्म ▸▸शेष पेज 6 पर

बिना टोल चुकाए निकलने पर विवाद

लखनादौन टोल पर निहंग सिखों ने कर्मियों को पीटा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिवनी

पहले डंडों से पीटा फिर मोबाइल फोन छीनकर सिवनी की ओर भागे

जिले के लखनादौन थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-44 पर स्थित मड़ई टोल प्लाजा पर शुक्रवार की रात को निहंग सिखों ने टोल कर्मचारियों पर हमला कर दिया। यह घटना दोपहर में हुई, जिसका सीसीटीवी फुटेज देर रात सामने आया। तीन वाहनों में सवार लोग बिना टोल चुकाए बूम बैरियर तोड़कर निकलने की कोशिश कर रहे थे। ▸▸शेष पेज 6 पर

भोपाल में ईद उल फितर पर नमाज अदा कर अमन-चैन- खुशहाली की मांगी दुआ

शिया समाज ने जंग के खिलाफ लगाए अमेरिका और इजराइल मुर्दाबाद के नारे

लगभग ढाई सौ मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

शनिवार को ईद-उल-फितर का त्योहार अमन-चैन- खुशहाली की दुआ के साथ मनाया गया। इस साल राजधानी में ईद-उल-फितर उत्साह, आस्था और विरोध-तीनों के साथ मनाई गई। एक ओर ईदगाह और मस्जिदों में हजारों लोगों ने नमाज अदा कर भाईचारे का संदेश दिया, वहीं शिया समुदाय ने काली पट्टी बांधकर जंग पर विरोध दर्ज कराया और अमेरिका-

भोपाल स्थित फतेहगढ़ इमामबाड़ा में जंग का विरोध किया गया

इजराइल के खिलाफ नारेबाजी की। शिया समुदाय ने फतेहगढ़ इमामबाड़ा में काली ईद मनाई। नमाज के बाद में अमेरिका और इजराइल के खिलाफ मुदाबाद के नारे लगाए। लोग काली पट्टी बांधकर सादे और पुराने कपड़ों में पहुंचे। तकरीर में ▸▸शेष पेज 6 पर

शाजापुर में काजी का विरोध, पुलिस ने बल प्रयोग किया

शाजापुर के कसेरा बाजार में नवनियुक्त शहर काजी रहमतुल्लाह का सम्मान समारोह हुआ। इस दौरान एक सामाजिक गुट ने विरोध किया। प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने मुर्दाबाद के नारे लगाए। कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बन गई। विरोध का मुख्य कारण एक विवाह समारोह था जिसमें काजी रहमतुल्लाह ने डीजे बजाने का विरोध किया था। विरोध की सूचना पर कोतवाली थाना ▸▸शेष पेज 6 पर

पुलिस ने कहा कि हम जांच करेंगे कि घटना सही है या नहीं?

साजिश के आरोप पर पति से हुई पूछताछ

कार में जिंदा जल गई पत्नी डॉक्टर पति समेत 3 सुरक्षित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गढ़ाकोटा

सीमा कुर्मी (मृतका)

सागर-दमोह मार्ग से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां चनाटोरिया टोल प्लाजा के पास एक महिला कार में जिंदा जल गई और मौत हो गई जबके हादसे में पति व तीन अन्य लोग सुरक्षित हैं।

प्रारंभिक जानकारी में इसे सड़क हादसा बताया जा रहा है पर महिला के परिजनों ने इसे हादसा नहीं साजिश करार दिया है। घटना तड़के 4 बजे की बताई जा रही है। दरअसल, सागर गढ़ाकोटा में रहने वाले डॉ. नीलेश कुर्मी ने देर रात अपने ससुराल में फोन लगाया और बताया कि उसकी पत्नी सीमा (35) की तबीयत खराब है और उसे सीने में दर्द की शिकायत है। इसलिए सागर के एक निजी अस्पताल पहुंच रहे हैं। बहन की तबीयत खराब होने की बात सुनकर भाई परिजनों के साथ सागर के लिए निकला ही था कि बीच रास्ते में खबर मिली कि चनाटोरिया टोल प्लाजा के पास कार का एक्सीडेंट हो गया है और कार में आग लग गई। महिला के परिजनों ने घटनास्थल पर जाकर देखा तो कार में मौजूद डॉक्टर और उनके दो साथी सुरक्षित बच गए लेकिन डॉक्टर की पत्नी कार में जिंदा जल गई। महिला के भाई का आरोप है कि उनकी बहन और डॉक्टर पति के बीच झगड़े होते रहते थे और ▸▸शेष पेज 6 पर

सीबीएसई की नई पहल... होगी काउंसलरों की स्किल की जांच

घर से दी सकती है परीक्षा, कहीं जाने की जरूरत नहीं

काउंसलर और वेलनेस टीचर्स को अब एआई आधारित परीक्षा पास करनी होगी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

इसका उद्देश्य स्कूलों में बच्चों के लिए बेहतर काउंसलिंग सिस्टम तैयार करना है

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शिक्षा को आधुनिक बनाने और छात्रों के कल्याण के लिए एक नए पहल की शुरुआत की है। बोर्ड ने स्कूल काउंसलरों और वेलनेस शिक्षकों के लिए एआई की मदद से ऑनलाइन मूल्यांकन शुरू किया है, जिसे घर बैठे भी दिया जा सकता है।

यह पहल काउंसलरों की क्षमता बढ़ाने और उनके काम की गुणवत्ता सुधारने के लिए की गई है। इसका उद्देश्य स्कूलों में ▸▸शेष पेज 6 पर

अलग खबर

इस प्रक्रिया के तहत कुल 10,000 काउंसलर शामिल होंगे

फाइल फोटो

कौन-कौन दे सकता है एग्जाम?

- स्कूल काउंसलर और वेलनेस टीचर्स
- सामाजिक और भावनात्मक काउंसलिंग करने वाले लोग
- सीबीएसई से जुड़े स्कूलों में काम कर रहे प्रोफेशनल्स

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होगी परीक्षा

सीबीएसई का यह टेस्ट डिजि एग्जाम प्लेटफॉर्म पर होता है। यह परीक्षा सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि असली काम पर ध्यान देती है, जैसे काउंसलिंग सही तरीके से करना सही और नैतिक फैसले लेना। छात्रों की मानसिक और भावनात्मक समस्याओं को समझना। इसका उद्देश्य सिर्फ सर्टिफिकेट देना नहीं है, बल्कि काउंसलरों को बेहतर बनाना और उनकी काम करने की गुणवत्ता बढ़ाना है। अगर चयन की बात करें, तो इसके लिए सीबीएसई की ओर से ▸▸शेष पेज 6 पर

ईदगाह में बड़ी संख्या में ईद की नमाज अदा करते समाजजन।

ताजुल मस्जिद में ईद की नमाज पर दुआ के लिए एक साथ हजारों हाथ उठे और सबने दुआ मांगी।

मांगी अमन-चैन की दुआ

ईदगाह में हुई सामूहिक नमाज के बाद एक-दूसरे को गले मिलकर दी ईद की मुबारकबाद

शहरकाजी मुश्ताक अली नदवी ने नौजवानों से नशे से दूर रहने और बच्चों को अच्छी तालीम देने की बात कही

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

रमजान माह की इबादतों और रोजे के बाद शनिवार को ईद-उल फितर का जलवा अफरोज हुआ। कहते हैं ईद मसर्रतों का आगाज है, खुशखबरी की महक है। मुस्कुराहटों का मौसम है और रौनक का जश्न है। इसलिए ईद पर पूरे शहर में गजब का उल्लास दिखा। सुबह ईद की पहली नमाज के बाद सिवाइयों या शीर-खुरमे से मुंह मीठा कर ईद की मुबारकबाद का दौर चला। सामूहिक रूप से ईद उल फितर की नमाज अदा की गई। इसके बाद भोपाल की 250 से अधिक मस्जिदों में नमाज अदा की गई। नमाज अता करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी।

घरों पर आने वाले मेहमानों को मुस्लिम समाज के लोगों ने सिवइयों से मुंह मीठा कराया। समाज के लोगों ने एक दूसरे को गले मिल कर बधाई दी। ईदगाह पर नवाज के बाद छोटे-बड़े, अपने-पराए, दोस्त-दुश्मन भी एक दूसरे से गले मिले और मोहब्बत का पैगाम देते नजर आए।

काजी सैय्यद ने नमाज में करीब सवा लाख नमाजियों को नमाज करवाई अदा

ईदगाह में नमाज में करीब सवा लाख से भी ज्यादा मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए। शहर काजी सैय्यद मुश्ताक अली नदवी ने नमाज अदा करवाई। राजधानी भोपाल की जामा मस्जिद में सुबह 7:30 पर तथा ताजुल मस्जिद पर सुबह 8:00 बजे की ईद की विशेष नमाज अदा की गई। शहर काजी सैयद मुश्ताक अली नदवी ने ईद की नमाज से पहले कहा कि ईद रोजा रखने वालों को अल्लाह तआला का खास इनाम है। शहर काजी मुश्ताक अली नदवी ने तकरीर में नौजवानों से कहा कैरेक्टर और क्वालिटी पैदा करो, नशे से दूरी रखो, हलाल कमाई पर ध्यान न दो, हलाल और हराम में फर्क करना सीखो। शहर काजी ने कहा कि अपने रोजमर्रा के खर्चों को कम करो लेकिन बच्चों की अच्छी तालीम पर खास ध्यान दो। नमाज के बाद खुतबा हुआ और बाद में दुआ की गई।

ताजुल मस्जिद में ईद की नमाज अदा करते हजारों लोग।

एक रास्ते से आमद, दूसरे से वापसी

ईदगाह की नमाज में शामिल होने के लिए अकीदतमंदों के हुजूम अल सुबह से ही मंजिल की तरफ बढ़ने लगे थे। सिर पर टोपी, बदन पर नए नवेले कपड़े, महकती खुशबू और जुबां पर अल्लाह का जिक्र लिए लोग हर तरफ दिखाई दे रहे थे। इस्लामी मान्यता अनुसार इनका वापसी का रास्ता कुछ बदला हुआ था।

लोगों ने दी बधाई

ईद पर सिर्फ मुस्लिम ही नहीं, दीगर लोगों ने भी ईद की मुबारक दी। हिन्दू समाज व सिख समाज के लोगों ने मुस्लिम भाइयों का स्वागत किया। ईदगाह में नमाज अदा करने आए सैयद फारुक ने बताया कि शहर काजी सैयद मुश्ताक अली नदवी ने ईदगाह में नमाज अदा करवाई। शहर काजी ने कहा, इस्लाम का असल मकसद मोहब्बत का पैगाम देता है। गले मिलने से पहले दिलों से नफरतों को मिटा दें। तभी सही मायने में ईद की खुशी होगी। ईद का मतलब एक-दूसरे के दुख को महसूस करना, जरूरतों में काम आना और मोहब्बत का पैगाम देना है।

खबर संक्षेप

भोजपुरी समाज का चार दिवसीय चैती छठ पूजा नहाए खाए के साथ आज से

भोपाल। भोजपुरी एकता मंच के तत्वावधान में शीतल दास की बगिया कमला पार्क घाट पर इसका आयोजन होगा मंच के अध्यक्ष कुंवर प्रसाद ने बताया कि भोजपुरी समाज का लोक आस्था का महापर्व चैती छठ पूजा पहला दिन नहाए खाए प्रारंभ हुआ दूसरे दिन 23 मार्च को खरना होगा तीसरे दिन 24 मार्च को डूबते हुए सूर्य भगवान को ऋतु फल ठेकुआ पकवान को बास सुप में सजा करके सभी व्रतधारी शीतल दास की बगिया कमलापार्क घाट पर कमर में पानी में खड़े होकर अर्ध अर्पित करेंगे पानी से चौथे दिन 25 मार्च को उगते हुए सूर्य भगवान को गाय के कच्चे दूध से अर्ध देकर व्रतधारी अपना व्रत का समापन करेंगे।

बिहार दिवस पर कल सुप्रसिद्ध गायक कलाकार सत्येंद्र कुमार देंगे प्रस्तुति

भोपाल। बिहार फाउंडेशन द्वारा राजधानी में अपने नए चैप्टर की स्थापना की गई है। फाउंडेशन भोपाल चैप्टर के तत्वाधान में भव्य आयोजन दिनांक 23 मार्च सोमवार शनि मंदिर प्रांगण, बाग सेवनिया में किया जाएगा, जो शाम 7:30 बजे से प्रारंभ होगा। इस कार्यक्रम में बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा, जिसमें पारंपरिक लोकगीत, लोकनृत्य एवं व्यंजनों की विशेष प्रस्तुति शामिल रहेगी। बिहार फाउंडेशन भोपाल चैप्टर के कोषाध्यक्ष कुंवर प्रसाद ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य मुख्य रूप से बिहारी प्रसिद्ध व्यंजन लिट्टी चोखा अन्य व्यंजनों की स्टाल लगाए जाएंगे। बिहार के प्रसिद्ध लोकगीत गायक सत्येंद्र कुमार संगीत उनके साथियों द्वारा बिहारी सांस्कृतिक लोकगीतों का प्रस्तुति दी जाएगी। गणमान्य अतिथियों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य बिहार के प्रवासी समुदाय को एक मंच पर लाना, राज्य की सांस्कृतिक पहचान को सशक्त करना तथा देश-विदेश में बसे बिहारियों को सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना है। भोपाल चैप्टर की स्थापना इसी दिशा में एक कदम माना जा रहा है, जिससे मध्यप्रदेश में रह रहे बिहार मूल के लोगों को संगठित कर राज्य के विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जा सकेगी।

गणगौर माता की शोभा यात्रा...

भोपाल। राजधानी में शनिवार को गणगौर का त्यौहार मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने रोशनपुरा से जहां गणगौर माता की शोभायात्रा निकाली, तो वहीं दूसरी ओर घरों में भी महिलाओं ने गणगौर मां की विधि विधान से पूजा-अर्चना की और माता से परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

अभिषेक हवन करके मनाया भगवान मत्स्य का जन्मोत्सव

भगवान विष्णु के प्रथम अवतार भगवान मत्स्य मीना समाज के लोग।

भोपाल। मीना समाज के आराध्य देव भगवान विष्णु के प्रथम अवतार भगवान मत्स्य का जन्मोत्सव मां पहाड़ा वाली सेवा समिति ने धूमधाम से मनाया। समिति के अध्यक्ष सत्यम मीना ने बताया कि मां पहाड़ी मंदिर पर भगवान मत्स्य का सुबह 10 बजे से ही वैदिक मंत्रों उच्चारण के साथ अभिषेक, हवन कर आरती की गई। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। भगवान मत्स्य का जन्मोत्सव पर संतोष मीना, लीलेंद्र मारन, मनोहर मीना, मनोज मीना, संजीत मारन समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए।

वन कर्मचारी मंच ने किया पौध रोपण

वन कर्मचारी मंच वन माफिया को खत्म करने के लिए चलाएगा अभियान

कान्हा कुंज पार्क कोलार में पौधरोपण करते पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

वन कर्मचारी मंच मध्य प्रदेश ने आज अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर कान्हा कुंज पार्क कोलार भोपाल में पौधा रोपकर वृक्ष लगाओ हरियाली बढ़ाओ का संदेश दिया कार्यक्रम में अशोक पांडेय हरि सिंह गुर्जर नरेश बरेले अंतर सिंह श्याम बरेले सत्येंद्र पांडे लव प्रकाश पाराशर आदि शामिल थे।

वन कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि देश- प्रदेश में लगातार वृक्ष काम हो रहे हैं, जिस कारण ग्लोबल वार्मिंग की समस्या उत्पन्न हो रही है। हर मनुष्य को माह में एक वृक्ष लगाकर हरियाली के प्रति अपना योगदान देना चाहिए। विभाग और प्रदेश सरकार को भी वन महोत्सव जैसे कार्यक्रम बड़े स्तर पर आयोजित करना चाहिए, जिससे जनता का भी पेड़ों को लगाने के प्रति लगाव ज्यादा बढ़े। वन माफिया लगातार मध्य प्रदेश में पेड़ों की हत्या कर रहा है, जंगल समाप्त कर रहा है, लेकिन सरकार बन माफिया के विरुद्ध ठोस कार्यवाही नहीं कर रही है। बन कर्मचारी मंच ने संकल्प लिया है कि मध्य प्रदेश में प्रत्येक वन मंडल के परिक्षेत्र में वृक्ष महोत्सव कार्यक्रम आयोजित करेंगे वन विभाग के सहयोग से जनता को वृक्षों की रक्षा करने वृक्ष लगाने और वन माफिया का खत्म करने के लिए जन जागरण अभियान चलाएगा।

मप्र के सभी बड़े शहरों में इसी तरह के आवास मेले आयोजित करने की बनाई जा रही योजना

1800 लोगों ने ली शहर में चल रहे प्रोजेक्ट की जानकारी

हाउसिंग बोर्ड के आवास मेले में 2 दिन में 90 करोड़ की प्रॉपर्टी बुक, लोगों में उत्साह

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पर्यावास भवन में लगे हाउसिंग बोर्ड के आवास में मेले में जानकारी लेते लोग।

पर्यावास भवन में चल रहे हाउसिंग बोर्ड के दो दिनी आवास मेले में दूसरे दिन भी लोगों की भारी भीड़ रही। दो दिन में 90 करोड़ रुपए से ज्यादा की प्रॉपर्टी की बुकिंग हुई है। वहीं दो दिनों में 1800 से ज्यादा लोगों ने भोपाल में बोर्ड की प्रॉपर्टी की जानकारी ली है। मेले में मुख्य रूप से कटारा हिल्स स्थित सैफायर पार्क सिटी, खजूरी कला, अवधपुरी में स्थित डुप्लेक्स ट्रिप्लेक्स प्रोजेक्ट, अयोध्या बायपास में सुरम्य परिसर व लवकुश प्रोजेक्ट में सबसे ज्यादा बुकिंग हुई हैं। हाउसिंग बोर्ड के मुख्य संपदा अधिकारी महेंद्र प्रताप सिंह किरार ने बताया कि 20- 21 मार्च को आयोजित आवास मेले में उम्मीद से ज्यादा लोग आए। बोर्ड के लिए यह मेला बहुत ही सफल रहा। इस मेले की सफलता को देखते हुए अब पूरे मध्य प्रदेश के सभी बड़े शहरों में इसी तरह के आवास मेले आयोजित करने की योजना बनाई जा रही है।

महारानी कमेश्वरी शक्तिपीठ देवी सिद्धिदात्री मंदिर में श्रद्धालुओं की उमड़ रही भीड़

सिद्धिदात्री माता के दरबार में अर्जी लगाने से होती है मनोकामनाएं पूरी, भक्त अर्पित करते हैं जूते-चप्पल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मंदिर में स्थापित मां की प्रतिमा।

नवरात्रि में राजधानी के देवी धामों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। भक्त देवी मंदिरों में दर्शन करने के लिए पहुंच कर हाजिरी लगा रहे हैं। इन्हीं मंदिरों में से एक अनोखा मंदिर राजधानी भोपाल के कोलार इलाके में बने महारानी कामेश्वरी शक्तिपीठ देवी सिद्धिदात्री का पहाड़ावाली मंदिर में नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। पहाड़वाला मंदिर की परंपरा बेहद अनूठी है। यहां भक्त देवी मां को फल, फूल या मिठाई नहीं, बल्कि जूते-चप्पल अर्पित करते हैं। भक्त मानते हैं कि यह अर्पण देवी को प्रिय है और जरूरतमंदों के लिए भी उपयोगी साबित होता है। नवरात्रि में यहां भक्तों का चढ़ावा बढ़ जाता है। यहां नई चप्पल, जूते या सैंडल चढ़ाने से देवी प्रसन्न होती हैं। इस परंपरा में विदेशों से आए श्रद्धालु भी शामिल होते हैं।

विदेशों से भी आते हैं जूते

यह परंपरा केवल भोपाल या मध्यप्रदेश तक सीमित नहीं है। देश के अलग-अलग हिस्सों से ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी लोग डाक के जरिए जूते-चप्पल भेजते हैं। उन्हें पहले देवी को अर्पित किया जाता है और फिर जरूरतमंदों तक पहुंचा दिया जाता है।

एक सपने से हुई मंदिर की शुरुआत

मंदिर के संस्थापक ओमप्रकाश गुप्ता बताते हैं, 1994 में यहां शिव-पार्वती विवाह और यज्ञ का आयोजन किया गया था। इसके बाद मंदिर निर्माण शुरू हुआ। 1995 से लगातार भक्तों की भीड़ यहां पहुंच रही है। मां सिद्धिदात्री हर मनोकामना पूरी करती हैं। जब भक्तों की इच्छाएं पूरी हो जाती हैं, तो वे आभार व्यक्त करने के लिए फिर से जूते-चप्पल अर्पित करते हैं।

जूते चप्पल चढ़ाने की अनोखी कथा

मंदिर के पुजारी गुप्ता ने बताया कि देवी मेरे सपने में प्रकट हुईं और मुझे निर्देश दिया कि कोई भी लड़की, खासकर बच्चे, नंगे पैर न घूमें। कुछ अन्य भक्तों ने भी ऐसा ही सपना देखने का दावा किया है। तब से मंदिर में प्रसाद के रूप में जूते-चप्पल चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है।

300 सीढ़ियां चढ़कर पहुंचते हैं श्रद्धालु

देवी सिद्धिदात्री के गर्भगृह तक पहुंचने के लिए भक्तों को लगभग 300 सीढ़ियां चढ़नी होती हैं। गुप्ता के मुताबिक, सामान्य दिनों में रोजाना करीब 100 से 150 जोड़ी जूते-चप्पल चढ़ाए जाते हैं, जबकि नवरात्रि जैसे पर्व में यह संख्या कई गुना बढ़ जाती है। पुजारी ने बताया कि जूते-चप्पल चढ़ाने का विशेष नियम है। इसके तहत केवल बच्चों का फुटवियर सीधे देवी को अर्पित किया जाता है। वहीं बड़ों के जूते-चप्पल मंदिर परिसर में रखे डिब्बों में जमा किए जाते हैं। अर्पित सभी जूते-चप्पल बाद में सावधानी से इकट्ठे किए जाते हैं और आसपास के क्षेत्रों की जरूरतमंद लड़कियों तक पहुंचाए जाते हैं।

बीमारी होती है दूर

कोलार क्षेत्र में रहने वाली श्रद्धालु राधा विश्वकर्मा ने बताया कि माता रानी दुख बीमार तो हर लेते ही। अर्जी लगाने से लोगों मन्नतें पूरी होती है।

माता के आशीर्वाद से पूरी होती है मन्नत

कोलार क्षेत्र में रहने वाली सुषमा मारन ने बताया कि वह कई सालों से माता रानी के दर्शन के लिए आ रहा है। माता रानी मांगी हर मुरादें पूरी होती है। मन्नत पूरी होने के बाद भक्त माता रानी को जूते-चप्पल चढ़ाते है।

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 22 मार्च 2026

बोट क्लब पर लगा जाम....

भोपाल। बोट क्लब पर शनिवार शाम ईद होने और सप्ताह का अंतिम दिन की वजह से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे जिससे कई बार जाम के हालात बने।

न कोहरा न सर्दी, फिर भी साढ़े आठ घंटे तक की देरी से भोपाल आ रही ट्रेनें

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शताब्दी, राजधानी व दुरंतो एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेनें भी चल रही हैं लेट

किसी की कनेक्टिंग ट्रेन छूटी तो किसी मीटिंग हुई प्रभावित | रेल अफसर दूसरे मंडल पर थोप रहे लेटलतीफी के कारण

इन दिनों न तो सर्दी अधिक है न ही कोहरा पड़ रहा है। लेकिन भोपाल आने वाली ट्रेनें लगातार देरी से आ रही हैं। शनिवार को भी भोपाल आने वाली दो दर्जन से अधिक ट्रेनें 30 मिनट से साढ़े आठ घंटे की देरी से पहुंची। इसमें जहां प्रीमियम ट्रेनों में शताब्दी एक्सप्रेस, राजधानी एक्सप्रेस व दुरंतो एक्सप्रेस ट्रेनें घंटे की देरी से पहुंची तो वहीं इस संबंध रेलवे अधिकारी कुछ भी कहने से बच रहे हैं। भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों का कहना है कि पीछे से दूसरे रेल मंडल से देरी से आ रही हैं। राजधानी से रोजाना हजारों यात्री दिल्ली, मुंबई, इंदौर, जबलपुर और अन्य बड़े शहरों के लिए रेल से सफर करते हैं, लेकिन ट्रेनों की लेटलतीफी से उनकी परेशानी बढ़ती जा रही है।

ट्विटर पर भोपाल से चलने और यहां से गुजरने वाली ट्रेनों को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। कोई कनेक्टिंग ट्रेन छूटने की बात कर रहा है, तो कोई जरूरी मीटिंग प्रभावित होने की शिकायत है, जिससे साफ है कि ट्रेन लेट होना अब सिर्फ देरी नहीं, बल्कि यात्रियों की योजनाओं पर सीधा असर बन गया है।

यूपी व मुंबई की ट्रेनें चल रही ज्यादा लेट

शनिवार को भोपाल से गुजरने वाली ट्रेनें दिल्ली, लखनऊ, पंजाब, राजस्थान और छत्तीसगढ़ रूट की ओर जाने वाली कई लंबी दूरी की ट्रेनें भोपाल जंक्शन और रानी कमलापति स्टेशन पर देरी से पहुंच रही हैं। इसमें जहां यूपी व मुंबई रूट की ट्रेनें आठ घंटे तक की देरी से चल रही है।

यह ट्रेनें पहुंची देरी से

- 01080 गोरखपुर-मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस 8:24 घंटे
- 01415 पुणे - गोरखपुर स्पेशल ट्रेन 3:35 घंटे
- 12722 दक्षिण एक्सप्रेस 3:04 घंटे
- 12920 मालवा एक्सप्रेस 2:21 घंटे
- 12191 श्रीधाम एक्सप्रेस 2:00 घंटे
- 11058 अमृतसर एक्सप्रेस 2:40 घंटे
- 12156 भोपाल एक्सप्रेस 2:42 घंटे
- 12002 शताब्दी एक्सप्रेस 1.31 घंटे
- 12138 पंजाब मेल 1:29 घंटे लेट
- 18238 छत्तीसगढ़ एक्स. 1.13 घंटे
- 12269 दुरन्तो एक्सप्रेस 1:01 घंटे
- 12198 ग्वालियर-भोपाल इटरसिटी एक्सप्रेस 1:02 मिनट
- 20424 पातालकोट 0.46 मिनट
- 12626 केरला एक्सप्रेस 1:31 घंटे
- 22222 हजरत निजामुद्दीन - मुंबई सीएसटी राजधानी एक्सप्रेस 1: 27 घंटे
- 12622 तमिलनाडू एक्स.1.52 घंटे
- 20806 एपी एक्सप्रेस 1.23 घंटे
- 22692 बंगलौर राजधानी एक्सप्रेस 1:05 मिनट
- 12618 हजरत निजामुद्दीन-एनार्कुलम एक्सप्रेस 0:37 घंटे

जेपी, काटजू और हमीदिया में बनने लगी कामर्शियल
बंद हो सकती है सरकारी अस्पताल की मेस
जेपी में घरेलू गैस सिलेंडर से बन रहा खाना

सचिन सिंह बैस ⏭ भोपाल

ठेकेदार बोला: एक सप्ताह बाद मिल रहा कामर्शियल सिलेंडर | जीएमसी के हॉस्टल में बचा सिर्फ दो दिन का गैस स्टॉक

कामर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति में कमी के कारण राजधानी भोपाल के सरकारी अस्पतालों की मेस (रसोई) बंद होने के कगार पर है। यह हालात हैं राजधानी के मॉडल अस्पताल में तो कमर्शियल सिलेंडर का स्टॉक ही खत्म हो गया है। जेपी अस्पताल में मेस संचालक घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग कर भोजन बनाया जा रहा है। वहीं गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) की मेंस में जिसके पास भोजन बनाने करने का जिम्मा है। वहां ठेकेदार ने सिलेंडर की परेशानी की बात मेडीकल स्टूडेंट को बता दी है। जीएमसी के 6 छात्रावासों में रोजाना करीब एक हजार छात्रों का भोजन बनता है। इन हॉस्टल में छात्र एवं छात्राओं के लिए दोनों समय के नाश्ता के अलावा भोजन तैयार होता है। जूनियर डाक्टरों की मानें तो जिस ठेकेदार के पास भोजन पकाने का जिम्मा है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि है कि दो-तीन दिन के लिए ही गैस की व्यवस्था है, क्योंकि कमर्शियल व्यवस्था में अभी तक जरूरत पड़ने पर तत्काल सिलेंडर मिलता था, लेकिन अब वह स्थिति नहीं रही है। फोन करने के बाद एक सप्ताह तक प्रतीक्षा करनी पड़ रही है।

जेपी में 300 तो काटजू में पकता है ढाई सौ मरीजों का भोजन

काटजू अस्पताल में प्रतिदिन ढाई सौ थालियों के हिसाब से भोजन पकता है। इनमें प्रतिदिन डेढ़ सौ तो भर्ती महिला मरीजों को भोजन सप्लाई होता है। बकाया शेष थालियों के हिसाब से रोगियों के परिजनों को तय दरों पर भोजन परोसा जाता है। जानकारी है कि यहां भी गैस की किल्लत प्रबंधन को मेस संचालक ने बता दी है। यह आग्रह भी किया गया कि गैस की व्यवस्था बनाने में सहयोग करें, ताकि यथावत भोजन पकता रहे। मॉडल अस्पताल जेपी में तीन सौ मरीजों का भोजन पकाया जाता है। यहां भी गैस की किल्लत की स्थिति से हॉस्पिटल प्रबंधन को अवगत करा दिया है।

कमर्शियल में 30 दिन प्रदायगी का नियम

कमर्शियल गैस सिलेंडर कनेक्शन में नियम स्पष्ट हैं। अस्पतालों की मेस या केंटीन में ज्यादा भोजन पकता है। इसलिए सिलेंडर की खपत भी अधिक है। इसलिए कमर्शियल कनेक्शन अनिवार्य रहता है। यहां के ठेकेदारों का कहना है कि इस नियम से माह के तीस दिन में जब भी जरूरत पड़े तो फोन करने पर कनेक्शन के आधार पर सिलेंडर उपलब्ध होता है, लेकिन एक सप्ताह से ज्यादा किल्लत बढ़ने लगी है।

मेस संचालक की जिम्मेदारी

गैस की किल्लत से जीएमसी प्रबंधन का कोई लेना देना नहीं है। क्योंकि जिसके पास मेस में भोजन पकाने का ठेका है। उसी को यह व्यवस्था करना है। क्योंकि हॉस्टल के छात्रों को नियमित भोजन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी मेस संचालक की है।

डॉ. कविता एन सिंह, डीन, जीएमसी

सिर्फदो से तीन का स्टॉक

जीएमसी में मेस संचालक द्वारा चिकित्सा छात्रों से स्पष्ट कह दिया है कि गैस की व्यवस्था सिर्फ दो से तीन दिन की बची हुई है। जब से जूनियर डाक्टरों ने यह बात सुनी तो वह भी चिंता में हैं।

डॉ महेंद्र प्रताप, अध्यक्ष, जूडा

बनाएंगे व्यवस्था

हमने भोजन पकाने वाले ठेकेदार से रिपोर्ट ली है कि सिलेंडर की क्या स्थिति है। क्योंकि मरीजों को नियमित भोजन प्रदान करना अस्पताल की जवाबदारी है, व्यवस्था बनाएंगे।

डॉ. बलराम पवार, अधीक्षक, काटजू अस्पताल

राशि नहीं देने पर जान से खत्म करने की दी धमकी, केस दर्ज
लॉरेंस गैंग के नाम पर राजधानी के कारोबारी से फोन कॉल पर दस करोड़ की अड़ीबाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कोलार रोड पुलिस ने एक कारोबारी की शिकायत पर अज्ञात मोबाइल नंबर के धारक पर अड़ीबाजी का मामला दर्ज किया है। कारोबारी का आरोप है कि उनके पास वाट्सएप कॉल और ऑडियो आए हैं, जिसमें मोबाइल धारक ने खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताकर 10 करोड़ रुपए की अड़ीबाजी की है। कारोबारी ने कोलार थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

दरअसल, कोलार रोड निवासी 42 वर्षीय कारोबारी का ज्वैलर्स के साथ ही कई प्रकार का व्यवसाय करते हैं। पिछले दिनों रात साढ़े दस बजे विदेशी नंबर से उन्हें वॉट्सएप कॉल किया और खुद को लारेंस गैंग का हैरी बॉक्सर नाम बताया। उसने कहा कि वह सोने के व्यापार में काफी पैसा कमा रहे हैं, इसलिए 10 करोड़ रुपए की व्यवस्था कर लें। कारोबारी ने कॉल करने वाले की बातों को नजर अंदाज कर दिया और अपने काम में लग गए। शुक्रवार सुबह दोबारा उन्हीं नंबरों से कॉल आया और रुपयों की मांग की गई। व्यवसायी ने जब उसे रुपये देने से इंकार किया तो फोन करने वाला उन्हें जान से मारने की धमकी देने लगा।

मोबाइल पर भेजे धमकी भरे आडियो

धमकी के बाद कारोबारी कोलार थाने पहुंचे और घटना की शिकायत करते हुए सुरक्षा की मांग की। फरियादी ने पुलिस को बताया कि उनके मोबाइल पर लगातार धमकी भरे मैसेज भेजे जा रहे हैं। बताया जाता है कि जिन नंबरों से कारोबारी को फोन किया गया था, वह सभी विदेशी नंबर हैं। कोलार थाना पुलिस के साथ ही इस मामले की जांच सायबर टीम भी कर रही है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों के भीतर लारेंस गैंग के नाम पर इंदौर, खरगौन और अशोक नगर में भी कई कारोबारियों को धमकी दी जा चुकी है।

बारिश ने धो डाली राजधानी की धूल-मिट्टी
दो दिन से शहर की हवा प्रदूषण मुक्त, सबसे खराब एक्यूआई टीटी नगर में दर्ज

शाम 6.30 बजे भी राजधानी में हल्के बादल छाये हुए थे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी में शनिवार को हवा में प्रदूषण की मात्रा न के बराबर रही। दो दिन से बारिश और तेज हवाओं के असर से सड़कों पर उड़ती धूल_मिट्टी और धुआं गायब होने से शहर पॉल्यूशन फ्री रहा। इस बीच शनिवार को सबसे खराब एक्यूआई (एयर क्वालिटी इंडेक्स) टीटी नगर में 113 पर रहा, जो मॉडरेट स्तर पर दर्ज हुआ है। सबसे बेहतर और स्वास्थ्य के लिहाज से अच्छी मानी जानी वाली हवा पर्यावरण परिसर अरेरा कॉलोनी में रही। यहां एक्यूआई 49 पर रहा। इसके अलावा कलेक्टोरेट इलाके में भी हवाओं में प्रदूषण की मात्रा ग्रीन लेबल पर रहा। यहां एक्यूआई 72 रहा। यह संतोषजन श्रेणी में है।

धूप के साथ बढ़ेगा असर

मप्र पीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी ब्रजेश शर्मा के अनुसार अभी बारिश और आंधी के कारण धूल-धुएं का असर बहुत कम रहा है। इससे एक्यूआई तेजी से इंप्रूव हुआ। अब जैसे-जैसे धूप खिलेगी और हवाएं की रफ्तार कम होगी, एयर पॉल्यूशन का लेबल बढ़ेगा। हालांकि, इस महीने में बहुत अधिक बढावे की उम्मीद नहीं है।

लापरवाही...मृत घोषित नवजात में दिखी हरकत
हमीदिया अस्पताल में जिंदा नवजात को फिर बताया मृत, जोरदार हंगामा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी भोपाल के हमीदिया अस्पताल में लापरवाही का एक और गंभीर मामला सामने आया है। जिंदा नवजात को मृत घोषित करने के आरोप के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। चौंकाने वाली बात यह है कि एक हफ्ते के भीतर यह दूसरा मामला है, जिससे अस्पताल की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार शाम चार बजे मानताशा नाम की महिला को गंभीर हालत में हमीदिया अस्पताल लाया गया। वह करीब छह माह की गर्भवती थी और अस्पताल पहुंचने के दौरान ही शिशु का सिर बाहर आ चुका था। डॉक्टरों ने तत्काल लेबर रूम में इमरजेंसी डिलीवरी कराई और नवजात को मृत घोषित कर दिया। लेकिन कुछ ही देर बाद बच्चे में हलचल जैसी स्थिति नजर आई, जिससे परिजन भड़क गए और अस्पताल में विवाद खड़ा हो गया।

हफ्ते में दूसरा मामला, बढ़ी चिंता

इससे पहले बुधवार को भी इसी तरह का मामला सामने आया था। तब एक नवजात बच्ची को मृत घोषित कर डेथ सर्टिफिकेट तक जारी कर दिया गया था, लेकिन परिजनों ने दावा किया कि कुछ घंटे बाद बच्ची में सांस चल रही थी। उन्होंने इसका वीडियो भी बनाया, जिसमें पेट हिलता नजर आया था।

डॉक्टरों का कहना, एबॉर्टस केस

अस्पताल का कहना है कि यह बेहद प्रीमेच्योर मामला था, जिसे एबॉर्टस की श्रेणी में रखा जाता है। ऐसे में नवजात का वजन बहुत कम होता है और कई बार जांच में हार्टबीट नहीं मिलती। प्रोटोकॉल के तहत ऐसी स्थिति में नवजात को मृत घोषित किया जाता है।

अस्पताल प्रबंधक पर उठे सवाल

लगातार दो मामलों के सामने आने के बाद हमीदिया अस्पताल की कार्यप्रणाली, जांच प्रक्रिया और जिम्मेदारी को लेकर सवाल उठने लगे हैं। परिजनों में नाराजगी है, वहीं प्रशासन के सामने अब जवाबदेही तय करने की चुनौती खड़ी हो गई है।

परिजनों का अस्पताल में हंगामा, पुलिस बुलानी पड़ी

घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया, जो देर रात तक चलता रहा। स्थिति बिगड़ती देख अस्पताल प्रबंधन को पुलिस बुलानी पड़ी। कोहेफिजा थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश देकर मामला शांत कराया।

रिमांड के दौरान स्टेट साइबर जुटा रही गिरोह की जानकारी

नौकरी के नाम पर विदेश भेजने वाले 2 एजेंट 2 दिन की रिमांड पर

- साइबर ठगी करने वाले ने उससे मारपीट करते रहे और उसे कैद कर रखा था
- म्यांमार पहुंचने पर जितेंद्र को पता चला कि उसे साइबर ठगी करने वालों को बेच दिया है

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी के युवक को विदेश में डेटा एंट्री ऑपरेटर की जॉब दिलाने का झांसा देकर उसे म्यांमार में साइबर जालसाजों को बेचने वाले दो एजेंट को स्टेट साइबर ने कोर्ट में पेश कर दिया है। आरोपियों की दो दिन की रिमांड मिली है। रिमांड के दौरान पुलिस ने देश के युवाओं को विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उन्हें साइबर जालसाजों को बेचने वाले अन्य आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

एसपी स्टेट साइबर प्रणय रघुवंशी ने बताया कि भोपाल में रहने वाले जितेंद्र अहिरवार को अच्छी नौकरी की तलाश थी। इस दौरान उसकी बात एक परिचित से हुई। परिचित एक भर्ती एजेंट के रूप में काम करता था। एजेंट ने जितेंद्र अहिरवार का टेलीग्राम पर इंटरव्यूह लिया और उसे थाईलेंड के टिकट वाट्सएप पर भेज दिए। जितेंद्र अहिरवार थाईलैंड पहुंचा, वहां एजेंट के साथी उसे म्यांमार और थाईलैंड की बॉर्डर पर लेकर पहुंचे। वहां नदी पार कराते हुए म्यांमार पहुंचा दिया। म्यांमार पहुंचने पर जितेंद्र को पता चला कि उसे साइबर ठगी करने वालों को बेच दिया गया है। साइबर ठगी करने वाले उससे मारपीट करते थे और उसे कैद कर रखा था। कुछ दिन बाद म्यांमार की सेना ने रेस्क्यू करते हुए जितेंद्र को थाईलैंड भेज दिया। वहां भारत भेजा गया। अपने देश पहुंचने के बाद जितेंद्र ने घटना की शिकायत स्टेट साइबर को दी। शिकायत की जांच में पता चला कि प्रकरण मानव तस्करी, धोखाधड़ी, अवैध भर्ती और आईटी से जुड़ा है। पुलिस ने पड़ताल करने के बाद बिहार जमुई से 32 साल के फैज अकरम को गिरफ्तार किया गया। उसके अलावा उत्तर प्रदेश के मेरठ निवासी मोहित अग्रवाल (30) को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि वे विदेश में अच्छी नौकरी और बड़ा पैकेज देने का प्रलोभन देकर युवाओं को थाईलैंड बुलाकर अवैध तरीके से बार्डर पार कराते हुए म्यांमार भेजकर उन्हें साइबर ठगों को बेच देते थे।

टक्कर से कार के उड़े परखच्चे, मीडियाकर्मी घायल

बाणगंगा चौराहा पर सिग्नल पर खड़ी कार को ट्रक ने मारी टक्कर

फरियादी की शिकायत के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर ट्रक जब्त कर लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित पीतल मंदिर बाणगंगा चौराहा के पास शुक्रवार देर रात ट्रैफिक पर खड़ी मीडियाकर्मी की स्विफ्ट कार को ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार सामने खड़ी बस में टकरा गई। इस हादसे में कार का परखच्चे उड़ गए, जबकि मीडियाकर्मी घायल हुए हैं। पुलिस ने टक्कर मारने वाले ट्रक को बरामद कर आरोपी चालक पर मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार अभिषेक आंबेडकर (26) न्यू दशहरा मैदान गेट, बाणगंगा में रहते हैं और न्यूज चेनल में ग्राफिक्स डिजाइनर हैं। उन्होंने बताया कि अपने दोस्त शिवेश त्रिवेदी के साथ

शुक्रवार रात अपनी कार से रोशनपुरा चौराहा से पॉलिटेक्निक चौराहा जा रहे थे। पीतल मंदिर बाणगंगा चौराहा पर सिग्नल रेड हुआ और वह रुक गए। करीब पौने 12 बजे सिग्नल पर खड़ी उनकी कार को पीछे से आ रहे ट्रक के चालक ने तेजी व लापरवाही पूर्वक ट्रक चलाते हुए टक्कर मार दी। कार में पीछे से टक्कर लगने के कारण उनकी कार सामने खड़ी बस से टकरा गई।

इससे उनकी कार का अगला और पिछला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है। साथ ही टक्कर लगने से उन्हें बाएं हाथ व बाएं पैर में चोट आई है। उनके दोस्त शिवेश त्रिवेदी को दाहिने पैर के घुटने में चोट आई है। उन्होंने ट्रक ड्राइवर से नाम पता पूछा। उसने अपना नाम गोपाल जाट पिता मांगीलाल जाट निवासी ग्राम शंकरपुर मक्सी रोड, जिला उज्जैन बताया। इसके बाद पुलिस को शिकायत की गई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर ट्रक जब्त कर लिया है।

खबर संक्षेप

नारी शक्ति ने मंदिर में किया शिव अभिषेक

औबेदुल्लागंज। भोजपुर नारी शक्ती समिति प्रभात फेरी मंडल द्वारा शनिवार को शिव मंदिर पर अभिषेक पूजन कर भजन किया। कई बरसो से चल रही प्रभात फेरी नगर में राम नाम का कीर्तन करते हुए पुरे नगर में धर्म का प्रचार किया। धर्मप्रचार करने वाली भोजपुरी नारी शक्ति की अध्यक्ष आरती यादव, रेखा कपूर, प्रियंका गुप्ता, दीपा चौकसे, सुनिता सैनी, मल्होत्रा यादव, भागवती साहू, पूजा लोधी, राधा मालवीय आदि हैं।

पूर्व मंत्री भदौरिया ने पटवा की माता को दी श्रद्धांजलि

औबेदुल्लागंज। पूर्व मंत्री अरविन्द सिंह भदौरिया शनिवार को विधायक सुरेंद्र पटवा के भोपाल निवास पर पहुंचकर उनकी माता स्व. पारस कुंवर बाई पटवा के देवलोकगमन के उपरांत उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

शर्मा ने हिंदू नव वर्ष और गणगौर की दी बधाई

औबेदुल्लागंज। भाजपा नेता क्षेत्र के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता जेपी शर्मा ने हिंदू नव वर्ष, गुड़ी पड़वा, गणगौर, चेती चांद, चैत्र नवरात्रि, महावीर जयंती, रामनवमी, हनुमान जन्मोत्सव की सभी को बधाई दी। सभी के जीवन में सुख शांति समृद्धि की कामना की।

चैतीचांद के अवसर पर सिंधी मैराथन आज

संतनगर। सिंधी मेला समिति द्वारा भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव चेतीचांद के उपलक्ष्य में रविवार को सिंधी मैराथन का आयोजन किया जाएगा। इस सिंधी मैराथन में सभी आयु वर्ग के लोग शामिल हो सकते हैं। सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी ने बताया कि शहीद हेमू कालानी, भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु का शहादत को याद करते हुए सिंधी मेला समिति द्वारा रविवार को सिंधी मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। यह दिन युवाओं में देशभक्ति और देश के लिए सर्वोच्च बलिदान की भावना को भी विशेष रूप से प्रेरित करेगा। दरियानी ने बताया कि यह मैराथन सुबह 5 बजे लालघाटी स्थित सनसिटी गार्डन से शुरू होगी। यह मैराथन 3 श्रेणियां होंगी। इस सिंधी मैराथन ने 45 मिनट का जुम्बा डांस सेशन युवाओं के लिए रखा है। सभी प्रतिभागियों को टी-शर्ट दी जाएगी। दरयानी ने बताया कि मैराथन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्वस्थ जीवन शैली के लिए प्रेरित करना है।

शुभांक			
कल्याणः	1736		
दिनः	189	82	156
रातः	338	45	168
ताराः			
दिनः	990	81	146
रातः	279	89	135

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित द्रोणांचल मिलिट्री परिसर में हादसा

बाइक फिसलने से गिरे फौजी की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित द्रोणाचल मिल्टी परिसर में बाइक फिसलने से सेना का जवान घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां करीब तीन दिन चले इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सैनिक का शव पीएम के बाद आर्मी के अधिकारियों को सौंप दिया है।

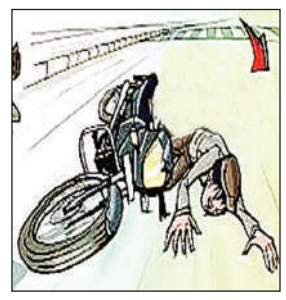

आर्मी के अधिकारियों की मदद से परिजन शव लेकर भागलपुर बिहार चले गए। वहां रविवार को सैनिक का अंतिम संस्कार किया जाएगा। पुलिस के अनुसार नीरज कुमार यदव पिता नगीना यादव (35) श्री ईएमई सेंटर में रहता था और सेना में जवान थे। गत 17 मार्च की दोपहर वह द्रोणाचल मिल्टी एरिये में बाइक से गिर गए थे। इससे उन्हें गंभीर चोट आई थी। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहां 20 मार्च शुक्रवार दोपहर उनकी मौत हो गई।

परिजन का आरोप-डीएनएस में गलत इंजेक्शन डायलोड करने से हुई बच्चे की मौत

एम्स में इलाज कराने आए तीन साल के मासूम की मौत

भोपाल। एम्स में तीन साल के मासूम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे बीना से भोपाल एम्स लेकर आए थे। एम्स में उसका इलाज चल रहा था। परिजन का आरोप है कि नर्स ने डीएनएस ड्रिप लगाई थी। उसमें गलत इंजेक्शन डायलोड किया, जिससे बच्चे की तबीयत बिगड़ी और वह बेसुध हो गया। कुछ समय बाद उसकी मौत हो गई। परिजन बीना पहुंचकर स्थानीय पुलिस को घटना की शिकायत की। बीना पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया। वहां से मर्ग डायरी आने के बाद बागसेवनिया पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 3 साल का सार्थक यादव बीना में रहता था। तबीयत बिगड़ने के बाद परिजन उसे एम्स भोपाल लेकर पहुंचे, वहां उसका इलाज चल रहा था।

चेतक ब्रिज पर छात्र का मोबाइल झपटकर तेजी से भागे एक्टिवा सवार, पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी फुटेज

भोपाल। गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित चेतक ब्रिज पर एक्टिवा सवार तीन झपटमारों ने पैदल जा रहे बीटेक छात्र का मोबाइल झपट लिया। घटना गत 19 मार्च की रात करीब साढ़े 9 बजे की है। घटना के समय छात्र अपने दोस्त के साथ मोबाइल पर बातचीत करते हुए गौतम नगर जा रहा था। इस दौरान एक्टिवा से आए तीन बदमाशों ने उसके हाथ से मोबाइल झपट लिया। पुलिस ने झपटमारी का मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। झपटे गए मोबाइल की कीमत तीस हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार मधुर तिवारी (22) कस्तूरबा नगर में रहता है और बीटेक का छात्र है। उसने पुलिस को बताया कि 19 मार्च की रात वह अपने दोस्त के साथ पैदल-पैदल गौतम नगर की तरफ जा रहा था। दोनों दोस्त चेतक ब्रिज पर पहुंचे थे, तभी रात करीब साढ़े 9 बजे सफेद रंग की एक्टिवा से आए तीन बदमाशों में पीछे बैठे बदमाश ने मधुर के हाथ से मोबाइल झपट लिया। हाथ से मोबाइल झपटने के बाद मधुर ने कुछ दूरी तक दौड़कर आरोपियों का पीछा भी किया, लेकिन आरोपी तेजी से एक्टिवा चलाते हुए भाग निकले। मधुर का कहना है कि वह एक्टिवा का नंबर और झपटमारों का हुलिया नहीं देख सका है। पुलिस घटनास्थल और मुख्य सड़क पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक कर रही है।

चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की हुई आराधना

मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, किया अभिषेक-पूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन शनिवार को नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में मां दुर्गा के तृतीय स्वरूप मां चंद्रघंटा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं और पूरे वातावरण में भक्ति का माहौल बना रहा।

श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धा भाव से मां के दर्शन कर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर नीरज चावला, विक्रम धाड़ी, श्याम मालवीय, शंकर सेठी, रमेश सेठी, सुदामा तिवारी, राकेश तिवारी, जितेंद्र दुबे, अशोक मित्तल, नंदू शर्मा, डॉ. माखन सेन, बंटी तिवारी, कैलाश डब्बू नागर, बद्री सिंह नागर, उत्तम यादव आदि शामिल हैं।

मंदिरों में माता रानी की पूजा करतीं महिलाएं।

गोविंदपुरा स्थित रविदास नगर में नाले के पास पेड़ पर लटकी मिली लाश

आठवीं कक्षा के छात्र ने बबूल के पेड़ पर लगाई फांसी, मिला सुसाइड नोट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित रविदास नगर में सरस्वती मंदिर के पीछे नाले में लगे बबूल के पेड़ पर आठवीं कक्षा के छात्र की लाश फांसी के फंदे पर लटकी मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी भेज दी थी। मृतक के पास से सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उसने अपनी मर्जी से आत्महत्या करने की बात लिखी है।

पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त कर हेंड राइटिंग एक्सपर्ट के पास भेज दिया है। परिजन के बयान नहीं होने से आत्महत्या की वजह का पता नहीं चल सका है। पुलिस का कहना है कि शोकाकुल परिजन के बयान दर्ज किए जाएंगे। साथ ही स्कूल में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं से भी पूछताछ की जाएगी। पुलिस के अनुसार विष्णु नरवारे पिता जितेंद्र नरवारे (16) रविदास नगर, में रहता था। विष्णु बरखेड़ा पठानी स्थिति सांदीपनि स्कूल में आठवीं कक्षा में पढ़ता था।

मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में दिखा विष्णु

पुलिस ने बताया कि शाम करीब साढ़े 5 बजे बकरी चराने गए कुछ लोगों ने सरस्वती मंदिर के पीछे विष्णु का शव फांसी के फंदे पर लटके देखा था। इसके बाद डायल 112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही गोविंदपुरा पुलिस एफएसएल की टीम के साथ मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान विष्णु की तलाशी लेने पर उसके पास जेब में रखा एक सुसाइड नोट भी मिला। सुसाइड नोट में मृतक ने अपनी मर्जी से आत्महत्या करने की बात लिखी है। पुलिस ने मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए तो दोपहर करीब साढ़े 12 बजे विष्णु मंदिर के पीछे वाले गेट से नाले में जाता हुआ नजर आया है।

महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ की गणगौर की पूजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

गणगौर के पावन पर्व पर शनिवार को शहर में भक्ति और परंपरा का सुंदर माहौल देखने को मिला। माता पार्वती और भगवान शिव के अटूट प्रेम एवं सुखी दांपत्य जीवन के प्रतीक इस पर्व पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर नमिता अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहीं और उन्होंने श्रद्धापूर्वक गणगौर पूजा में सहभागिता की। नमिता अग्रवाल ने महिलाओं के साथ मिलकर अनुष्ठानों में भाग लिया तथा सभी को पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे पारंपरिक पर्व हमारी संस्कृति को सशक्त बनाते हैं और समाज में सकारात्मकता का संदेश देते हैं। नमिता अग्रवाल ने उपस्थित महिलाओं से संवाद कर उनके उत्साह की सराहना की और समाज के सुख-समृद्धि की कामना की। मानसी मित्तल निशा मित्तल, सपना, दीपाली, सोभा, ममता अग्रवाल, हेमलता माधुरी अग्रवाल, रानू मित्तल डॉली आदि महिलाएं उपस्थित रहीं।

घरेलू सामान बेचने के नाम पर लगाई चपत

आईबी के रिटायर्ड अफसर से जालसाज ने ठगे 1.51 लाख रुपए, मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शाहपुरा पुलिस ने आईबी के एक रिटायर्ड अफसर की रिपोर्ट पर अज्ञात साइबर जालसाजों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोपियों ने घरेलू सामान बेचने के नाम पर रिटायर्ड अफसर से 1 लाख 51 हजार पांच सौ रुपए ठग लिए थे। ठगी का एहसास होने के बाद फरियादी ने थाने जाकर मामले की शिकायत की। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार इंटेलीजेंस ब्यूरो (आईबी) के एक रिटायर्ड अफसर शाहपुरा इलाके में रहते हैं। पिछले दिनों वह अपने मोबाइल पर सोशल मीडिया फेसबुक देख रहे थे। इसी दौरान फेसबुक पर आई एक जानकारी पर नजर पड़ी। यह जानकारी उनके एक परिचित अफसर की आईडी से भेजी गई थी। इसमें लिखा था कि उनका ट्रांसफर दूसरे शहर में हो गया है, इसलिए वह अपना घरेलू सामान बेचना चाहते हैं। संपर्क नंबर भी दिया गया था। रिटायर्ड अफसर ने जब दिए गए नंबर पर संपर्क किया तो जानकारी शेयर करने वाले ने बताया कि वह पूरा सामान एक लाख 51 हजार पांच सौ रुपयए में बेच देगा। सामान ठीक लगा तो रिटायर्ड अफसर ने बताए गए एकाउंट में यह रुपए ट्रांसफर कर दिए।

रुपए ट्रांसफर करने के बाद जब सामान उनके पास नहीं पहुंचा

रुपए ट्रांसफर करने के बाद जब सामान उनके पास नहीं पहुंचा तो उन्होंने दिए गए नंबर पर संपर्क किया। वह मोबाइल नंबर बंद हो चुके थे। इसके बाद उन्होंने जिस अफसर की आईडी से यह जानकारी शेयर की गई थी, उनको किसी तरह संपर्क किया तो उन्होंने बताया कि उनका कोई ट्रांसफर नहीं हुआ और उन्होंने सामान बेचने के लिए कोई जानकारी शेयर नहीं की। ठगी का एहसास होने पर रिटायर्ड आईबी अफसर ने थाने जाकर शिकायत की, जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

भव्य शोभायात्रा एवं मंदिर में हुई विशेष पूजा-पाठ

भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव पर कई कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

नगर में भगवान झूलेलाल जी के जन्मोत्सव पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। पूज्य सिंधी समाज की महिला मंडल ने आयोजित कार्यक्रम में सहयोग दिया। सिंधी समाज की मातृ शक्ति घर परिवार में अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के साथ-साथ व्यापार जगत में भी अपना निरंतर सहयोग प्रदान करती हैं। समाज के अध्यक्ष रमेश वासवानी, रतन मेघानी, जगदीश चंदानी, मनोज मैघानी, गोपाल मेघानी, नीलू वासवानी ने बताया कि सिंधी समाज की महिलाओं के नेतृत्व में मंदिर में पूजा-अर्चना महाआरती, पल्लव एवं भगवान झूलेलाल जी का बहिराणा साहेब जी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूज्य सिंधी समाज समाज के मीडिया प्रचारक प्रमुख कमलेश मेघानी ने बताया कि भव्य शोभायात्रा एवं मंदिर में आयोजित कार्यक्रमों में नगर के गणमान्य एवं वरिष्ठ नागरिकों ने शामिल होकर कार्यक्रम को एक विशाल स्वरूप प्रदान किया। सिंधी समाज के कार्यक्रम के सफल आयोजन पर हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष राजेश खटीक, भाजपा के मीडिया प्रभारी पंकज कोठारी, पूर्व नपा अध्यक्ष हरप्रीत कौर बिट्टू, त्रिलोचन सिंह बिट्टू आदि ने सफल कार्यक्रम की बधाई दी।

औबेदुल्लागंज में ईद का त्यौहार भाईचारे और सौहार्द्र के साथ मनाया

ईदगाह पर हजारों लोगों ने एक साथ हाथ उठाकर देश में सुख-शांति, आपसी प्रेम और सद्भाव की मांगी दुआ

ईदगाह परिसर से नमाज अदा करके बाहर निकलते हुए।

गले मिलकर एक दूसरे को दी मुबारकबाद, दिनभर चलता रहा बधाइयों का

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

रमजान के 30 रोजे पूरे होने के बाद शुक्रवार को ईद का चांद नजर आया। चांद देखते ही मुस्लिम समाज में खुशी की लहर दौड़ गई। शनिवार को ईद की नमाज अदा करने के लिए सुबह से ही मस्जिदों और ईदगाहों में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। नमाज के बाद हजारों लोगों ने एक साथ हाथ उठाकर देश में सुख-शांति और आपसी सद्भाव की दुआ मांगी। नमाज के बाद लोग एक-

दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद देते नजर आए। छोटे-बड़े, युवा और बुजुर्ग सभी ने एकजुटता और भाईचारे का परिचय दिया। धार्मिक गुरुओं ने अपने संदेश में कहा कि ईद का त्योहार हमें प्रेम, त्याग और भाईचारे की सीख देता है। उन्होंने समाज में आपसी सौहार्द्र बनाए रखने और जरूरतमंदों की मदद करने का आह्वान किया। इस दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। ईद के इस पावन पर्व पर शहर में दिनभर खुशी और उल्लास का माहौल बना रहा। इस अवसर पर वरिष्ठ अफजाल मियां, ममनून, सदर गुड्डू, उपसदर सलीम बाबा, सगीर, अकील, अफसर, राजा सिद्दीकी, नफीस, रईस खान, नईम, मंडी वाले आमीन, महमूद, आसिफ पठान, आमिर ममनून, शानू खान आदि ने ईद की खुशी जाहिर की। इस अवसर पर हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष राजेश खटीक, पूर्व नपा अध्यक्ष हरप्रीत कौर बिट्टू, त्रिलोचन सिंह बिट्टू, हरजीत सिंह मंगू, संजय सिंह चौहान, परेश नागरे, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इमरत सिंह दरबार, आदि शामिल थे।

भारत विकास परिषद के अध्यक्ष डॉ. खेमचंदानी, कीर्ति बनीं सचिव

हरिभूमि न्यूज ⏭ संतनगर

भारत विकास परिषद कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रांत की ओर से पर्यवेक्षक राजीव श्रीवास्तव उपस्थित थे। अध्यक्ष डॉ.जीटी खेमचंदानी, सचिव कीर्ति तोलानी एवं कोषाध्यक्ष भोजराज आसूदानी का चुनाव हुआ। कार्यक्रम में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सभी सदस्यों ने उनको बधाई दी। प्रचार प्रमुख गुलाब जेठानी ने बताया कि सभी सदस्यों का परिचय हुआ और एक नए सदस्य के रूप में डॉ.संस्कार सोनी का भारत विकास परिवार में शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में आभार एसी साधवानी द्वारा किया गया। कमल प्रेमचन्दानी द्वारा संत नगर शाखा द्वारा संस्कार, पर्यावरण, सेवा एवं स्वदेशी के प्रमुख एवं टोली के सदस्यों एवं कार्यों की जानकारी दी गई।

विश्व जल दिवस आज — प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान की गतिविधियां हुईं आरंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल संरक्षण और जल स्त्रोतों को नया जीवन देने के लिए प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत विभिन्न विभागों की ओर से जल स्त्रोतों को संरक्षित करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। विभिन्न विभागों के समन्वय से गांव-गांव में तालाब, कुएं, चेकडेम और अन्य जल संरचनाओं के संरक्षण एवं पुनर्जीवन का कार्य किया जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कार्य आरंभ हो गए है। शासन के 18 विभाग की अभियान में सहभागिता हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अभियान' को नोडल तथा नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग के सह-नोडल विभाग बनाया गया है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत समाज की भागीदारी और विभिन्न सहभागी विभागों के माध्यम से नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। भूजल संवर्धन, जल संग्रहण संरचनाओं की साफ-सफाई व मरम्मत तथा नवीनीकरण, जल संग्रहण संरचनाओं के अतिक्रमण हटाने के कार्य अभियान में किए जाएंगे।

शहरी-ग्रामीण क्षेत्रों में शुरू हुए जल संचय के कार्य

जल स्त्रोतों तथा जल वितरण प्रणालियों की साफ सफाई

स्कूलों में पेयजल गुणवत्ता परीक्षण, आंगनवाड़ियों तथा औद्योगिक इकाईयों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग के कार्य भी किए जाएंगे। जल स्त्रोतों में प्रदूषण के स्तर को कम करने, जल स्त्रोतों तथा जल वितरण प्रणालियों की साफ सफाई की जाएगी। राजस्व रिकार्ड में जल संग्रहण संरचनाओं व नहरों को अंकित करने और मानसून सत्र में किए जाने वाले पौधारोपण के लिए आवश्यक तैयारियों के कार्य किए जाएंगे।

तालाबों की मरम्मत के साथ नहरों की सफ़ाई

जल संसाधन विभाग एवं नर्मदा घाटी विकास विभाग ने लघु सिंचाई योजनाओं के तालाबों की मरम्मत के साथ नहरों की सफ़ाई और स्टॉप डैम तथा बैराज की मरम्मत तथा नहर प्रणालियों के सुदृढ़ीकरण का कार्य किया जाएगा। उद्यानिकी विभाग सूक्ष्म सिंचाई क्षेत्र का विस्तार कार्य करेगा एवं विकासखंडों में पानी चौपाल का आयोजन कर लगभग 55 हज़ार हेक्टेयर में पौधरोपण का कार्य करेगा। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत राजस्व विभाग, पूर्व में बनाई गई ऐसी जल संरचनाएं जो राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं है, उन्हें राजस्व अभिलेख में दर्ज करने का कार्य करेगा। राजस्व विभाग ने समस्त विभागों के पूर्व में बनाए गए तालाबों, चेकडेम और स्टॉपडेम एवं अन्य जल संरचनाओं के साथ ही जल संसाधन विभाग की नहरों को राजस्व अभिलेखों में दर्ज किया जाएगा।

जनसहयोग से सार्वजनिक प्याऊ की व्यवस्था करना

नगरीय विकास विभाग की ओर से निकायों में अमृत 2.0 अंतर्गत जल संग्रहण संरचनाओं का जीर्णोद्धार, नदियों में मिलने नालों के शोधन की कार्य योजना बनाई गई है। तालाब, नदी, बावड़ी के संवर्धन एवं अतिक्रमण मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रणाली स्थापित कराने के साथ हरित क्षेत्र विकसित किए जाएंगे। जल संरक्षण में युवाओं की भागीदारी के लिए अमृत मित्र बनाकर 'माय भारत' पोर्टल पर पंजीकरण किये जायेंगे। नगरीय निकायों के प्रमुख स्थलों पर गर्मियों में पेय जल सुविधा के लिए जनसहयोग से सार्वजनिक प्याऊ की व्यवस्था करना जैसे कार्य भी किए जाएंगे।

अठारह विभागों की है सहभागिता

जल गंगा संवर्धन अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन एवं आवास, वन, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्यानिकी, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, राजस्व, संस्कृति, जन अभियान परिषद और जनसंपर्क विभाग शामिल हैं।

कॉलेजों में होंगी जागरुकता संबंधी गतिविधियां

अभियान में वन विभाग की ओर से जलग्रहण क्षेत्र उपचार योजना के तहत लगभग सवा लाख हेक्टेयर में भूजल संवर्धन के कार्य, कृषि विभाग की ओर से बलराम तालाब और लाइन फ़ार्म पोंड का निर्माण और पर्यावरण विभाग ने विशेष तौर पर बेतवा, क्षिप्रा, कान्ह और गंभीर नदियों के उद्गम से अंतिम सीमा तक सर्वेक्षण कर दूषित जल के मिलने के स्थानों का चिन्हांकन किया जाएगा। स्कूल शिक्षा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के साथ सभी स्कूलों में पेयजल स्त्रोतों के जल की गुणवत्ता का परीक्षण करेगा। उच्च शिक्षा विभाग अपनी गतिविधियों के माध्यम से विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में जागरूकता आधारित गतिविधियां आयोजित करेगा।

भोपाल में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा

हरिभूमि न्यूज, भोपाल। राजधानी सहित पूरे जिले गर्मी की दस्तक के साथ ही पानी की समस्या धीरे धीरे बढ़ रही है। भोपाल में भूजल स्तर में तेजी से हो रही गिरावट के कारण जिला प्रशासन ने हाल ही में नए बोरवेल की खुदाई पर रोक लगा दी है। शहर को जल-अभाव क्षेत्र घोषित किए बगैर अब बिना अनुमति बोरिंग करने पर सजा और जुर्माना लगाने का प्राब्धान है। लगातार बढ़ते शहरीकरण, अत्यधिक दोहन और जल संरक्षण के अपर्याप्त इंतजाम के कारण स्थिति गंभीर बनी हुई है, जो तमाम उपाए करने के बावजूद कंट्रोल में नहीं आ पा रही है।

रिपोर्ट में सामने आई गंभीर स्थिति

सेंट्रल ग्राउंड वॉटर बोर्ड और राज्य की डायनामिक ग्राउंड वॉटर रिसोर्सेस की रिपोर्ट के अनुसार भोपाल में भूजल दोहन का स्तर करीब 79 प्रतिशत तक पहुंच गया है। जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्र करीब 2 लाख 77 हजार हेक्टेयर से अधिक है। इसमें 2 लाख 64 हजार हेक्टेयर के करीब क्षेत्र में भूजल रिचार्ज की आवश्यकता बताई जा रही है। जिले में वार्षिक निकासी योग्य भूजल संसाधन इस क्षेत्र के हिसाब से काफी कम हैं। इससे साफ होता है कि जिले में भूजल दोहन की औसत दर करीब 79 प्रतिशत तक पहुंच रही है।

बावड़ियों, कुओं, तालाबों और नदियों की सफाई कर जल बचाने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज भोपाल। 22 मार्च को मनाए जाने वाले विश्व जल दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश में जल संरक्षण, पेयजल उपलब्धता और पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन को लेकर व्यापक स्तर पर अभियान चलाए जा रहे हैं। प्रदेश के कई जिलों में बावड़ियों (स्टेपवेल), कुओं, तालाबों और नदियों की सफाई के साथ-साथ जल बचाने के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है। राजधानी भोपाल सहित इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और ग्रामीण इलाकों में प्रशासन, सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों के सहयोग से बावड़ियों की सफाई और पुनर्जीवन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। वर्षों से उपेक्षित पड़ी इन ऐतिहासिक बावड़ियों को अब फिर से जल स्त्रोत के रूप में विकसित करने की कोशिश की जा रही है। कई स्थानों पर गाद निकालने, दीवारों की मरम्मत और जल संचयन की व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है, जिससे बारिश का पानी संरक्षित हो सके। विश्व जल दिवस के अवसर पर यह संदेश दिया जा रहा है कि 'जल है तो कल है' केवल नारा नहीं, बल्कि जीवन की सच्चाई है।

फाइल फोटो।

'जल जीवन मिशन' और 'कैच द रेन'

जल जीवन मिशन' और 'कैच द रेन' जैसे अभियानों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर जल पहुंचाने की दिशा में काम किया जा रहा है। पाइपलाइन बिछाने, नए हैंडपंप स्थापित करने और पुराने जल स्रोतों को सुधारने से लाखों लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। विशेष रूप से गर्मी के मौसम को देखते हुए जल स्रोतों को सुरक्षित रखने पर जोर दिया जा रहा है। भोपाल का बड़ा तालाब और इंदौर की खान नदी विशेष सफाई अभियान नदी और तालाबों की सफाई भी इस अभियान का अहम हिस्सा है। बड़ा तालाब, इंदौर की खान नदी और उज्जैन की क्षिप्रा नदी सहित कई जलाशयों में स्वच्छता अभियान चलाकर कचरा हटाया जा रहा है।

निवेशकों को दी मप्र की विशेषताओं और डेवलपमेंट फोकस एरिया की जानकारी

राजस्थान और मध्यप्रदेश हर मामले में हैं एक-दूजे के स्वाभाविक साझेदार

मप्र में निवेश संभावनाओं और एमपी टूरिज्म पर केंद्रित लघु फिल्म का हुआ प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र और राजस्थान जुड़वा भाइयों की तरह हैं। दोनों राज्य मिलकर विकसित, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश की एक नई क्रांति आ रही है। उद्योगों की स्थापना एवं निवेश प्रोत्साहन के लिए हमने 6,104 करोड़ रुपए और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए 1 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। मप्र का 'सिंगल विंडो सिस्टम-इन्वेस्ट एमपी 3.0 पोर्टल' देश के श्रेष्ठ डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म में गिना जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र इंडस्ट्रियल प्रमोशन पॉलिसी 2025 अंतर्गत टेक्सटाइल एवं परिधान क्षेत्र को शामिल कर निवेशकों को आकर्षक इंसेंटिव प्रदान किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को जयपुर में आयोजित 'इन्टरेक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन मप्र' में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने 'इंटरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन मप्र' सत्र में विभिन्न उद्योगपतियों के साथ मीटिंग की। उन्होंने राज्य के सभी निवासियों को हाल ही में मनाए गए राजस्थान राज्य के स्थापना दिवस (19 मार्च) और अखंड सौभाग्य के लोक-पर्व गणगौर पूजन की बधाई और मंगलकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यों के बीच प्राकृतिक संसाधनों के बंटवारे मधुरता से पूरे हो रहे हैं।

खास बातें

- मुख्यमंत्री ने किया राजस्थान के निवेशकों से संवाद
- नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में की प्रगति

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जयपुर के आईटीसी राजपूताना में इंटरएक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन मध्यप्रदेश का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया।

मप्र में है औद्योगिक प्रगति और निवेश की अनंत संभावनाएं

औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन तथा एमएसएमई के प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह ने निवेशकों को बताया कि मप्रभारत के हृदय में स्थित राज्य है। जहां हर सेक्टर में औद्योगिक प्रगति और निवेश की अनंत संभावनाएं विद्मान हैं। मप्र ने नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रदेश में 8 एयरपोर्ट और औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिए एक लाख एकड़ भूमि उपलब्ध है। राज्य सरकार ने 'ईज ऑफ डूइंग' पर ध्यान देते हुए नई औद्योगिक नीतियां लागू की हैं। निवेशकों को 40 प्रतिशत तक कैपिटल सब्सिडी दी जा रही है। कृषि, डेयरी और फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं।

देश-दुनिया के निवेशक मप्र में तेजी से निवेश कर रहे हैं-

राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रेसिडेंट डॉ. केएल जैन ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में औद्योगिक विकास को तेजी से गति मिल रही है। राज्य ने लंबी उड़ान भरी है। इन्सुलेशन एनर्जीस के चेयरमेन मनीष गुप्ता ने बताया कि उन्होंने नर्मदापुरम जिले के बाबई-मोहासा औद्योगिक प्रक्षेत्र में करीब 1650 करोड़ रुपए का निवेश किया है, जिससे 1000 लोगों को रोजगार मिलेगा। यहां 45 एकड़ में औद्योगिक इकाई स्थापित करने में कोई बाधा नहीं आई।

मध्यप्रदेश सरकार की नीतियों की सराहना की

इन्वेस्टमेंट 'अपॉर्च्युनिटीज इन मप्र' सेशन में सीआईआई की राजस्थान इकाई के चेयरमैन रजनीश भंडारी ने मध्यप्रदेश सरकार की नीतियों की सराहना की। राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स की ओर से पदाधिकारी एनके जैन सत्र में शामिल हुए सभी निवेशकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर देवेंद्र सिंह शेखावत, ओंकार बागेरिया, एमपीआईडीसी के प्रबंध संचालक चंद्रमौली शुक्ला सहित प्रमुख उद्योगपति विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय संस्था लघु उद्योग भारती की राजस्थान इकाई के सभी पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आत्मीय स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष बिरला से की भेंट

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जयपुर प्रवास के दौरान शनिवार को लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला से सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री ने अंग वस्त्रम से लोकसभा अध्यक्ष बिरला का स्वागत किया। इस अवसर पर बिरला ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का उद्योग निवेश संवर्धन कार्यक्रम में जयपुर पधारने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने पत्रिका समूह के स्व. कर्पूर चंद कुलिश के जन्म शताब्दी समापन समारोह में हिस्सा लेने के लिए मप्र से मुख्यमंत्री सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के जयपुर आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनका भी स्वागत किया।

राजस्थान के सीएम से मिले सीएम डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को जयपुर प्रवास के दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से सौजन्य भेंट की। राजस्थान के मुख्यमंत्री शर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुष्प गुच्छ से आत्मीय स्वागत किया।

सुशासन एवं विकास को नई गति देगा स्टेट एआई मिशन

एआई आधारित तकनीक से नागरिक सेवाओं को मिलेगी अधिक गति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में सुशासन एवं विकास को नई गति देने और शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से शीघ्र ही मध्यप्रदेश स्टेट एआई मिशन प्रारंभ किया जाएगा। यह मिशन सेवाओं के संचालन और आर्थिक अवसरों के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

स्टेट एआई मिशन राज्य के एआई विजन एंड एक्शन फ्रेमवर्क पर आधारित होगा, जिसके माध्यम से व्यवस्था को प्रेडिक्टिव, प्रोएक्टिव एवं डेटा-ड्रिवन बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एआई तकनीकों का उपयोग मानवीय निगरानी (ह्यूमन-इन-द-लूप) के साथ किया जाएगा, जिससे सुरक्षा, पारदर्शिता एवं नागरिकों का विश्वास सुनिश्चित किया जा सकेगा। एआई मिशन के क्रियान्वयन से नागरिकों, विशेषकर किसानों, ग्रामीण समुदायों, युवाओं एवं वंचित वर्गों को तेज, स्मार्ट और व्यक्तिगत सेवाएँ उपलब्ध होंगी।

प्रेडिक्टिव गवर्नेंस को मिलेगा बढ़ावा

स्टेट एआई मिशन में कृषि, स्वास्थ्य, पोषण एवं आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संभावित जोखिमों की पूर्व पहचान संभव हो सकेगी। सभी एआई प्रणालियों में पारदर्शिता, ऑडिटेबिलिटी और प्राइवेसी संरक्षण सुनिश्चित करते हुए रिस्पॉन्सिबल एआई के सिद्धांतों को अपनाया जाएगा। प्रशासनिक कार्यों को अधिक दक्ष बनाने के लिए अधिकारियों को ड्राफ्टिंग, विश्लेषण, डिसीजन सपोर्ट एवं डेटा मैनेजमेंट से संबंधित एआई टूल्स उपलब्ध कराए जाएंगे। एआई का उपयोग केवल पायलट परियोजनाओं तक सीमित न रहकर राज्य की प्रमुख योजनाओं में व्यापक रूप से लागू किया जाएगा।

एआई में कौशल विकास को मिलेगा बढ़ावा

राज्य में स्टार्टअप, शैक्षणिक संस्थानों एवं इंडस्ट्री के साथ साझेदारी विकसित कर मजबूत एआई इको सिस्टम तैयार किया जाएगा। युवाओं एवं शासकीय अधिकारियों के लिए एआई स्किलिंग कार्यक्रम संचालित कर भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप मानव संसाधन तैयार किए जाएंगे। 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' के सिद्धांत पर आधारित एआई दृष्टिकोण नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं प्रभावशीलता को नई ऊँचाई प्रदान करेगा।

आदिम जाति कल्याण के पूर्व उप निदेशक सरवटे के खिलाफ चालान पेश

जबलपुर। ईडीने आदिम जाति कल्याण विभाग के पूर्व उप निदेशक, जगदीश प्रसाद सरवटे के खिलाफ अपराध से आय अर्जित करने के मामले में मनी लॉड्रिंग रोकथाम अधिनियम 2002 के तहत पीएमएलए कोर्ट जबलपुर के समक्ष चालान पेश किया है। ईडी ने सरवटे के खि ला फ अ भि यो ज न शिकायत दायर की थी। कोर्ट के पूर्व आदेश पर जगदीश सरवटे हाजिर हुए। दरअसल, ईडी ने आर्थिक अपराध विंग, जबलपुर द्वारा भ्रष्टाचार की धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर पर जांच शुरू की थी। सरवटे पर आरोप है कि उन्होंने एक लोक सेवक के रूप में कार्य करते हुए एक जनवरी से 20 जून 2025 की के दौरान, अपनी आय के ज्ञात स्त्रोतों के अनुपात से अधिक संपत्ति अर्जित की। जांच में पता चला कि आरोपी ने भ्रष्ट तरीकों से 'अपराध से अर्जित आय' उत्पन्न की थी और बाद में अवैध नकदी को बैंकिंग प्रणाली में डालकर भोपाल, मंडला, उमरिया और सिवनी जिलों में स्थित कई अचल संपत्तियों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को खरीदने में निवेश किया।

- डेढ़ माह की राहत से बढ़ेगी उम्मीदवारों की संख्या

सुरजीत सिंह चौहान बनाए गए उपाध्यक्ष

पिछड़ा वर्ग मोर्चा, महिला मोर्चा की नई प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र भाजपा ने पिछड़ा वर्ग मोर्चा, महिला मोर्चा की नई प्रदेश कार्यकारिणी घोषित की है। वहीं अनुसूचित जनजाति मोर्चा में गुना, अशोनगर सहित 21 जिलों में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति भी की है।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा में भोपाल नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष और केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के चचेरे भाई सुरजीत सिंह चौहान उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। वहीं, जमना सेन, प्रकाश राठौर, रणजितसिंह सेंधिया, उदय प्रताप सिंह, राम पटेल, सुरेंद्र यादव को भी उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं महिला मोर्चा में नई प्रदेश कार्यकारिणी में नीलिमा शिंदे, आशा गुप्ता, माया पटेल, शालिनी सरावगी, अंजना पटेल, विभा श्रीवास्तव, याकृति जाड़िया को उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं 2023 में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुई मोना सुस्तानी को प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। प्रदेशभर के विभिन्न जिलों से महिलाओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

मप्र विधानसभा में होगा विधायक सम्मेलन, मप्र छग, राजस्थान के 70 विधायक होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी भोपाल में पहली बार मप्र सहित तीन राज्यों के विधायकों का सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में मप्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के करीब 70 विधायक शामिल होंगे।

मप्र विस में यह सम्मेलन 30 और 31 मार्च को आयोजित होगा। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। जानकारी के अनुसार, इस सम्मलेन में शामिल होने के लिए मध्य प्रदेश के 37, राजस्थान के 22 और छत्तीसगढ़ के 15 विधायकों को आमंत्रित किया गया। इस सम्मलेन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के आने की भी संभावना है। इस दो दिवसीय सम्मेलन में विधायक अपने-अपने क्षेत्र में हो रहे विकास की गतिविधियों पर चर्चा के साथ अपने अनुभव भी साझा करेंगे। समापन पर यह सीएम सहित अन्य नेता शामिल होंगे।

केंद्र सरकार की विदेश नीति के विरोध में प्रदर्शन

गैस एजेंसी पर सिलेंडर की लाइन में लगी महिलाओं को बांटे चूल्हे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर में 20 दिन से चली आ रही रसोई गैस की किल्लत के चलते ईद और नवरात्रि के त्योहार पर परिवार खाली सिलेंडर लेकर शहर में भटक रहे हैं।

केंद्र एवं राज्य सरकार पर नागरिकों की परेशानी की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला के नेतृत्व में युवा कांग्रेस ने प्रभात चौराहे पर महिलाओं को चूल्हे बांटकर विरोध प्रदर्शन किया। शुक्ला ने कहा कि अमेरिका के डर के चलते आज भारत की सरकार रूस से रसोई गैस का आयात करने का फैसला नहीं ले पा रही है जिसके चलते पूरा देश सिलेंडर की तलाश में भटक रहा है।

डीपीआई के सामने प्रदेशभर से पहुंचे अभ्यर्थी करेंगे शांतिपूर्ण प्रदर्शन

माध्यमिक शिक्षक भर्ती वर्ग 2 में पद वृद्धि के लिए संवाद कार्यक्रम कल

विभाग की ओर से आज तक नहीं मिला जवाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

माध्यमिक शिक्षक भर्ती वर्ग दो में पद वृद्धि के लिए प्रदेश भर के अभ्यर्थियों द्वारा 23 मार्च को शहीद दिवस के दिन शासन से संवाद कार्यक्रम का आयोजन लोक शिक्षण संचालनालय के सामने प्रातः 11 बजे से किया जा रहा है।

शिक्षक चयन परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी संघ के प्रदेश संयोजक आशीष किरार एवं सह संयोजक आशीष त्रिपाठी ने बताया कि शिक्षा विभाग और जनजाति विभाग के तहत माध्यमिक शिक्षक वर्ग 2 के विषय शिक्षक एवं खेल, संगीत की परीक्षा अप्रैल 2025 में आयोजित हुई और सितंबर 2025 में परिणाम जारी हुआ। लंबे समय से अभ्यर्थियों को नौकरी का इंतजार था। परीक्षा में अच्छे अंक लाने के बाद भी विषय में कम पद घोषित होने के कारण अभ्यर्थियों का चयन नहीं हुआ। परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद अभ्यर्थियों द्वारा कई बार जिला कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों को पद वृद्धि का ज्ञापन पत्र देकर निवेदन किया, किन्तु आज तक विभाग की ओर से कोई उत्तर नहीं दिया गया है। प्रदेश में माध्यमिक शिक्षको के हजारों पद रिक्त हैं 15,000 पदों का बजट भी स्वीकृत हो चुका है, इसके बाद भी पद वृद्धि का आदेश जारी नहीं हुआ। इसी मांग को लेकर परीक्षाओं में चयनित अभ्यार्थी 23 मार्च को राजधानी स्थित लोक शिक्षण संचालनालय के समक्ष शासन व प्रशासन से संवाद करने के लिए पहुंच रहे हैं।

सीएम को डॉ. द्विवेदी ने भेंट की एनीमिया जागरुकता पर आधारित पुस्तक

'एनीमिया जागरुकता जन-आंदोलन' में सरकार सहयोग के लिए तत्पर

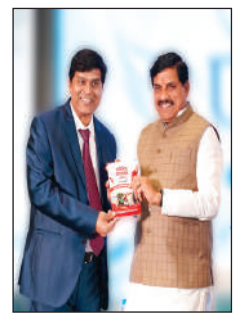

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश में एनीमिया के विरुद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. एके द्विवेदी द्वारा चलाया जा रहा जागरुकता अभियान अब जन-आंदोलन बन गया है।

यह अभियान अब तक 20 लाख से अधिक लोगों तक पहुंच चुका है। राजधानी भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. द्विवेदी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष 'एनीमिया जागरुकता अभियान' की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत कर एनीमिया जागरुकता पर आधारित पुस्तक की पहली प्रति भेंट की। डॉ. द्विवेदी ने बताया कि इस अभियान के तहत सरकार द्वारा चलाए जा रहे एनीमिया एवं सिकल सेल से संबंधित बीमारी के रोकथाम और उपचार के प्रयासों को भी व्यापक रूप से प्रचारित एवं प्रकाशित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे अत्यंत सराहनीय और अनुकरणीय प्रयास बताया।

राज्यपाल ने की थी अभियान की शुरुआत

डॉ. द्विवेदी ने बताया कि एनीमिया जागरुकता अभियान की शुरुआत राज्यपाल मंगु भाई पटेल ने की थी। 'एनीमिया जागरुकता रथ' के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों को जागरुक किया गया। इसमें महिलाओं, बुजुर्ग और बच्चों एवं कमजोर वर्गों पर विशेष ध्यान देते हुए पोषण, स्वास्थ्य जांच और सरल जीवनशैली उपायों की जानकारी दी गई। अभियान के तहत 'गुड़ और चना खाएं, हीमोग्लोबिन (रक्त) बढ़ाएं' जैसे अत्यंत सरल स्लोगन के जरिए लोगों को पारंपरिक एवं सुलभ पोषण अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

पेज एक का शेष....

नन्हे मेहमान ...

भाजपा नेता कृष्णाकुमार का नाती ओमी है। यानी बेटी दीया कृष्णा और उनके पति अश्विन का बेटा है। शनिवार को अभिनेता कृष्णाकुमार अपने पूरे परिवार के साथ दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास पर पीएम मोदी से मिलने पहुंचे थे। पीएम ने खुद इस बच्चे के साथ अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की और कैप्शन में लिखा, एक नन्हे दोस्त के साथ, जो 7, लोक कल्याण मार्ग पर आया था।

ट्रंप झुके, बोले-...

(अमेरिका में आयात सहित) की अनुमति देता है जो पहले से लदा हुआ है। नए उत्पादन या नई खरीद की अनुमति नहीं देता है। वॉशिंगटन का लक्ष्य तेहरान पर व्यापक प्रतिबंधों को बरकरार रखते हुए सप्लाई के दबाव को कम करना था, लेकिन ईरान के नो स्टॉक वाले बयान ने सप्लाई की वास्तविक मात्रा पर संदेह पैदा कर दिया है। इसका सीधा असर एशियाई देशों पर पड़ेगा, जो अपनी तेल जरूरतों का लगभग 60% हिस्सा मिडिल ईस्ट से पूरा करते हैं। भारत जैसे देश, जो ईरानी तेल की दोबारा खरीद पर विचार कर रहे थे, अब अनिश्चितता की स्थिति में हैं। वहीं, अब अमेरिका व इजराइल इस युद्ध में हांफे हुए दिख रहे हैं। अमेरिका बीच का रास्ता तलाश रहा है। ट्रंप ने कहा कि सीजफायर पर नहीं पर जंग पर बात की जा सकती है। ट्रंप ने यह भी विश्वास जताया कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई पूरी होने के बाद इजराइल भी युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार हो जाएगा।

मध्यप्रदेश में...

विविधताओं के ही नहीं, आर्थिक दृष्टि से एक-दूसरे के भी स्वाभाविक साझेदार हैं। राजस्थान का उन्नत टैक्सटाइल, जेम्स-एंड-ज्वेलरी और मप्र की ऑर्गेनिक कॉटन उत्पादन क्षमता, टेक्सटाइल पार्क एवं मजबूत मैन्युफैक्चरिंग ईकोसिस्टम मिलकर एक सशक्त वैल्यू चैन तैयार कर सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को जयपुर में आयोजित 'इन्टरेक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन मप्र' में राजस्थान के निवेशकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब लोग कहते थे कि मप्र में उद्योग टिक ही नहीं सकते, किंतु आज मप्र भारत के सबसे तेजी से विकसित होने वाले राज्यों में से एक है। मप्र की औद्योगिक विकास दर निरंतर बढ़ रही है। हमारी जीडीपी नई ऊंचाइयों को छू रही है। राजस्थान सरकार में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि राजस्थान और मप्र परिवार जैसे हैं। दोनों राज्य सरकारों ने सबसे पहले आपसी समन्वय से जल बंटवारे का समाधान निकाला है। मध्यप्रदेश में निवेश के लिए बेहद अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। दोनों राज्य मिलकर देश के औद्योगिक विकास की यात्रा पर साथ आगे बढ़ेंगे।

राजस्थान के व्यापारियों ...

युक्ति-बुद्धि और योग्यता से अपना लोहा मनवाया है। हम यहां दोनों राज्यों के बीच व्यापार संबंध प्रगाढ़ करने के लिए आए हैं। कुछ साल पहले तक हमारे निवेशक खाड़ी देशों में निवेश के लिए जा रहे थे, लेकिन अब वहां स्थिति तेजी से बदल गई है। मप्र में औद्योगिक क्षेत्र में नियमों-कानूनों का सरलीकरण किया जा रहा है।

निवेश आकर्षित करने ....

कि मध्यप्रदेश देश के सरप्लस बिजली स्टेट्स में से एक है। अब हम देश के 'ग्रीन, क्लीन एंड सोलर एनर्जी कैपिटल' के रूप में उभर रहे हैं। मध्यप्रदेश की बिजली से दिल्ली में मेट्रो ट्रेन संचालित हो रही है। प्रदेश में लगभग 2 रुपए 90 पैसे प्रति यूनिट दर पर घरेलू बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल खोलने के लिए एक रुपए में लीज पर जमीन दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र और राजस्थान देश के साथ आगे बढ़ें। राजस्थान की उद्यमशीलता और मध्यप्रदेश की संसाधन क्षमता मिलकर सेंट्रल इंडिया को इंडस्ट्रियल पावर सेंटर बना सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों ....

हॉस्पिटेलिटी एवं टूरिज्म एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश खंडेलवाल और मैजेस्टिक बासमती राइस प्रालि के डॉयरेक्टर विज्ञान लोढ़ा से वन-टू-वन चर्चा कर उन्हें मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

अब पारा 3-5 ...

दो दिन से भोपाल सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश का असर तापमान में तेजी से गिरावट के रूप में दर्ज हुआ। पिछले 24 घंटों में चंबल संभाग, ग्वालियर संभाग (गुना को छोड़कर), सागर संभाग और रीवा संभाग (सीधी को छोड़कर) के सभी जिलों में आंधी, बारिश का असर रहा। भोपाल, विदिशा, रायसेन, नरसिंहपुर, सिवनी, जबलपुर, मंडला, डिंडोरी में हल्की बारिश दर्ज हुई। कटनी, उमरिया और अनुपपुर में बौछारें पड़ीं। इससे पहले अलीराजपुर, बड़वानी, बैतूल, खंडवा, मंदसौर, आगर, विदिशा, छिंदवाड़ा, जबलपुर, दमोह, सिवनी, छतरपुर जिलों में ओले गिरे। शुक्रवार रात से शनिवार सुबह तक शिवपुरी, रायसेन, विदिशा, सागर, टीकमगढ़, छतरपुर, दमोह, पन्ना, मंडला जिलों में भी ओले गिरने से प्रदेशभर में पारा गिरा, जो शनिवार को धूप खिलने के बाद पश्चिमी मप्र में औसतन डेढ़ डिग्री तक ही बढ़ा है। टीकमगढ़ जिले के जतारा थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत मुहारा में बीती रात आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला और उसका भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को देर रात जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

5 डिग्री तक ....

औसत पारा सामान्य से 5 डिग्री तक कम रहा है, जबकि पश्चिमी हिस्से में यह 4 डिग्री तक कम दर्ज हुआ। इससे दिन में धूप की चुभन गायब रही।

रेप पीड़िता के....

किया। शुक्रवार रात पीड़िता के परिजन शिकायत दर्ज कराने उदयनगर थाने पहुंचे थे। पुलिस ने महिला अधिकारी के अभाव का हवाला देते हुए रिपोर्ट दर्ज नहीं की। उन्हें सुबह आने के लिए कहा। थाने से लौटने के बाद पीड़िता का 19 वर्षीय बेटा मानसिक रूप से बेहद आहत हो गया। आरोप है कि उसने गांव लौटकर कीटनाशक पी लिया। परिजन उसे तत्काल इलाज के लिए बागली के सरकारी अस्पताल लेकर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। शनिवार को पोस्टमॉर्टम के बाद जब युवक का शव भीकूपुरा लाया गया, तो परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो उठे। उन्होंने शव को पुंजापुरा-उदयनगर मार्ग पर रखकर चक्काजाम कर दिया। आरोप है कि लोगों ने आरोपी की झोपड़ी में आग लगा दी। उसके मकान में तोड़फोड़ की। इसके अलावा पुलिस वाहन पर भी पथराव किया गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही एएसपी यातायात हरनारायण बाथम, बागली एसडीओपी संजय सिंह बैस और उदयनगर थाना प्रभारी सीएल रायकवार सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। बागली एसडीओपी संजय सिंह बैस ने बताया कि पीड़िता ने पहले अपने बयान बदले थे, लेकिन अब वह आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराने के लिए तैयार हो गई है।

लखनादौन टोल पर....

टोल कर्मचारियों ने उन्हें रोका, तो उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी। टोल कर्मचारियों के मुताबिक सिखों ने शिफ्ट इंचार्ज मुनेश सिंह बघेल पर हमला कर दिया। उन्होंने तलवार की मूठ, बेसबॉल डंडों, घूंसे और लातों से मारपीट की, जिससे मुनेश सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोपी जाते समय शिफ्ट इंचार्ज का मोबाइल फोन छीनकर सिवनी की ओर भाग गए। पूरी घटना टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है, जिसके आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। लखनादौन थाना प्रभारी केपी धुर्वे का कहना है कि टोल प्लाजा के कर्मचारियों ने शिकायत दर्ज कराई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है। ये पंजाब से नांदेड़ जा रहे थे।

शिया समाज ने ....

मौलाना राजी उल हसन ने जुल्म के खिलाफ खड़े होने की बात कही। करोंद स्थित शिया जामा मस्जिद और अन्य इमामबाड़ों में ईद की नमाज के बाद श्रद्धांजलि सभा का आयोजना किया गया। इसके पहले मुस्लिम समाज के बंदों ने सबसे पहले ईदगाह पर ईद उल फितर की नमाज अदा की। मुल्क में अमन और खुशहाली के लिए दुआ की। भारी तादाद में लोग ईदगाह, ताजुल मस्जिद, मोती मस्जिद, आरिफ नगर मस्जिद सहित लगभग ढाई सौ मस्जिदों में ईद की नमाज अदा करने पहुंचे। इसके उन्होंने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी।

शाजापुर में काजी...

पुलिस मौके पर पहुंची। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया।

कार में जिंदा ....

यह कोई सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि एक साजिश है और साजिश के तहत उनकी बहन को मारा गया है। थाना प्रभारी भारत सिंह ठाकुर ने बताया मामला हादसा या साजिश है, इसकी जांच की जाएगी।

काउंसलर और वेलनेस...

बच्चों के लिए बेहतर काउंसलिंग सिस्टम तैयार करना है। यह परीक्षा सीबीएसई के क्षमता विकास कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसके जरिए ये जांचा जाएगा कि काउंसलर बच्चों की मानसिक और भावनात्मक परेशानियों को समझने और उन्हें संभालने में कितने सक्षम हैं। इस प्रक्रिया के तहत कुल 10,000 काउंसलर शामिल होंगे और परीक्षा को अलग-अलग चरणों में आयोजित किया जाएगा। इस एग्जाम के लिए पहला बैच फरवरी 2026 से शुरू हो चुका है। इस परीक्षा की सबसे खास बात यह है कि इसमें केवल किताबी नॉलेज नहीं बल्कि काउंसलर के व्यवहार, स्किल और स्कूल के माहौल में उनके काम करने के तरीके को भी परखा जाएगा। मतलब साफ है कि ये देखा जाएगा कि वो असल जिंदगी की स्थितियों को कैसे संभालते हैं और किस तरह छात्रों की मदद करते हैं?

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ...

नाम भेजा जाता है या स्कूल पोर्टल पर काउंसलरों का डेटा अपलोड करते हैं। स्कूल को यह डेटा हमेशा अपडेट रखना होता है ताकि कोई गलती न हो और सही लोगों को ही परीक्षा में शामिल होने का मौका मिले।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-1, गोमातिका परिसर जवाहर चौक, भोपाल

// आम सूचना //

मकान जो प्लाट क्रमांक-99 (NICE TRIPLEX), रिवेरा टाउन, कोटरा सुल्तानाबाद, भोपाल म.प्र., मंडल द्वारा श्री तरूण अग्रवाल आत्मज स्व. श्री हरिशंकर अग्रवाल एवं श्री कपिल अग्रवाल आत्मज स्व. श्री हरिशंकर अग्रवाल, के संयुक्त नाम से पंजीकृत है। श्री तरूण अग्रवाल आत्मज स्व. श्री हरिशंकर अग्रवाल, द्वारा अपने भाग के संबंध मे दिनांक 17.12.2025 को आवेदन-पत्र, शपथ पत्र हकत्याग-पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति में अपने भाग को पंजीकृत हकत्याग पत्र के आधार पर अपने भाई हकत्यागग्रहिता श्री कपिल अग्रवाल आत्मज स्व. श्री हरिशंकर अग्रवाल, के नाम हस्तांतरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किये है। मकान क्रमांक-99 (NICE TRIPLEX), रिवेरा टाउन, कोटरा सुल्तानाबाद, भोपाल म.प्र., मे श्री तरूण अग्रवाल आत्मज स्व. श्री हरिशंकर अग्रवाल के भाग को मंडल द्वारा श्री कपिल अग्रवाल आत्मज स्व. श्री हरिशंकर अग्रवाल, के नाम हस्तांतरित करने की कार्यवाही की जा रही है। अतः उक्त सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / संस्था / उत्तराधिकारी / अन्य को कोई आपत्ति है तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनाक से 15 दिवस के अंदर मय सबूत के कार्यालय में दस्तावेज प्रस्तुत करे। अन्यथा अवधि व्यतीत होने के उपरांत उक्त सम्पत्ति क्रेता के नाम हस्तांतरित करने की कार्यवाही की जावेगी। तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी
म.प्र. हाउसिंग एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-1, गोमातिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल

पश्चिम मध्य रेल

इंजीनियरिंग विभाग, खुली निविदा

निम्न लिखित कार्य के ई. निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेल्वे जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना कमांक :** डी.आर.एम.डब्लयू–जे.बी.पी 32–2026 दिनांक 27.02.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** वरिष्ठ मंडल अभियंता (दक्षिण), जबलपुर के क्षेत्राधिकार अंतर्गत इटारसी–जबलपुर सेक्शन में कुल 1533 जोड़ों में मोबाइल फ्लैश वेल्डिंग कार्य, **कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये :** 1,77,90,786/–, **बयाना राशि रुपये :** 2,39,000/–, **समापन अवधि :** 12 माह, **निविदा भरने कि अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजे :** 24.03.2026, **निविदा खुलने कि तिथि एवं समय 15.15 बजे :** 24.03.2026, **निविदा सूचना क्रमांक :** डी.आर.एम.डब्लयू–जे.बी.पी 38–2026 दिनांक 14.03.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** डीडीसी ई–डुंडी गुड्स शेड का विकास कार्य।, **कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये :** 12,44,04,621/–, **बयाना राशि रुपये :** 24,88,100/–, **समापन अवधि :** 18 माह, **निविदा भरने कि अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजे :** 10.04.2026, **निविदा खुलने कि तिथि एवं समय 15.15 बजे :** 10.04.2026, **निविदा सूचना क्रमांक :** डी.आर.एम.डब्लयू–जे.बी.पी 39–2026 दिनांक 16.03.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** सहायक मंडल अभियंता ब्योहारी सब डिविजन के अंतर्गत बरगवां रेलवे कोल साइडिंग–बीआरआरबी में गुड्स शेड सुविधाओं में सुधार।, **कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये :** 22,86,35,894/–, **बयाना राशि रुपये :** 45,72,800/–, **समापन अवधि :** 18 माह, **निविदा भरने कि अंतिम तिथि एंव समय 15. 00 बजे :** 10.04.2026, **निविदा खुलने कि तिथि एवं समय 15. 15 बजे :** 10.04.2026, **निविदा सूचना क्रमांक :** डी.आर.एम.डब्लयू–जे.बी.पी 40–2026 दिनांक 17.03.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** जबलपुर मंडल में ट्रांसलामैटिक रोबोटिक वेल्डिंग तकनीक द्वारा CMS क्रॉसिंग का रीकंडीशनिंग कार्य।, **कार्य का अनुमानित मूल्य रुपये :** 3,08,84,132/–, **बयाना राशि रुपये :** 6,17,700/–, **समापन अवधि :** 12 माह, **निविदा भरने कि अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजे :** 10.04.2026, **निविदा खुलने कि तिथि एवं समय 15.15 बजे :** 10.04.2026 उपरोक्त ई–निविदा की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट "https://ireps.gov.in" पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई–निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नही की जायेगी।

हस्ता.
मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय
कोलार रोड, भोपाल-462016, दूरभाष : 0755-2492095, 2492096
यूजीसी से मान्यता प्राप्त नैक A ग्रेड विश्वविद्यालय
(मध्यप्रदेश विधानसभा एक्ट 1991 द्वारा स्थापित एवं यू.जी.सी. व आर.सी.आई. से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम)

प्रवेश सूचना

बी.एड. (विशेष शिक्षा-दूरस्थ शिक्षा) ID/HI/VI/LD कार्यक्रम सत्र 2026-29
Duration - 2.5 वर्षीय (UGC एवं RCI से मान्यता प्राप्त)

अर्हता : स्नातक/स्नातकोत्तर उपाधि या समकक्ष परीक्षा किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से 50% अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। तकनीकी अथवा समतुल्य अर्हता वाले पाठ्यक्रम के लिये 55% अंकों की अनिवार्यता है। निम्नानुसार योग्यता होने पर छात्र को 10 अंक का अतिरिक्त अधिमान्य प्रदान किये जायेंगे। 1. निःशक्त संतान होने पर माता-पिता को। 2. किसी मान्यता प्राप्त संस्था से निःशक्तजन का प्रमाण पत्र होने की स्थिति में। 3. आर.सी.आई द्वारा मान्यता प्राप्त डिप्लोमा या डिग्री होने की स्थिति में।

कार्यक्रम शुल्क - सम्पूर्ण पाठ्यक्रम शुल्क रु. 36000/-, पंजीयन शुल्क रु. 800/- + पोर्टल शुल्क रु. 50/-
प्रवेश परीक्षा - आवंटित परीक्षा केन्द्रों पर दिनांक 06.06.2026 दिन शनिवार को CBT(Computer Based Test) आयोजित होगी।

एम.एड. (विशेष शिक्षा-दूरस्थ शिक्षा) ID/HI/VI/LD कार्यक्रम सत्र 2026-29
Duration - 2.5 वर्षीय (UGC एवं RCI से मान्यता प्राप्त)

अर्हता- (a) वह अभ्यर्थी जिसने किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित दिव्यांगता क्षेत्र (दृष्टि बाधित (VI) श्रवण बाधित (HI), बौद्धिक दिव्यांगता (ID), अधिगम अक्षमता (LD), में न्यूनतम 50% अंकों के साथ बी.एड. (विशेष शिक्षा) सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो या किसी भी संबंद्ध विश्वविद्यालय और/या UGC द्वारा मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय के तहत शिक्षण विभाग से RCI पंजीकरण के साथ B.Ed. (विशेष शिक्षा) के समकक्ष मानी जाने वाली कोई अन्य डिग्री उत्तीर्ण की हो। (अथवा)
(b) वह अभ्यर्थी जिसने बी.एड. सामान्य शिक्षा पाठ्यक्रम के साथ भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त संबंधित दिव्यांगता क्षेत्र में विशेष शिक्षा में डिप्लोमा (D.Ed.Spl.Edu.-ID/HI/VI/LD) सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया हो और प्रत्येक पाठ्यक्रम में न्यूनतम 50% अंकों के सफलतापूर्वक पूरा किया हो।(अथवा)
(c) विशेष शिक्षा में पी.जी.पी.डी- (ID/HI/VI/LD) डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थी (शैक्षणिक सत्र 2014-15 तक) (अथवा)
(d) बी.ए./बी.एस.सी./बी.कॉम, बी.एड. (विशेष शिक्षा) (4 वर्ष एकीकृत पाठ्यक्रम) उत्तीर्ण छात्र।
(e) अभ्यर्थी के पास वैध व सक्रिय आर.सी.आई. पंजीकरण होना चाहिए।

कार्यक्रम शुल्क : सम्पूर्ण पाठ्यक्रम शुल्क रु. 55000/- एवं पंजीयन शुल्क रु. 2000/-
प्रवेश परीक्षा : आवंटित परीक्षा केन्द्रों पर दिनांक 06.06.2026 दिन शनिवार को CBT (Computer Based Test) आयोजित होगी।

दोनों कार्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन : प्रवेश परीक्षा CBT (Computer Based Test) में सम्मिलित होने के लिए आवेदन पत्र mponline portal के माध्यम से दिनांक 20 मार्च 2026 से 05 मई 2026 तक एवं विलम्ब शुल्क रु. 300/- के साथ 15 मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

नोट : आरक्षण म.प्र. शासन के नियमानुसार होगा। ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र परीक्षा पूर्व एम.पी. ऑनलाइन कियोस्क/पोर्टल से डाउनलोड किए जा सकेंगे। प्रवेश संबंधी विस्तृत विज्ञापन एवं जानकारी विश्वविद्यालय की बेवसाइट **http://mpbou.edu.in/** पर उपलब्ध है।

म.प्र. माध्यम/124992/2026 — **कुलसचिव**

हरिभूमि क्लासीफाइड
आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
संपर्क सूत्र : 9407279644, 9977912473

वैवाहिकी

वर/वधु चाहिए
वर/वधु चाहिए-28 वर्षीय वधु के लिए वर तथा दो 32 वर्षीय वर के लिए वधु तथा 65 वर्षीय वर के लिए वधु चाहिए जाति बंधन नहीं सम्पर्क करें- 7400556967, 7400556967 (10411)

वर चाहिए
वर चाहिए- 33वर्ष, 5'2'', B.E.Civil. Mtech, Structural Desing Engineer, पुणे में कार्यरत, 5 लाख वार्षिक पैकेज सुंदर सुशील कन्या हेतु नौकरी पेशा, समकक्ष साहू वर चाहिए, मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। संपर्क करें- मो.-99261-98299 (240)

वधु चाहिए
वधू चाहिए
इकरार साह खान
उम्र: 50 वर्ष, जिला दुर्ग, केता बाड़ी मजार के पास. (दिल्ली) बिजनेस मैन हेतु वधू चाहिए. जाति बन्धन नही. तुरंत सम्पर्क करे. लड़की डायरेक्ट बात करे.
93033 96004
88512 89207

हरिभूमि भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो.9977912473

फार्म हाउस उपलब्ध है — प्राकृतिक सोन्दर्य से भरपूर संपूर्ण सुविधाओं के साथ।
बैंक फाईनेंस सुविधा उपलब्ध
अम्बाड़ी हिल्स फार्महाउस
दीवानगंज में मेन विदिशा रोड पर

सम्पर्क करें 9755600569, 9755600827
हर रविवार आफिस से साइट विजिट की सुविधा
आफिसः आदित्य कन्सट्रक्सन एण्ड मार्केटिंग, हाउस न. 16, 66 फीट, कोकता ट्रांसपोर्ट नगर रोड, महोली, भानपुर, भोपाल

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद

सफेद दाग
सफल ईलाज का 40 वर्षो का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

आवश्यकता
कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, देख-भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य. रू. 10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ 7225888800
RAI-22,23,24,25

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
– व्यावस्थापक

नाम परिवर्तन
मैं, सुशीला लोधी पति श्री संतोष लोधी निवासी-47, सेमरा कलां, चॉदबड़, राजीव नगर, हुजूर, भोपाल मध्य प्रदेश की स्थाई निवासी हूँ। यह कि मेरी पुत्री धनी लोधी के स्कूल के दस्तावेजों में मेरा नाम SUSHEELA LODHI से बदलकर SUSHILA LODHI कर दिया जाये। जो कि दिनांक 19 मार्च 2026 के बाद, मैं सभी आधिकारिक और कानूनी प्रयोजनों के लिए SUSHILA LODHI नाम से जानी जाउंगी।

हरिभूमि
आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार,जाहिर सूचना
@ Rs.1200/- साइज (फिक्स) 12X4 cm
अन्य साईज में @ Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2025 से लागू
बुकिंग के लिए संपर्क करें। मो. 9977912473

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य मिलेगा। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं।

वृष — आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। आय में भी वृद्धि होगी। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे।

मिथुन — आत्मसंयत रहें। आय में वृद्धि होगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी परिवर्तन होगा। ऑफिस में उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा।

सिंह — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी पैतृक सम्पत्ति से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या — परिवार का साथ मिलेगा। कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी। भाइयों का सहयोग रहगा।

तुला — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों में अड़चनें आ सकती हैं।

वृश्चिक — धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

धनु — वाणी में मधुरता रहेगी। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। कार्यभार में भी वृद्धि होगी। धनलाभ के अवसर मिलेंगे।

मकर — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। नौकरी में विदेश जाना हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन परेशान हो सकता है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें।

मीन — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। खर्च भी बढ़ेंगे। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत रहें।

शब्द पहेली - 6172

बाएँ से दाएँ
1.नियंत्रण,घोड़े की रास–3
4.पानी से सराबोर–5
8.अंधकार–3
9.आक्रमण–3
10.दम, सुट्टा–2
12.समय, वक्त–2
13.कहानी लेखक–5
16.अपराधी, गुंडा–4
17.आलोकित होना–4
18.उद्देश्य, मंजिल–2
19.छाती, सिलना–2
20.जागरण–4
23.सफल, उत्तीर्ण–4
25.पत्नी का नाना–2,3
28.मार्ग, रास्ता–2
29.जरा, थोड़ा–2
31.वैमनस्य–3
33.पाजेब–3
35.जरुरतमंद–3,2
36.गदर, क्रांति–3

ऊपर से नीचे
1.उत्साह–3
2.वोट,राय–2
3.हथियार, गोला–बारूद–4
4.सनसनी, रोमांच–4
5.एक विदेशी शराब–2
6.आफत, मुसीबत–2
7.उपपत्नी–3
11.बलिदानी–3
12.कार्य करने वाला–3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना–2,3
14.पानी, जल–2
15.निर्माण करने वाला–5
21.प्रकार–3
22.उम्मीद, आशा–2
24.भिखारी–3
26.ख्यात,प्रसिद्ध–4
27.मदिरापान–4
28.मदद,आराम–3
30.इससे कच्ची शराब बनती है–3
31.उस समय–2
32.नागालैंड की एक जाति–2
34.अधर, होठ–2

शब्द पहेली- 6171 का हल

ना	म	क	मा	ना		स	म	झ	दा	र
म		र	ह	म		म	द	न		म
र	त			ची		झौ			वा	णी
ख	स		ना	न	ख	ता	ई		रा	य
ना	ला	य	क		त्म		मा	त	ह	त
			क	था		का	न			
प	न	घ	ट		आ		दा	न	वी	र
व	र		ना	ना	स	सु	र		र	वि
न	म			म		चा			ता	न
सु		आ	स	व		ल	ह	र		य
त	ल	ब	गा	र		न	क	ब	ज	न

सूडोकु नवताल - 6182

★★★★☆ मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6181 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

सोना ही नहीं, ये विकल्प भी दिला सकते हैं बेहतर रिटर्न

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

सोना-चांदी जैसे सुरक्षित विकल्पों के साथ-साथ वैश्विक इक्विटी, क्वालिटी डेट और वैकल्पिक निवेश को मिलाकर संतुलित रणनीति अपनाना समझदारी भरा कदम हो सकता है। निवेश का मूल मंत्र वही है अस्थिरता में अवसर तलाशें, लेकिन सोच-समझकर।

पश्चिम एशिया में जारी ईरान-इजरायल तनाव ने वैश्विक वित्तीय बाजारों को अस्थिर कर दिया है। शेयर बाजारों में गिरावट, कच्चे तेल और कीमती धातुओं में तेजी और निवेशकों का सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख—ये सभी संकेत बताते हैं कि भू-राजनीतिक जोखिम फिलहाल बाजार की दिशा तय कर रहा है। ऊर्जा बाजार पर सबसे बड़ा असर पड़ा है। वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा जिस होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, वहां अनिश्चितता बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया है। इसके साथ ही सोना और चांदी में भी तेज खरीदारी देखी गई है। खाड़ी क्षेत्र के हवाई मार्ग प्रभावित होने से दुबई और दोहा जैसे प्रमुख हवाईअड्डों पर परिचालन बाधित रहा, जिससे कारोबारी गतिविधियों पर भी असर पड़ा। विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले हफ्तों में बाजार में अस्थिरता बनी रह सकती है, लेकिन घबराहट में बड़े निवेश फैसले लेना समझदारी नहीं होगी।

मध्य पूर्व संकट के बीच ऐसे बनाएं निवेश की रणनीति

■

ईरान-इजराइल संघर्ष से वैश्विक बाजार अस्थिर हुए

■

कच्चे तेल, सोने-चांदी की कीमतों में उछाल आया यूबीएस ने लंबी अवधि निवेश की सलाह दी

अस्थिर बाजार में कहां लगाएं पैसा

कीमती धातुएं
भू-राजनीतिक तनाव के दौरान सोना सुरक्षित निवेश माना जाता है। यूबीएस के मुताबिक कुल पोर्टफोलियो का छोटा हिस्सा (कुछ प्रतिशत) सोने में रखना जोखिम संतुलन में मदद कर सकता है।

ऊर्जा सेक्टर
तेल कीमतों में उछाल से ऊर्जा कंपनियों के शेयरों को फायदा मिल सकता है। हालांकि यह निवेश जोखिमपूर्ण हो सकता है, इसलिए चयन सावधानी से करें।

वैश्विक इक्विटी
अमेरिका, यूरोप, जापान, चीन और भारत जैसे बड़े बाजारों में विविध निवेश लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सकता है।

क्वालिटी फिक्स्ड इनकम
उच्च गुणवत्ता वाले बॉन्ड और डेट फंड पोर्टफोलियो की अस्थिरता कम करने में मदद करते हैं।

एक्टिव कमोडिटी स्ट्रेटेजी
सक्रिय रूप से प्रबंधित कमोडिटी फंड बदलती परिस्थितियों में बेहतर अवसर पकड़ सकते हैं।

हेज फंड/वैकल्पिक निवेश
उच्च नेटवर्थ निवेशकों के लिए वैकल्पिक रणनीतियां जोखिम प्रबंधन में सहायक हो सकती हैं।

अगर तेल के दाम ऊंचे रहे तो?

तेल कीमतों में लंबी अवधि तक तेजी रहने से महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है। ऐसे में केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में बढ़ोतरी पर विचार कर सकते हैं। हालांकि हाल के वर्षों में केंद्रीय बैंकों ने अस्थायी महंगाई झटकों पर सीमित प्रतिक्रिया देने का संकेत दिया है। यूबीएस का मानना है कि ऊंची तेल कीमतें उपभोक्ताओं और कंपनियों पर अतिरिक्त लागत का बोझ डालती हैं, जो कर वृद्धि जैसा असर पैदा कर सकती हैं। लेकिन तेल बाजार आमतौर पर खुद को संतुलित कर लेते हैं कीमतें बढ़ने पर आपूर्ति भी बढ़ती है। यदि कीमतों में उछाल अस्थायी रहा तो आर्थिक विकास पर बड़ा असर नहीं पड़ेगा। लेकिन अगर तेल लंबे समय तक महंगा रहा, तो तेल आयात करने वाली अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव बढ़ सकता है।

रणनीतिक धैर्य ही असली कुंजी

मध्य पूर्व में जारी तनाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है, लेकिन इतिहास बताता है कि बाजार समय के साथ खुद को संभाल लेते हैं। ऐसे दौर में घबराहट में पोर्टफोलियो बदलने के बजाय संतुलन, विविधता और लंबी अवधि का नजरिया अपनाना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। सोना-चांदी जैसे सुरक्षित विकल्पों के साथ-साथ वैश्विक इक्विटी, क्वालिटी डेट और वैकल्पिक निवेश को मिलाकर संतुलित रणनीति अपनाना समझदारी भरा कदम हो सकता है। निवेश का मूल मंत्र वही है अस्थिरता में अवसर तलाशें, लेकिन सोच-समझकर।

क्या करें निवेशक? घबराएं नहीं, रणनीति बदलें

यूबीएस ग्लोबल वेल्थ मैनेजमेंट के मुख्य निवेश अधिकारी मार्क हेफेले के अनुसार, इतिहास गवाह है कि ज्यादातर भू-राजनीतिक झटकों का बाजार पर असर सीमित अवधि तक ही रहता है। जैसे ही यह स्पष्ट होगा कि ऊर्जा आपूर्ति में बाधा अस्थायी है और प्रमुख तेल ढांचा सुरक्षित है, तेल की कीमतों में शुरुआती उछाल आंशिक रूप से कम हो सकता है। यूबीएस का मानना है कि ऐसे समय में पोर्टफोलियो से जोखिम पूरी तरह हटाने के बजाय उसे संतुलित और विविधतापूर्ण बनाना ज्यादा फायदेमंद रहता है। बैंक ने सलाह दी है कि निवेशक लंबी अवधि का नजरिया रखें और व्यापक इक्विटी इंडेक्स में निवेशित बने रहें।

कैसा है मार्केट का फ्यूचर?

यूबीएस का अनुमान है कि सैन्य तनाव के शुरुआती दौर में शेयर बाजार दबाव में रह सकता है, लेकिन मजबूत अमेरिकी अर्थव्यवस्था, कंपनियों की बेहतर कमाई और वैश्विक स्तर पर बढ़ते सरकारी खर्च के कारण 2026 के अंत तक बाजार में मौजूदा स्तर से करीब 10 प्रतिशत तक बढ़त संभव है। बैंक को अमेरिका के साथ-साथ यूरोप, जापान, चीन और उभरते बाजारों में भी संभावनाएं दिख रही हैं।

आर्थिक दबाव में घबराएं नहीं, स्मार्ट प्लानिंग करें

जब आपको खर्च भारी लगने लगे तो संभालें बजट व बढ़ाएं आमदनी

छोटे बदलाव और अनुशासन पा सकते हैं फाइनेंशियल संतुलन

समझदारी
बिजनेस डेस्क

कभी न कभी हर व्यक्ति ऐसी स्थिति का सामना करता है, जब अचानक खर्च बढ़ जाते हैं या आमदनी कम हो जाती है। ऐसे समय में सबसे बड़ी चुनौती पैसों की नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने की होती है। अक्सर लोग घबरा जाते हैं और बिना सोचे-समझे फैसले लेने लगते हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ जाती है, जबकि सच्चाई यह है कि ज्यादातर आर्थिक परेशानियां अस्थायी होती हैं और सही रणनीति से इन्हें संभाला जा सकता है। सबसे पहला कदम है स्थिति को समझना। जब भी खर्च अचानक बढ़ें या आमदनी घटे, तो तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय थोड़ी देर रुकें और पूरे हालात का आकलन करें। एक कागज या मोबाइल नोट में लिखें कि किस वजह से बदलाव आया है। कितना अतिरिक्त खर्च हुआ या आमदनी कितनी घटी? जब आप इसे साफ-साफ देखेंगे, तो समस्या उतनी बड़ी नहीं लगेगी, जितनी दिमाग में लगती है।

खर्चों को कंट्रोल करें
खर्चों को कंट्रोल करने के साथ-साथ आमदनी बढ़ाने पर भी ध्यान देना चाहिए। यह जरूरी नहीं कि आप तुरंत बड़ी कमाई शुरू करें। छोटे स्तर से शुरुआत भी काफी मददगार हो सकती है। अगर आपके पास कोई स्किल है जैसे पढ़ाना, लिखना, डिजाइनिंग या कोई अन्य हुनर—तो उसे अतिरिक्त आमदनी के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। फ्रीलांस काम, पार्ट-टाइम जॉब या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए अतिरिक्त आय के मौके तलाशे जा सकते हैं। इससे न केवल आर्थिक दबाव कम होता है, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

भविष्य की तैयारी करें
जब आपकी स्थिति थोड़ी स्थिर होने लगे, तो भविष्य की तैयारी करना न भूलें। एक इमरजेंसी फंड बनाना बेहद जरूरी है। कोशिश करें कि कम से कम 3 से 6 महीने के जरूरी खर्चों जितनी राशि धीरे-धीरे बचाकर अलग रखें। यह फंड किसी भी अचानक आने वाली आर्थिक परेशानी में आपकी ढाल बन सकता है। इसके अलावा, कई लोग अपने वित्तीय प्लान में लाइफ इंश्योरेंस को भी शामिल करते हैं, ताकि किसी अनहोनी की स्थिति में परिवार सुरक्षित रहे।

जरूरी और गैर-जरूरी खर्च समझें
इसके बाद जरूरी और गैर-जरूरी खर्चों के बीच फर्क करना बेहद जरूरी है। हर महीने के खर्चों की सूची बनाएं और उन्हें दो हिस्सों में बांटें। किराया, राशन, बिजली, बच्चों की फीस जैसे खर्च अनिवार्य होते हैं, जबकि बाहर खाना, ऑनलाइन शॉपिंग या मनोरंजन जैसे खर्चों को कुछ समय के लिए टाला जा सकता है। यह छोटे-छोटे बदलाव आपके बजट पर तुरंत सकारात्मक असर डालते हैं।

नियमित समीक्षा जरूरी
एक और महत्वपूर्ण बात है नियमित समीक्षा। आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए लगातार नजर रखना जरूरी है। हर हफ्ते या महीने अपने खर्च और आमदनी की समीक्षा करें। देखें कि कहां सुधार की जरूरत है और क्या बदलाव किए जा सकते हैं। यह आदत आपको भविष्य में भी वित्तीय अनुशासन बनाए रखने में मदद करेगी। ध्यान रखें कि कोई भी आर्थिक स्थिति एक दिन में नहीं बदलती। जैसे समस्याएं धीरे-धीरे आती हैं, वैसे ही समाधान भी समय लेते हैं। इसलिए धैर्य रखना बेहद जरूरी है। छोटे-छोटे कदम ही बड़े बदलाव की ओर ले जाते हैं।

कुछ न कुछ बचत करें
हर बार जब आप एक गैर-जरूरी खर्च कम करते हैं या थोड़ी अतिरिक्त बचत करते हैं, तो आप अपने लक्ष्य के करीब पहुंचते हैं। आर्थिक उतार-चढ़ाव जीवन का हिस्सा हैं। फर्क सिर्फ इतना होता है कि कौन इन परिस्थितियों में घबराता है और कौन समझदारी से काम लेता है। अगर आप सही सोच, अनुशासन और निरंतर प्रयास बनाए रखते हैं, तो किसी भी वित्तीय संकट से बाहर निकलना संभव है।

मुश्किल समय में फाइनेंशियल मंत्र
- **पहले स्थिति समझें:** खर्च और आमदनी का स्पष्ट हिसाब रखें
- **कटौती करें:** गैर-जरूरी खर्चों को तुरंत रोकें
- **आमदनी बढ़ाएं:** छोटे-छोटे साइड इनकम ऑप्शन अपनाएं
- **इमरजेंसी फंड बनाएं:** 3–6 महीने का खर्च अलग रखें
- **नियमित समीक्षा:** हर हफ्ते बजट पर नजर रखें
- **धैर्य रखें:** धीरे-धीरे ही स्थिरता वापस आती है

समझदारी से कदम उठाएं
जब हर खर्च भारी लगने लगे, तब घबराने के बजाय समझदारी से कदम उठाना ही सबसे बड़ा समाधान है। सही योजना, छोटे बदलाव और निरंतर प्रयास से आप न सिर्फ इस दौर से बाहर निकल सकते हैं, बल्कि भविष्य के लिए खुद को और मजबूत भी बना सकते हैं।

बाजार में अस्थिरता के बीच लंपसम निवेश करना मौका या फिर जोखिम

- इस समय वैल्यूएशन 10 साल के औसत से भी नीचे पहुंची
- एक्सपर्ट्स बोले, डर नहीं, रणनीति के साथ निवेश का वक्त
- भू-राजनीतिक तनाव ने निवेशकों के भरोसे को हिलाया

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

हाल गिरावट ने शेयर बाजार में निवेशकों की धड़कनें जरूर बढ़ा दी हैं, लेकिन बाजार के जानकार इसे खतरे के बजाय अवसर के रूप में भी देख रहे हैं। सेंसेक्स और निफ्टी-50 अपने ऐतिहासिक औसत के मुकाबले नीचे आ चुके हैं, जिससे वैल्यूएशन आकर्षक नजर आ रहे हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है क्या यह एकमुश्त (लंपसम) निवेश का सही समय है? या जोखिम होगा। पिछले कुछ महीनों में बाजार में उतार-चढ़ाव तेज हुआ है। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और आर्थिक अनिश्चितता ने निवेशकों के भरोसे को हिलाया है। लेकिन इतिहास गवाह है कि बाजार की गिरावट अक्सर लंबे समय के निवेशकों के लिए मौके लेकर आती है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा गिरावट "टाइम करेक्शन" का परिणाम है, जहां बाजार ने समय के साथ अपने वैल्यूएशन को संतुलित किया है। यही वजह है कि अब बाजार पहले की तुलना में ज्यादा "वाजिब" स्तर पर नजर आ रहा है।

वैल्यूएशन क्यों हैं आकर्षक
मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, सेंसेक्स और निफ्टी का वन-ईयर फॉरवर्ड पीई मल्टीपल करीब 17.8 गुना तक आ चुका है, जो पिछले कुछ सालों के निचले स्तरों में से एक है। इसका सीधा मतलब है कि शेयर अब पहले के मुकाबले सस्ते मिल रहे हैं। जब बाजार अपने ऐतिहासिक औसत से नीचे ट्रेड करता है, तो लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह एक मजबूत एंट्री पॉइंट बन सकता है।

लंपसम निवेश सही फैसला?
अगर आपका निवेश नजरिया 3 से 5 साल या उससे ज्यादा का है, तो मौजूदा स्तर पर लंपसम निवेश फायदेमंद हो सकता है। बाजार में गिरावट के समय निवेश करने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि आपको अच्छे शेयर या फंड्स कम कीमत पर मिल जाते हैं। हालांकि, हर निवेशक के लिए एक ही रणनीति सही नहीं होती। बाजार में अभी भी अस्थिरता बनी हुई है, इसलिए पूरी रकम एक साथ लगाना जोखिम भरा हो सकता है।

बैलेंस्ड अप्रोच अपनाएं
विशेषज्ञों का सुझाव है कि निवेशकों को "स्टैगर्ड" यानी चरणबद्ध निवेश की रणनीति अपनानी चाहिए। इसका मतलब है कुछ हिस्सा अभी निवेश करें। बाकी पैसा अगले 3–6 महीनों में धीरे-धीरे लगाएं। इस तरीके से आप बाजार के उतार-चढ़ाव का फायदा उठा सकते हैं और जोखिम भी कम कर सकते हैं।

किन फंड्स में करें निवेश
- लंपसम निवेश के लिए एक्सपर्ट्स निम्न विकल्पों को बेहतर मानते हैं।
- लार्ज-कैप फंड्सः स्थिर और कम जोखिम वाले
- फ्लेक्सी-कैप फंड्सः अलग-अलग कैटेगरी में निवेश का फायदा
- मल्टी-कैप फंड्सः विविधता के साथ संतुलित रिटर्न
- मिड-कैप और स्मॉल-कैप सेगमेंट में अभी भी कुछ हिस्सों में वैल्यूएशन ऊंचे हैं, इसलिए वहां थोड़ा सतर्क रहना जरूरी है।

वैश्विक कारकों का असर
- बाजार की दिशा सिर्फ घरेलू कारकों से तय नहीं होती। अंतरराष्ट्रीय घटनाएं भी इसमें बड़ी भूमिका निभाती हैं। कच्चे तेल की कीमतें, वैश्विक युद्ध जैसी स्थितियां और आर्थिक नीतियां—ये सभी बाजार में अस्थिरता बढ़ा सकती हैं।
- ऐसे में निवेशकों को जल्दबाजी में फैसले लेने से बचना चाहिए और लंबी अवधि के नजरिए के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

निवेश से पहले रखें ध्यान?
- अपनी जोखिम क्षमता को समझें
- निवेश का समय कम से कम 3–5 साल रखें
- एकमुश्त निवेश के साथ एसआईपी या एसटीपी का मिश्रण अपनाएं
- घबराकर बाजार से बाहर निकलने की गलती न करें

लंपसम निवेश के फायदे
- गिरावट में सस्ते दाम पर निवेश
- लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न की संभावना
- कंपाउंडिंग का अधिक फायदा

सावधानियां
- बाजार की अस्थिरता का जोखिम
- गलत समय पर पूरी रकम लगाने का खतरा
- मिड और स्मॉल कैप में सतर्कता जरूरी

ऐसी हो स्मार्ट निवेश रणनीति
- 30–40% राशि अभी लगाएं
- बाकी को एसटीपी के जरिए धीरे-धीरे निवेश करें
- लार्ज और फ्लेक्सी कैप फंड्स पर फोकस रखें
- लंबी अवधि के लक्ष्य तय करें
- बाजार की खबरों से घबराएं नहीं

गिरावट सुनहरा अवसर भी
शेयर बाजार की मौजूदा गिरावट डराने वाली जरूर है, लेकिन समझदार निवेशकों के लिए यह एक सुनहरा अवसर भी हो सकती है। लंपसम निवेश फायदेमंद साबित हो सकता है, बशर्ते आप इसे सही रणनीति और धैर्य के साथ करें। याद रखें। बाजार में असली कमाई टाइमिंग से नहीं, बल्कि समय देने से होती है।

पैसा बचाने से लेकर निवेश तक, अपनाएं ये स्मार्ट स्टेप्स

सुझाव
बिजनेस डेस्क

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके पास पर्याप्त पैसा हो और भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित रहे। लेकिन सच्चाई यह है कि केवल ज्यादा कमाना ही अमीर बनने का रास्ता नहीं है। असली फर्क इस बात से पड़ता है कि आप अपनी कमाई को कैसे संभालते हैं—कितना बचाते हैं और कहां निवेश करते हैं। सही रणनीति और अनुशासन के साथ कोई भी व्यक्ति धीरे-धीरे एक मजबूत फाइनेंशियल फाउंडेशन तैयार कर सकता है। यहां हम आपको ऐसे 8 आसान लेकिन असरदार स्टेप्स बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप न सिर्फ बचत बढ़ा सकते हैं, बल्कि समझदारी से निवेश कर भविष्य के लिए बड़ा फंड भी तैयार कर सकते हैं।

1. सबसे पहले लक्ष्य तय करें
बचत और निवेश की शुरुआत हमेशा एक स्पष्ट लक्ष्य से होनी चाहिए। सोचिए कि आपको पैसा किसलिए चाहिए—रिटायरमेंट, बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या आर्थिक स्वतंत्रता? जब आपका लक्ष्य तय होता है, तो आपकी बचत और निवेश को दिशा मिलती है। हर रुपये का उपयोग सोच-समझकर होता है और अनावश्यक खर्च अपने आप कम होने लगते हैं।

2. बजट बनाएं और खर्च नियंत्रित करें
हर महीने अपनी आय और खर्च का हिसाब रखें। इसके लिए आप 50-30-20 नियम अपना सकते हैं। इसमें 50% जरूरी खर्च (राशन, किराया, बिल), 30% इच्छाएं और 20% बचत और निवेश के लिए रख सकते हैं। यह तरीका आपको अनुशासित बनाता है और धीरे-धीरे आपकी बचत बढ़ने लगती है।

3. एसआईपी से निवेश की शुरुआत करें
सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी हर महीने एक निश्चित राशि म्यूचुअल फंड में निवेश करना। यह निवेश का सबसे आसान और प्रभावी तरीका है। कोशिश करें कि सैलरी आते ही एसआईपी ऑटोमैटिक कट जाए।

4. लंबी अवधि के लिए सुरक्षित निवेश चुनें
एसआईपी के साथ-साथ लंबी अवधि के निवेश भी जरूरी हैं। इसके लिए आप पब्लिक प्रोविडेंट फंड, कर्मचारी भविष्य निधि और नेशनल पेंशन सिस्टम जैसी योजनाओं में निवेश कर सकते हैं। ये योजनाएं आपको रिटायरमेंट के लिए एक मजबूत फंड बनाने में मदद करती हैं और टैक्स बचत का फायदा भी देती हैं।

5. सिर्फ एफडी पर निर्भर न रहें
फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी सुरक्षित जरूर है, लेकिन महंगाई को मात देने के लिए यह पर्याप्त नहीं है। इसलिए अपने पोर्टफोलियो में इक्विटी म्यूचुअल फंड और इंडेक्स फंड भी शामिल करें। इससे आपको लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ती है।

6. कर्ज को प्राथमिकता से खत्म करें
अगर आपके ऊपर कोई लोन या क्रेडिट कार्ड का बकाया है, तो उसे जल्द से जल्द खत्म करने की कोशिश करें। कर्ज पर दिया जाने वाला ब्याज आपकी बचत को कम करता है। कर्ज से मुक्ति एक तरह की "गारंटीड बचत" होती है, क्योंकि इससे आपका पैसा बेवजह खर्च होने से बचता है।

7. इंश्योरेंस से सुरक्षा सुनिश्चित करें
आपकी मेहनत से बनाई गई बचत और निवेश को सुरक्षित रखना भी उतना ही जरूरी है। इसके लिए हेल्थ इंश्योरेंस, टर्म इंश्योरेंस जरूर लें। इससे किसी आपात स्थिति में आपकी आर्थिक स्थिति पर बड़ा असर नहीं पड़ता।

8. नियमित समीक्षा करें
हर साल अपने निवेश की समीक्षा करें। देखें कि कौन सा निवेश अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और कहां बदलाव की जरूरत है।साथ ही अपनी आय बढ़ाने पर भी ध्यान दें। नई स्किल सीखें, बेहतर अवसर तलाशें और वित्तीय ज्ञान बढ़ाएं। टैक्स बचाने के लिए आयकर की धारा 80सी जैसे विकल्पों का भी सही उपयोग करें।

जल्दी पैसा इकट्ठा करने के टिप्स
-सैलरी आते ही पहले बचत, बाद में खर्च
-छोटी-छोटी बचत को नजरअंदाज न करें
-लंबी अवधि तक निवेश जारी रखें
-बाजार गिरने पर घबराएं नहीं

पैसा जमा करना आदतों का खेल
पैसा जमा करना कोई जादू नहीं, बल्कि आदतों का खेल है। अगर आप सही समय पर सही कदम उठाते हैं, तो छोटी-छोटी बचत भी बड़े फंड में बदल सकती है। याद रखें अनुशासन, धैर्य और सही निवेश ही अमीरी की असली चाबी हैं।

निवेश के लिए फ्लेक्सीकैप, मल्टी-एसेट फंड व गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ में रहेगा बेहतर संतुलन

म्यूचुअल फंड में दमदार रिटर्न के लिए बनाएं मल्टी-एसेट की रणनीति

योजना
बिजनेस डेस्क

नया वित्त वर्ष वित्त 27 करीब है और निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है। इस अनिश्चित बाजार में पैसा कहां लगाया जाए? पिछले 18 महीनों में इक्विटी बाजार ने कभी तेज रफ्तार पकड़ी, तो कभी अचानक ब्रेक लगा दिए। ऐसे में अब एक्सपर्ट्स साफ कह रहे हैं कि सिंगल स्ट्रैटेजी का दौर खत्म हो चुका है। अब समय है मल्टी-एसेट अप्रोच अपनाने का, जिससे न सिर्फ बेहतर रिटर्न मिल सकता है, बल्कि जोखिम भी नियंत्रित रखा जा सकता है। निवेशक इस उलझन में हैं कि बाजार की मौजूदा स्थिति में अपना पैसा कहां लगाएं। बाजार विशेषज्ञों ने निवेशकों को एक मल्टी-एसेट रणनीति अपनाने की सलाह दी है। विशेषज्ञों के मुताबिक, वित्त वर्ष 27 में बेहतर रिटर्न और जोखिम कम करने के लिए फ्लेक्सीकैप, मल्टीकैप और गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ का मिश्रण एक समझदारी भरा फैसला साबित हो सकता है।

क्यों जरूरी है मल्टी-एसेट रणनीति
बाजार के उतार-चढ़ाव ने यह साफ कर दिया है कि केवल इक्विटी पर निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है। जब शेयर बाजार गिरता है, तो पूरा पोर्टफोलियो प्रभावित होता है। ऐसे में अलग-अलग एसेट क्लास, इक्विटी, डेट और कमोडिटी-का संतुलन जरूरी हो जाता है। मल्टी-एसेट रणनीति का मूल सिद्धांत यही है। "सभी अंडे एक ही टोकरी में न रखें।

फ्लेक्सीकैप और मल्टीकैप फंड
एक्सपर्ट्स के मुताबिक, वित्त वर्ष 27 के लिए फ्लेक्सीकैप और मल्टीकैप फंड सबसे मजबूत आधार साबित हो सकते हैं। इन फंड्स की खासियत यह है कि फंड मैनेजर बाजार की स्थिति के हिसाब से लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप स्टॉक्स में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इसका फायदा यह होता है कि जब बाजार में किसी एक सेगमेंट में गिरावट आती है, तो दूसरा सेगमेंट पोर्टफोलियो को संतुलित रखता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पोर्टफोलियो का बड़ा हिस्सा लार्ज-कैप ओरिएंटेड फंड्स में होना चाहिए, क्योंकि ये अपेक्षाकृत स्थिर और कम जोखिम वाले होते हैं।

मिड और स्मॉल-कैप में क्यों जरूरी है सतर्कता
हालांकि मिड और स्मॉल-कैप सेगमेंट में रिटर्न की संभावनाएं ज्यादा होती हैं, लेकिन जोखिम भी उतना ही अधिक होता है। हाल के समय में इन सेगमेंट्स में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। एक्सपर्ट्स की सलाह है कि इन फंड्स में सीमित निवेश करें। लंबी अवधि (5 साल या उससे ज्यादा) का नजरिया रखें। एकमुश्त बड़ी राशि लगाने से बचें। यानी "हाई रिटर्न" के लालच में जोखिम को नजरअंदाज करना नुकसानदायक हो सकता है।

गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ
वैश्विक अनिश्चितताओं जैसे युद्ध, महंगाई या आर्थिक संकट के दौर में सोना हमेशा एक सुरक्षित निवेश माना गया है। सोना पोर्टफोलियो को स्थिरता देता है, जबकि चांदी में ग्रोथ की संभावना अधिक होती है। एक्सपर्ट्स का सुझाव है कि कुल पोर्टफोलियो का करीब 10% हिस्सा गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ में जरूर होना चाहिए।

हाइब्रिड और मल्टी-एसेट फंड
जो निवेशक ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते, उनके लिए हाइब्रिड और मल्टी-एसेट फंड बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। ये फंड इक्विटी (शेयर बाजार), डेट (बॉन्ड्स), गोल्ड अच्छे विकल्प हैं। इससे अगर एक एसेट क्लास कमजोर पड़ता है, तो दूसरा उसे संभाल लेता है। यही कारण है कि ऐसे फंड्स को "ऑटोमैटिक बैलेंसिंग टूल" भी कहा जाता है।

कैसे बनाएं स्मार्ट पोर्टफोलियो?
- 50–60%: फ्लेक्सीकैप/लार्ज-कैप/मल्टीकैप फंड
- 10–20%: मिड और स्मॉल-कैप (सीमित निवेश)
- 10%: गोल्ड/सिल्वर ईटीएफ
- 10–20%: हाइब्रिड या डेट फंड

निवेशकों के लिए जरूरी सीख
निवेश की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि आप कितना "डाइवर्सिफाइड" पोर्टफोलियो बनाते हैं। सिर्फ रिटर्न के पीछे भागने के बजाय जोखिम प्रबंधन पर भी उतना ही ध्यान देना होगा। बाजार हमेशा एक दिशा में नहीं चलता। हर गिरावट एक अवसर भी हो सकती है। धैर्य और अनुशासन सबसे बड़ी ताकत हैं।

मल्टी-एसेट मंत्र
- **डाइवर्सिफिकेशन जरूरी:** कभी भी निवेश के लिए एक ही एसेट पर निर्भर न रहें
- **फ्लेक्सीकैप को प्राथमिकता:** बाजार के हिसाब से बदलाव की सुविधा
- **मिड-स्मॉल कैप में सावधानी:** सीमित और लंबी अवधि का निवेश
- **गोल्ड ईटीएफ जरूर रखें :** अनिश्चितता में सुरक्षा
- **हाइब्रिड फंड अपनाएं:** जोखिम और रिटर्न का संतुलन बहुत जरूरी
- **नियमित समीक्षा:** हर 6–12 महीने में अपने बनाए हुए पोर्टफोलियो को जरूर जांचें

क्या करें
- लक्ष्य आधारित निवेश करें
- एसआईपी और लंपसम का मिश्रण अपनाएं
- लंबी अवधि का नजरिया रखें

क्या न करें
- बाजार गिरने पर घबराकर निवेश बंद न करें
- एक ही सेगमेंट में ज्यादा पैसा न लगाएं
- शॉर्ट-टर्म रिटर्न के चक्कर में जोखिम न बढ़ाएं

संतुलन ही सफलता है।
फ्लेक्सीकैप, मल्टी-एसेट फंड और गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ का सही मिश्रण न सिर्फ आपके पोर्टफोलियो को सुरक्षित रखेगा, बल्कि लंबे समय में बेहतर रिटर्न की राह भी बनाएगा। याद रखें, बाजार का उतार-चढ़ाव कभी खत्म नहीं होगा, लेकिन सही रणनीति के साथ आप हर दौर में अपने निवेश को मजबूत बना सकते हैं।

अमेरिका-इज़राइल वर्सेज ईरान युद्ध ने दुनिया जहान को ऊर्जा के खतरे में डाल दिया है। ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने से खाड़ी मुल्कों को जो जबर्दस्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, उसको सिर्फ स्थायी तौर पर युद्ध विराम के माध्यम से ही रोका जा सकता है। भारत अपनी आवश्यकता की लिक्विड नेचुरल गैस का आयात कतर से करता रहा है। कतर और यूएई से आने वाली लिक्विड नेचुरल गैस का कार्गो हार्मुज स्ट्रेट से गुजरता है। भारत के एलएनजी आयात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरकर आता है। खाड़ी देशों में छिड़ने वाला संघर्ष न केवल कच्चे तेल की कीमतों में आग लगा रहा है, अपितु यह उर्वरक संकट के माध्यम से भारत जैसे कृषि प्रधान देशों के रसोई घर तक अपनी तपिश पहुंचा रहा है, जिससे भविष्य में अनाज की पैदावार और उपलब्धता भी प्रभावित हो सकती है। भारत, चीन और ब्राजील जैसे दुनिया के तीन सबसे बड़े कृषि प्रधान देश अपनी मिट्टी की उत्पादकता को जीवित रखने के लिए भारी मात्रा में खाड़ी क्षेत्र से नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश का आयात करते हैं। पश्चिम एशिया में जारी इस जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इसके परिणामों को भुगतना पड़ेगा। तेल और गैस आयात पर अत्यधिक निर्भरता को देखते हुए हमें न केवल तेल के भंडार बढ़ाने होंगे, बल्कि नए रास्ते तलाशने की दिशा में प्रयास और तेज करने होंगे। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

युद्ध से खतरनाक होंगे इसके परिणाम

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय
विदेशी मामलों के जानकार

आक्रामक मिसाइलों के विध्वंसकारी प्रहारों से पहले से ही कमजोर हो चुकी दुनिया जहान की ऊर्जा हिफाजत और अधिक गंभीर खतरे में चली गई है। कतर, बहरीन, सऊदी अरब आदि खाड़ी मुल्कों मुल्कों पर ईरान की मिसाइलें कहर बनकर टूट पड़ी है। तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल लगातार देखा जा रहा है। क्रूड ऑयल के विपरीत भारत के पास लिक्विड नेचुरल गैस का कोई भी स्ट्रैटेजिक भंडार नहीं है। पश्चिम एशिया में जारी जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इस जंग के परिणामों को

अमेरिका और इज़राइल द्वारा 28 फरवरी को संयुक्त रूप से ईरान पर आक्रमण का अंजाम दिया गया। इस विनाशकारी युद्ध ने ईरान द्वारा इजराइली शहरों और पश्चिम एशिया के इलाके में विद्यमान अमेरिका सैन्य ठिकानों पर ड्रोनों और मिसाइलों द्वारा आक्रमण अंजाम देकर भयंकर प्रतिउत्तर प्रदान किया गया। ईरान द्वारा खाड़ी मुल्कों में अमेरिका के निकट सहयोगी मुल्कों के तेल और गैस के प्लांट्स को भी अपनी मिसाइलों से निशाना बनाया। बादशाही राजकाज वाले खाड़ी मुल्कों को यह अंदाजा भी नहीं था कि उनको ऐसे भीषण विध्वंसक युद्ध में उलझा दिया जाएगा। अमेरिका द्वारा खाड़ी देशों के बादशाही मुल्कों को सैन्य हिफाजत का आश्वासन ईरान द्वारा तहस-नहस कर दिया गया। आखिरकार अब खाड़ी मुल्कों के पास क्या विकल्प बच गया है? यही कि युद्ध जितनी जल्दी खत्म हो जाएगा, उनका नुकसान उतना ही कम रहेगा।

खाड़ी मुल्कों को आर्थिक हानि

होर्मुज स्ट्रेट बंद हो जाने से खाड़ी मुल्कों को जो जबर्दस्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है उसको सिर्फ स्थाई तौर पर युद्ध विराम के माध्यम से ही रोका जा सकता है। खाड़ी देशों के बादशाही मुल्क अपना भूगोल परिवर्तित नहीं कर सकते, उनको 9 करोड़ आबादी वाले एक विशाल पड़ोसी देश ईरान के साथ सह-अस्तित्व का रास्ता निकालना ही होगा ! अन्यथा अमेरिका उनकी सैन्य हिफाजत नहीं कर सकता, यह विकट स्थिति वर्तमान युद्ध से सिद्ध हो चुकी है। हालांकि अमेरिका से दूर चले जाना बादशाही खाड़ी मुल्कों के लिए कदापि आसान नहीं होगा, क्योंकि अनेक सैन्य संधियां कम से कम 20 वर्ष की अवधि की होती है। खाड़ी मुल्कों के बड़े-बड़े क्रूड तेल और गैस उत्पादक इलाकों और भंडारों पर निरंतर अंजाम दिए जा रहे हैं। आक्रामक मिसाइलों के विध्वंसकारी प्रहारों से पहले से ही कमजोर हो चुकी दुनिया जहान की ऊर्जा हिफाजत और अधिक गंभीर खतरे में चली गई है। कतर, बहरीन, सऊदी अरब आदि खाड़ी मुल्कों मुल्कों पर ईरान की मिसाइलें कहर बनकर टूट पड़ी हैं। तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल लगातार देखा जा रहा है।

क्रूड तेल, गैस की कीमतें बढ़ी

युद्ध प्रारंभ होने से पहले एशिया में शुरुआती ट्रेड में क्रूड तेल की कीमतें केवल 70 डॉलर प्रति बैरल थी। युद्ध के निरंतर जारी रहते किसी को ज्ञात नहीं है कि क्रूड तेल और गैस की कीमतें कहां जाकर रुकेंगी। विश्व की सबसे बड़ी नेचुरल गैस फील्ड में से एक है ईरान की साउथ पार्स गैस फील्ड।

ईरान की साउथ पार्स फील्ड पर इजरायल ने जोरदार आक्रमण अंजाम दिया। इसके तत्पश्चात ईरान ने कतर के पास रस लाफान की नेचुरल गैस फील्ड (एलएनजी) पर मिसाइल आक्रमण का अंजाम दिया। इन विध्वंसकारी आक्रमणों के तत्पश्चात तो गैस और तेल की कीमत में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया है। रास लाफान में अंजाम दिए गए ईरानी मिसाइल आक्रमण के बाद अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया कि इजराइल भविष्य में ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर आक्रमण अंजाम नहीं देगा। इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने यह चेतावनी भी दे दी कि अगर भविष्य में ईरान ने दोबारा कतर के रास लाफान पर आक्रमण अंजाम दिया तो अमेरिका ईरान के समस्त ऊर्जा ढांचे को तहस-नहस करके रख देगा।

तेल व्यापार हुआ बाधित

उल्लेखनीय है कि ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर अंजाम दिए गए आक्रमण के जवाब में ईरान ने सऊदी अरब, यूएई और कतर के तेल क्षेत्रों पर आक्रमण अंजाम देने की चेतावनी पहले से जारी कर दी थी। अमेरिका-इजराइल विरुद्ध ईरान युद्ध के कारण समस्त पश्चिम एशिया के हालात बहुत अधिक विध्वंसक हो गए हैं। होर्मुज स्ट्रेट के बंद कर दिए जाने से इस जलडमरूमध्य से गुजरने वाला दुनिया का 22 प्रतिशत तेल व्यापार जबरदस्त तौर से बाधित हो गया है। उल्लेखनीय है कि भारत सहित दक्षिण एशिया के समस्त देश तेल और गैस की आपूर्ति के लिए होर्मुज स्टेट और खाड़ी देशों पर अत्याधिक तौर से निर्भर रहे हैं। कतर की रास लाफान पर अंजाम दिए गए भयानक आक्रमण से भारत की नेचुरल गैस आपूर्ति पर जबरदस्त असर पड़ने वाला है। कतर द्वारा लिक्विड नेचुरल गैस (एलएनजी) फील्ड को विकसित करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया गया। ईरान द्वारा अंजाम दिए गए भीषण आक्रमण के बाद कतर का रास लाफान प्लांट बंद हो गया है। इसके करण यूरोप और दक्षिण एशिया में नेचुरल गैस की कीमतें बहुत बढ़ गई है। हालांकि कतर का एलएनजी उत्पादन एशिया के ही मुल्कों को सप्लाई किया जाता है। उल्लेखनीय है कि यह इलाका सबसे बड़े नेचुरल गैस फील्ड में एक है, जहां पर 51 ट्रिलियन क्यूबिक मीटर नेचुरल गैस का विशाल भंडार है। इस संपूर्ण क्षेत्र को ईरान और कतर दोनों समान रूप से साझा करते हैं। ईरान के आधिपत्य वाले नेचुरल गैस फील्ड को साउथ पार्स फील्ड कहा जाता है और कतर की तरफ वाले फील्ड को उत्तरी फील्ड कहा जाता है। ईरान दुनिया के पटल पर ऐसा चौथ मुल्क है जो कि अमेरिका, चीन और रूस के पश्चात गैस का सबसे बड़ा उपभोक्ता मुल्क है, साउथ पार्स फील्ड से अपनी जरूरत का तकरीबन अस्सी फ़ीसदी गैस प्रयोग करता है।

भारत पर जंग का पड़ेगा असर

ईरान ने भी लिक्विड नेचुरल गैस उत्पादन का एक शक्तिशाली ढांचा बनाने की कोशिश अंजाम दी थी, लेकिन परमाणु कार्यक्रम के कारण आयाद किए गए वैश्विक प्रतिबंधों के कारण उसे बहुत अधिक सफलता नहीं मिल पाई है। भारत अपनी आवश्यकता की लिक्विड नेचुरल गैस का आयात कतर से करता रहा है। कतर और यूएई से आने वाली लिक्विड नेचुरल गैस का कार्गो हार्मुज स्ट्रेट से गुजरता है। भारत के एलएनजी आयात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरकर आता है। विनाशकारी युद्ध के बाद भी कतर के गैस प्रोसेसिंग प्लांट को दोबारा शुरू करने में तकरीबन दो हफ्ते से अधिक लग जाएंगे। क्रूड ऑयल के विपरीत भारत के पास लिक्विड नेचुरल गैस का कोई भी स्ट्रैटेजिक भंडार नहीं है। महंगी लिक्विड नेचुरल गैस भारत नहीं खरीद सकता है। पश्चिम एशिया में जारी जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इस जंग के परिणामों को भुगतना पड़ेगा।

उर्वरकों पर खतरा यानी रोटी पर संकट

संकट

दिनेश शर्मा
वरिष्ठ स्तंभकार

खाड़ी क्षेत्र में जारी युद्ध केवल सैन्य संघर्ष नहीं हैं, बल्कि यह उस 'खाद्य युद्ध' की पदचाप है जो खेतों की उर्वरता और वैश्विक पेट की भूख को सीधे प्रभावित कर सकती है। दरअसल युद्ध अपने साथ केवल प्रत्यक्ष विनाश, रक्तपात और विस्थापन ही नहीं लाता, बल्कि यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की उन सूक्ष्म धमनियों को भी बाधित करता है, जिनसे दुनिया की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा संचालित होती है। खाड़ी देशों में छिड़ने वाला संघर्ष न केवल कच्चे तेल की कीमतों में आग लगा रहा है, अपितु यह उर्वरक संकट के माध्यम से भारत जैसे कृषि प्रधान देशों के रसोई घर तक अपनी तपिश पहुंचा रहा है, जिससे भविष्य में अनाज की पैदावार और उपलब्धता पर प्रभावित हो सकती है। भारत, चीन और ब्राजील जैसे दुनिया के तीन सबसे बड़े कृषि प्रधान देश अपनी मिट्टी की उत्पादकता को जीवित रखने के लिए भारी मात्रा में खाड़ी क्षेत्र से नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश का आयात करते हैं। भारत के संदर्भ में यह निर्भरता रणनीतिक रूप से अत्यंत संवेदनशील और जोखिम भरी है। भारत अपनी यूरिया की कुल खपत का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा सीधे आयात करता है, जिसमें ओमान, सऊदी अरब और कतर जैसे देशों की भूमिका अहम है। यदि ईरान और खाड़ी देशों में जारी तनाव लंबा चलता है या पूर्ण युद्ध में बदलता है, तो यह भारत की 'खाद सुरक्षा' के लिए चिंतनीय होगा। वर्तमान स्थिति में सबसे पहली और घातक बाधा 'लॉजिस्टिक्स' और समुद्री परिवहन के मोर्चे पर आ रही है। दुनिया का लगभग एक-तिहाई समुद्री व्यापार हॉर्मुज जलडमरूमध्य के एक संकरे और तनावग्रस्त मार्ग से गुजरता है।

भारत अपनी यूरिया की कुल खपत का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा सीधे आयात करता है। यदि ईरान और खाड़ी देशों में जारी तनाव लंबा चलता है या पूर्ण युद्ध में बदलता है, तो यह भारत की 'खाद सुरक्षा' के लिए चिंतनीय होगा।

यदि यह जलमार्ग युद्ध के कारण अवरुद्ध होता है, तो उर्वरकों से लदे जहाज या तो बंदरगाहों पर फंस जाएंगे या उन्हें 'केप ऑफ गुड होप' (अफ्रीका) का चक्कर लगाकर हजारों मील लंबा रास्ता तय करना होगा। इससे परिवहन इतना महंगा हो जाएगा कि बंदरगाह पर उतरने वाली खाद की बोरी की कीमत किसान की पहुंच से बाहर हो जाएगी। उर्वरक संकट का दूसरा गहरा और तकनीकी संबंध 'प्राकृतिक गैस' की कीमतों से जुड़ा है। खाड़ी में युद्ध का अर्थ है वैश्विक गैस पाइपलाइनों और एलएनजी आपूर्ति में भारी व्यवधान। जब गैस की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ेंगी, तो भारत के घरेलू उर्वरक संयंत्रों की उत्पादन लागत भी अनियंत्रित रूप से बढ़ जाएगी। इसके साथ ही, चीन और ब्राजील जैसे देशों से मिलने वाली वैश्विक प्रतिस्पर्धा इस संकट को और गहरा कर देगी। यदि फसल सीजन के दौरान उर्वरक की समय पर आपूर्ति नहीं हुई, तो इसके परिणाम भयावह हो सकते हैं।

खाद की कमी का सीधा अर्थ है प्रति एकड़ पैदावार में 25 से 40 प्रतिशत तक की गिरावट। उत्पादन कम होने का अर्थ होगा बाजार में अनाज की कमी, जमाखोरी और उसके परिणामस्वरूप बेतहाशा खाद्य मुद्रास्फीति। इसके अतिरिक्त, सरकार पर 'उर्वरक सब्सिडी' का बोझ इतना बढ़ जाएगा कि वह देश के बुनियादी ढांचे और विकास कार्यों के बजट में कटौती करने पर मजबूर हो जाएगी। इस संभावित त्रासदी से बचने के लिए भारत को अब केवल 'प्रतिक्रियात्मक' नहीं बल्कि 'निवारक' रणनीति पर काम करना होगा। हम अब मोरक्को, जॉर्डन, रूस और कनाडा जैसे देशों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते कर रहे हैं ताकि खाड़ी क्षेत्र पर हमारी शत-प्रतिशत निर्भरता न रहे।

साथ ही, 'पीएम-प्रणाम' जैसी योजनाओं के माध्यम से वैकल्पिक उर्वरकों और नैनो यूरिया को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो तरल रूप में होने के कारण कम मात्रा में अधिक प्रभावी होते हैं और जिन्हें भंडारित करना आसान है। भारत को अपनी 'सल्फर कोटेड यूरिया' जैसी तकनीकों को और विस्तार देना होगा ताकि मिट्टी की सेहत भी बनी रहे और आयात पर बोझ भी कम हो। खाड़ी देशों का यह संभावित युद्ध केवल मिसाइलों और टैंकों का मुकाबला नहीं है, बल्कि यह करोड़ों किसानों के हल और आम आदमी की थाली पर होने वाला प्रहार है। आवश्यकता है कि भारत अपनी 'खाद्य संप्रभुता' को सुरक्षित करने के लिए उर्वरक के क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को युद्ध स्तर पर गति दे।

सतर्कता के बावजूद रसोई गैस बनी बड़ा मुद्दा !

चिंतन

सुशील देव
स्वतंत्र पत्रकार

रसोई गैस की आपूर्ति उतनी बाधित नहीं है, जितना यह प्रचारित किया जा रहा है कि देश में एलपीजी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। केंद्र सरकार ने कई बार भरोसा दिलाया है कि ऐसी अफवाहों पर ध्यान न दिया जाए। कालाबाजारी और जमाखोरी करने वालों के साथ-साथ अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। सरकार की ओर से यह सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है कि किसी भी नागरिक को घरेलू गैस के कारण परेशानी न हो। इसके बावजूद, जमीनी स्तर पर गैस को लेकर बढ़ती दिक्कतों का असर साफ दिखाई दे रहा है। कालाबाजारी करने वाले आपदा में अवसर तलाश रहे हैं, वहीं विपक्षी दल इसे मुद्दा बनाकर सरकार पर दबाव बनाने से नहीं चूक रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, यदि मध्य-पूर्व का यह संघर्ष और गहराता है तो ईंधन संकट भी बढ़ सकता है। उधर, ईरान में सत्ता परिवर्तन और उसके परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करने के नाम पर शुरू हुआ संघर्ष अब ईंधन युद्ध का रूप लेता नजर आ रहा है।दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत के पांच राज्यों-पश्चिम बंगाल, केरल, असम, पुडुचेरी और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इन राज्यों में ईंधन का मुद्दा विपक्ष के लिए बड़ा चुनावी हथियार बन सकता है। भारत में ऊर्जा संकट, खासकर घरेलू गैस (एलपीजी) की बढ़ती कीमतें और आपूर्ति संबंधी समस्याएं अब केवल आर्थिक मुद्दा नहीं रहीं, बल्कि राजनीतिक विषय बनती जा रही हैं। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनावों पर इसका सीधा असर मतदाताओं के व्यवहार और चुनावी रणनीतियों पर पड़ सकता है।आम आदमी घरेलू गैस की बढ़ती कीमतों और आंशिक अनुपलब्धता से परेशान है। मध्यम और निम्न आय वर्ग के लिए रसोई गैस एक महंगा संसाधन बनती जा रही है। कई जगह लोग फिर से पारंपरिक ईंधनों यानी लकड़ी, कोयला और केरोसिन की ओर लौटने को मजबूर हैं। ऐसे में केंद्र सरकार के सामने पर्याप्त, सुलभ और स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती बन गया है। वैसे देश भर में पेट्रोल या डीजल की कीमतें बढ़ने से भी लोग परेशान दिखाई दे रहे हैं। विपक्षी दल पहले से ही महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को उठाते रहे हैं। ऐसे में रसोई गैस का मुद्दा भी चुनावी मंच पर प्रमुखता से उठाया जा रहा है। संसद के भीतर और बाहर इस पर लगातार बहस हो रही है। कुछ राज्यों में ईरान–इजरायल–अमेरिका के तनाव के संदर्भ में ईंधन की संभावित कमी को लेकर सरकार पर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि केंद्र सरकार संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रही है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसका असर दिखने लगा है। उज्ज्वला योजना के तहत कनेक्शन मिलने के बावजूद, रिफिल की बढ़ती कीमतों के कारण उपयोग घट रहा है।

चुनाव से पहले यदि गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती या अतिरिक्त सब्सिडी की घोषणा होती है, तो इसका राजनीतिक लाभ सत्ताधारी दल को मिल सकता है।

इससे योजनाओं की प्रभावशीलता पर भी सवाल उठने लगे हैं। विपक्ष इसे 'घोषणा बनाम वास्तविकता' के रूप में पेश कर रहा है, जो चुनावी दृष्टि से सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। वहीं यह भी संभावना है कि केंद्र और राज्य सरकारें एलपीजी पर सब्सिडी, उज्ज्वला लाभार्थियों को राहत और कीमतों को नियंत्रित करने जैसे कदमों के जरिए मतदाताओं को साधने की कोशिश करें। चुनाव से पहले यदि गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती या अतिरिक्त सब्सिडी की घोषणा होती है, तो इसका राजनीतिक लाभ सत्ताधारी दल को मिल सकता है। शहरी मतदाता पहले से ही बिजली, पानी और रोजगार जैसे मुद्दों से जूझ रहे हैं। ऐसे में घरेलू गैस की कीमतें भी उनके लिए अहम मुद्दा बन गई हैं। गैस की कमी की संवेदनशीलता को देखते हुए केंद्र सतर्क है, लेकिन राज्यों की परिस्थितियों के अनुसार इसका प्रभाव भिन्न हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है, जिस पर केंद्र सरकार का सीधा नियंत्रण नहीं है। फिर भी आम जनता इसे घरेलू नीतियों से जोड़कर देखती है। ऐसे में सरकार के सामने चुनौती है कि वह घरेलू जरूरतों और वैश्विक परिस्थितियों के बीच संतुलन कैसे बनाए। साफ है कि रसोई गैस का मुद्दा आने वाले विधानसभा चुनावों में एक संवेदनशील और निर्णायक बन सकता है।

बढ़ाना ही होगा इलेक्ट्रिक वाहनों का चलन

चुनौती

उमेश चतुर्वेदी
राजनीतिक समीक्षक

ईरान पर अमेरिकी और इजराइली कार्रवाई के बाद पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया को कई तरह की परेशानियों और रुकावटों का सामना करना पड़ रहा है। अगर खाड़ी संकट जल्द नहीं थमा तो पहले से ही करीब अस्सी अरब डॉलर सालाना खर्च करने वाले भारत की ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियां और बढ़ सकती हैं। पेट्रोलियम कारोबार पर निगाह रखने वाले वैश्विक संस्थानों को आशंका है कि अगर ईरान-इजराइल-अमेरिका युद्ध लंबा खिंचा और इससे कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल दस डॉलर की भी बढ़ोत्तरी हुई तो भारत का पेट्रोलियम आयात खर्च पंद्रह हजार करोड़ डॉलर सालाना बढ़ सकता है।

पेट्रोलियम आयात पर होने वाली इस बढ़ोतरी के चलते भारत पर नए सिरे से आर्थिक दबाव बढ़ेगा । ऐसे में जरूरी है कि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों को लेकर नए सिरे से विचार करे और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की तलाश की दिशा में न सिर्फ आगे बढ़े, बल्कि शोध और विकास पर भी जोर लगाए। खाड़ी संकट के बाद सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को इस दिशा में सोचने को मजबूर किया है। तमाम देश वैचारिक स्तर पर पेट्रोलियम पदार्थों के विकल्पों की खोज में जुटने लगे हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर दुनिया का बढ़ता ध्यान इसी बदलती सोच का प्रतीक है। चीन ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने पर पिछले कुछ वर्षों में इतना जोर दिया है कि वहां एक तरह से इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति ही आ गई है। भारत ने साल 2030 तक कुल वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी तीस प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। ईरान संकट के पहले से ही इलेक्ट्रिक वाहनों के चलन को बढ़ावा देने की सरकारी कोशिशों से सालाना पेट्रोलियम आयात में करीब 25 हजार करोड़ की बचत होने लगी है। जिस तरह पेट्रोलियम उत्पादक खाड़ी के क्षेत्र में हालात बदल रहे हैं, उससे देश को पेट्रोलियम के विकल्प ढूंढने की दिशा में तेजी लाने और इस सिलसिले में शोध और विकास को भी गति देने की जरूरत बढ़ी है। ऐसा किए बिना देश के लिए पेट्रोल और डीजल के आयात के लिए विदेशी मुद्रा के भारी खर्च पर लगाम लगाना आसान होगा। भारत के संदर्भ में देखें, तो रसोई गैस के मोर्चे में देश ने पिछले दस वर्षों में बड़ी क्रांति को देखा है। देश के रसोई घरों में पीएनजी यानी पाइप्ड नेचुरल गैस और एलपीजी यानी लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस की खपत बढ़ी है। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार, देश में प्राकृतिक गैस की रोजाना खपत करीब 189 मिलियन घन मीटर है, लेकिन घरेलू उत्पादन महज 97.5 मिलियन घन मीटर रोजाना ही है। करीब साठ फीसद गैस बाहर से आयात करनी पड़ती है। देश में करीब 33 लाख एलपीजी कनेक्शन हैं। इनमें दस लाख 33 हजार कनेक्शन प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत दिए गए हैं। इन कनेक्शनों पर सालाना 312 लाख टन गैस खर्च होती है। इस गैस का साठ फीसद हिस्सा आयात किया जाता है। जाहिर है कि देश का बड़ा गैस खर्च भी आयात पर ही निर्भर है। आंकड़ों के अनुसार देश की ऊर्जा स्रोत के रूप में सबसे ज्यादा खपत डीजल की है, जो कुल पेट्रोलियम खर्च का करीब करीब 38.5 फीसद है। इसके बाद पेट्रोल का नंबर आता है, जिसकी कुल ऊर्जा स्रोत के खपत में करीब 18 प्रतिशत की भागीदारी है, जबकि तीसरे नंबर पर करीब चौदह फीसद हिस्सेदारी के साथ प्राकृतिक गैस है। भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय के मार्च 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार देश में रोजाना करीब 87 करोड़ लीटर पेट्रोल की खपत होती है। जबकि देश में इसका उत्पादन महज 9.65 करोड़ लीटर ही होता है। देश की कुल पेट्रोलियम खपत का करीब 87 फीसद हिस्सा आयात करना पड़ता है। कुल एलपीजी खर्च का 60 फीसद हिस्सा आयात से पूरा किया जाता है। भारत में पारंपरिक रूप से लकड़ी के चूल्हे पर खाना पकाने का चलन रहा है। इसके लिए जलावन पारंपरिक तौर पर फसलों के साथ ही पेड़ों और जंगलों से मिलता रहा है। उन्हें बाद में स्वास्थ्य के लिए खराब माना जाने लगा। अब बदले हालात में जरूरी है कि पारंपरिक चूल्हों को विकसित करके उनकी ओर भी लौटा जाए। इसके लिए ऐसे उन्नत चूल्हे बनाए जाएं, जिससे धुआं कम से कम निकले और उनसे ऊर्जा ज्यादा मिले। समुद्री लहरों के जरिए भी बिजली बनाने पर शोध हो रहा है, इस दिशा में भी तेजी लाई जानी चाहिए। तभी जाकर हम आने वाले दिनों में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का ज्यादा इस्तेमाल कर सकेंगे, तब हम आयात के भारी-भरकम खर्च से बचेंगे।

मार्च 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार भारत में रोजाना करीब 87 करोड़ लीटर पेट्रोल की खपत होती है। जबकि देश में इसका उत्पादन महज 9.65 करोड़ लीटर ही होता है।

ईरान युद्ध से सबक लेकर आत्मनिर्भर बने भारत

दृष्टिकोण

रवि शंकर
स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम एशिया में भड़की जंग ने दुनिया को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां हर अगला दिन एक नए खतरे का संकेत दे रहा है। यह सिर्फ दो देशों के बीच का टकराव नहीं रहा, बल्कि पूरी वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था को सीधे निशाने पर ले आया है। देखा जाये तो इजराइल ने जब ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया, तो यह सीधा उस नस पर वार था जिससे पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति चलती है। जवाब में ईरान ने भी देर नहीं की और कतर के रास लफान गैस केंद्र को निशाना बना दिया। यह वही केंद्र है जो दुनिया की कुल गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा संभालता है। यानी अब जंग सिर्फ सीमाओं पर नहीं, बल्कि दुनिया की रसोई और उद्योगों तक पहुंच चुकी है। तेल बाजार में हाहाकार मच गया।

कीमतें अचानक उछलकर एक सौ बीस डॉलर के करीब पहुंच गईं। यह सिर्फ आर्थिक उतार-चढ़ाव नहीं था, बल्कि उस डर का इजहार था कि फारस की खाड़ी अब बारूद का ढेर बन चुकी है, जहां से किसी भी वक्त पूरी दुनिया प्रभावित हो सकती है। बता दें, भारत अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत दूसरे देशों से आयात करता है, जबकि एलपीजी 60 प्रतिशत और एलएनजी का आधे से अधिक आयात होता है। यह आपूर्ति मुख्यत खाड़ी देशों से ही होती है। इस आयात का ज्यादातर हिस्सा केवल एक अस्थिर क्षेत्र यानी पश्चिम एशिया से आता है। यही कारण है कि इस क्षेत्र में किसी भी रुकावट को नीति निर्माताओं और तेल कंपनियों के लिए तत्काल चिंता का विषय बना देता है। फिर भी, भारत के ऊर्जा योजनाकारों का तर्क है कि 1970 दशक के खाड़ी संकटों की तुलना में आज देश ऐसी बाधाओं से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है। पिछले कुछ वर्षों में भारत किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए जानबूझकर अपनी कच्चे तेल की स्रोत रणनीति में विविधता लाया है। सबसे बड़ा बदलाव रूस से आयात में वृद्धि है, जो यूक्रेन संघर्ष के बाद से भारत का सबसे बड़ा कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है। साथ ही, भारतीय रिफाइनरियों ने अमेरिका, ब्राजील, मैक्सिको और पश्चिम अफ्रीका के उत्पादकों से तेल की खरीद बढ़ा दी है। ये सभी देश मिलकर अब भारत के कच्चे तेल की कुल मात्रा का लगभग आधा हिस्सा पूरा करते हैं, जिससे खाड़ी देशों से तेल की आपूर्ति धीमी होने पर रिफाइनरियों को आपूर्ति को संतुलित करने की सुविधा मिलती है। हालांकि, भारत के लिए खाड़ी क्षेत्र भविष्य के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के दीर्घकालिक कच्चे तेल अनुबंधों का एक बड़ा हिस्सा आपूर्ति करते हैं। इन देशों से आने वाला तेल जामनगर, वडीनार और पारादीप जैसे भारतीय बंदरगाहों तक पहुंचने से पहले होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। ऐसे में इस जलमार्ग के लंबे समय तक बंद रहने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार संतुलन पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। साफ है, वर्तमान की इन अल्पकालिक चुनौतियों के बीच, यह संकट आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता कम करने की आवश्यकता को मजबूती से रेखांकित करता है। भारत बढ़ती ऊर्जा मांग के बीच तेल आयात पर निर्भरता कम करने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया है। इथेनॉल मिश्रण, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और 500 गीगावाट नॉन-फॉसिल क्षमता लक्ष्य से देश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। लेकिन प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों के बीच हमने जीवाश्म ईंधन के घरेलू उत्पादन को कम महत्त्व दिया है। जबकि अगले दो दशकों में जीवाश्म ईंधन काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है क्योंकि यह वह समय है, जब भारत को अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का अधिकतम लाभ उठाना होगा। होर्मुज स्ट्रेट में आपूर्ति बाधित होने पर हमें वैकल्पिक स्रोतों की आवश्यकता होगी। पश्चिम एशिया पर निर्भरता हमारे लिए केवल अस्थायी विकल्प है। हमें तेल और गैस के घरेलू अन्वेषण और उत्पादन में तेजी लानी चाहिए। हमें खाना पकाने के लिए उपयुक्त चूल्हों का उपयोग करते हुए एथनॉल के इस्तेमाल में भी तेजी लानी चाहिए। दरअसल, इस जंग ने पूरी दुनिया को यह बताया कि अब ऊर्जा खुद एक हथियार बन चुकी है। गैस संयंत्र, तेल क्षेत्र और बंदरगाह अब सैन्य निशाने हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो दुनिया को एक ऐसे ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है जो पहले कभी नहीं देखा गया। यह संकट सिर्फ पेट्रोल या गैस की कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा। इसका असर हर घर, हर उद्योग और हर देश पर पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, आपूर्ति टूटेगी और अर्थव्यवस्थाएं हिल जाएंगी। अब सवाल यही है कि क्या इस आग को बुझाने का कोई रास्ता बचा है। सच यह है कि इस समय केवल अमेरिका ही ऐसा देश है जिसके पास दोनों पक्षों को रोकने की ताकत है। लेकिन क्या ट्रंप ऐसा करना चाहते हैं, यह सबसे बड़ा सवाल है।

बहरहाल,युद्ध का नतीजा चाहे जो भी निकले, मगर एक बात तो तय है कि भारत को ऊर्जा निर्भरताओं पर नए सिरे से विचार करना होगा। युद्ध इस बात की तरफ स्पष्ट इशारा है कि ऊर्जा पर आत्मनिर्भरता देश के लिए कितनी जरूरी हो गई है। ईंधन की किल्लत रक्षा क्षेत्र में एक सीमित झटके से भी कहीं अधिक राजनीति को प्रभावित कर सकती है। तेल और गैस आयात पर निर्भरता को देखते हुए हमें न केवल तेल के भंडार बढ़ाने होंगे, बल्कि नए रास्ते तलाशने की दिशा में प्रयास और तेज करने होंगे।

इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के दीर्घकालिक कच्चे तेल अनुबंधों का एक बड़ा हिस्सा आपूर्ति करते हैं।

पितृसत्ता और ममता के द्वंद्व को उजागर करता नाटक 'त्रासदी'

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारत भवन में आयोजित स्त्री रचनाशीलता पर केंद्रित 'आद्या' समारोह के अंतर्गत शनिवार को नाटक 'त्रासदी' का मंचन हुआ। अभिनेता-लेखक मानव कौल द्वारा लिखित इस नाटक का निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी शोभा चटर्जी ने किया। एकल अभिनय पर केंद्रित प्रस्तुति भावनात्मक गहराई, सादगीपूर्ण मंचन और प्रभावी अभिनय के कारण दर्शकों के मन पर गहरी छाप छोड़ने में सफल रही। 'त्रासदी' मूलतः मां-बेटे के जटिल संबंधों, स्मृतियों, अपराधबोध और सामाजिक दबावों के बीच उलझे मानवीय मन की कहानी है। नाटक का केंद्र बिंदु मां की अनुपस्थिति से उपजे शून्य और उस शून्य में उभरते आत्ममंथन को संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत करना है। प्रस्तुति की शुरुआत बेहद साधारण लेकिन प्रतीकात्मक दृश्य से होती है, जो यह संकेत देती है कि जीवन की सबसे बड़ी त्रासदियां अक्सर बिना किसी पूर्व चेतावनी के हमारे सामने आ खड़ी होती हैं।

भारत भवन में आयोजित आद्या समारोह में शोभा चटर्जी के निर्देशन में हुआ नाटक मंचन

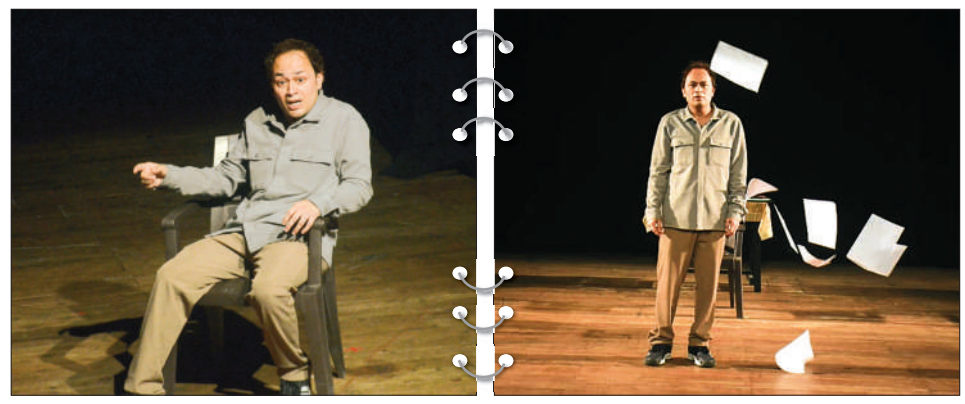

समाज में संवेदनशील बने रहने की चुनौती

नाटक की कहानी में एक ऐसे बेटे की यात्रा को दर्शाया गया है, जो बचपन की मासूमियत से निकलकर सामाजिक पूर्वाग्रहों से प्रभावित होता है और अंततः अपनी ही मां को गलत समझ बैठता है। यह प्रतीक नाटक में बार-बार उभरता है, जो कठोर समाज में संवेदनशील बने रहने की चुनौती को रेखांकित करता है। नाटक में मां के संघर्ष और त्याग को 'दुकानों' के रूपक के जरिए प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। आदर्श बेटी, पत्नी और मां की भूमिकाओं को निभाते-निभाते एक स्त्री अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं और सपनों को किस तरह खो देती है, यह पक्ष अत्यंत मार्मिक रूप में सामने आता है।

खबर संक्षेप

विश्व जल दिवस पर मैनिट में आज होगी जल पर चर्चा

भोपाल। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में 22 मार्च को जल पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जनपद अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें जल संरक्षण और प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेषज्ञों द्वारा विचार-विमर्श किया जाएगा। इस वर्ष कार्यक्रम का मुख्य विषय विकसित भारत 2047 एवं जल प्रबंधन रखा गया है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में संस्थान के निदेशक डॉ. करुणेश कुमार शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं केंद्रीय जल आयोग के डायरेक्टर एम. डब्ल्यू. पौनिकर, अधिष्ठाता (छात्र कल्याण) डॉ. आर. एन. यादव तथा केंद्रीय भूजल बोर्ड के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक एवं वैज्ञानिक डॉ. सुभाष सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में सहभागिता करेंगे।

एरिन ब्रॉकोविचः साफ पानी के लिए अकेली औरत की जंग

भोपाल। विश्व जल दिवस के अवसर पर 23 मार्च को नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट और सिने क्लासिक के द्वारा प्रसिद्ध हॉलीवुड फिल्म एरिन ब्रॉकोविच का विशेष प्रदर्शन किया जाएगा। जल और जेंडर के संदर्भ में यह फिल्म अत्यंत प्रासंगिक है। फिल्म एक साधारण लेकिन बेहद साहसी महिला एरिन की सच्ची कहानी पर आधारित है, जो बिना किसी कानूनी डिग्री के एक बड़ी कॉर्पोरेट कंपनी के खिलाफ खड़ी हो जाती है। उसे पता चलता है कि एक कंपनी ने जहरीले रसायनों से एक छोटे शहर के पानी को प्रदूषित कर दिया है, जिससे लोगों का स्वास्थ्य और जीवन संकट में पड़ गया है।

यंग थिंकर्स फोरम द्वारा 'अनमास्किंग रिलीजन' पुस्तक का विमोचन आज

भोपाल। यंग थिंकर्स फोरम द्वारा स्वामी विवेकानंद लाइब्रेरी में शाम 4.30 बजे से डॉ मुकुल कुलश्रेष्ठ की पुस्तक 'अनमास्किंग रिलीजन' का विमोचन किया जाएगा। इसमें पुस्तक पर लेखक का व्याख्यान और संवाद भी आयोजित किया जाएगा।

मोना तिवारी को मिली पीएचडी उपाधि

भोपाल। शहर की मोना तिवारी ने लिथियम आयन बैटरी विषय पर शोध करते हुए पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने यह उपाधि भोपाल स्थित मध्यांचल प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी से हासिल की। उनके शोध कार्य का मार्गदर्शन डॉ. वी.के. जैन ने किया। अपने शोध में डॉ. मोना तिवारी ने भारत में लिथियम आयन बैटरियों की वर्तमान स्थिति, भविष्य की संभावनाओं और उनकी उपयोगिता का विस्तृत अध्ययन किया है। साथ ही, उन्होंने बैटरियों के रिसाइक्लिंग और रियूज के क्षेत्र में मौजूद अवसरों और चुनौतियों पर भी विशेष ध्यान केंद्रित किया है। डॉ. मोना तिवारी की इस उपलब्धि से न केवल शहर का गौरव बढ़ा है, बल्कि ऊर्जा क्षेत्र में सतत विकास की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण योगदान माना जा रहा है।

मानव संग्रहालय में 49वें स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ

अल-विलक्कू दीप संग सांस्कृतिक छटा से सराबोर हुआ संग्रहालय....

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारत की पारंपरिक खिलौना एवं गुड़िया कला, जिन्हें सामूहिक रूप से 'खिलौने' कहा जाता है, देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और भारतीय ज्ञान परंपरा का जीवंत स्वरूप हैं। इनका इतिहास लगभग 5000 वर्ष पुरानी सिंधु घाटी सभ्यता तक जाता है, जहां मिट्टी के बने खिलौने और पशु आकृतियां मिलती हैं... 'खिलौने' के इसी रूप को दर्शाती विशेष प्रदर्शनी का संयोजन देखने को मिला मानव संग्रहालय के 49वां स्थापना दिवस के शुभारंभ अवसर पर। 'भारतीय संस्कृति एवं विरासत' थीम पर आधारित इस समारोह में देश की सांस्कृतिक विविधता को एक मंच पर पेश किया, जिसमें भारत की समृद्ध परंपराओं, लोकजीवन और सांस्कृतिक निरंतरता का जीवंत उत्सव स्पष्ट नजर आया।

समारोह में पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ नृत्य करते हुए कलाकार।

ढोल, मांदर एवं नगाड़ा पर लोक नृत्यों की प्रस्तुति रही खास

समारोह के पहले दिन विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों द्वारा लोक एवं जनजातीय नृत्य-संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियों ने समा संगीतमय बना दिया। ढोल, मांदर एवं नगाड़ा जैसे पारंपरिक वाद्यों की गूंज ने दर्शकों को भारतीय लोकजीवन की जीवंतता से परिचित कराया। इसी के साथ ज्ञानवर्धन के उद्देश्य से 'भारतीय पारंपरिक खेल' विषय पर आधारित पुस्तक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई है, जिसमें भारतीय संस्कृति, इतिहास, जनजातीय अध्ययन एवं कला से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

शुभारंभ दिवस पर लगाई मिट्टी से बने खिलौनों की प्रदर्शनी

1001 बातियों वाले 'आल-विलक्कू' दीप प्रज्वलन

खास पेशकश 'आल-विलक्कू' दीप प्रज्वलन का रहा। जब मुक्ताकाश परिसर में 1001 बातियों वाले विशाल अल विलक्कू दीप एक बार फिर अपनी पारंपरिक गरिमा के साथ प्रज्ज्वलित हुआ तो सम्पूर्ण परिसर को आलौकिक छटा से रंग दिया। केरल की परंपरा से जुड़ा यह भव्य अल विलक्कू संग्रहालय की ज्ञान-संरक्षण की समृद्ध परंपरा को दर्शाता है। इस अवसर पर भोपाल के मलयाली समुदाय, जनजातीय एवं लोक कलाकारों, विशिष्ट अतिथियों और नागरिकों की सहभागिता इस आयोजन को विशेष बनाती है।

दीप प्रज्वलित करती हुई महिला।

हस्तनिर्मित खिलौनों एवं उत्पादों का किया प्रदर्शन

इसके बाद समारोह में प्रमुख आकर्षण 'क्रिएटिव इकोनॉमी टॉय फेयर- 2026' भी है, जिसमें देशभर के शिल्पकार अपने हस्तनिर्मित खिलौनों एवं उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय कर रहे हैं। यह पहल वोकल फॉर लोकल की भावना को सशक्त करते हुए स्वदेशी शिल्प एवं कारीगरों को प्रोत्साहन प्रदान कर रही है, जिसमें गुजरात के राजकोट से आईं मीना पटेल ने क्रोशिया कला के माध्यम से अत्यंत सुंदर शिल्प प्रस्तुत किए।

मणिपुर की क्रोशिया डॉल्स ने मोहा मन

वहीं मध्यप्रदेश की मंजू रावत एवं बुधनी क्षेत्र के शिल्पकारों ने आदिवासी डॉल्स एवं पारंपरिक आभूषण (ट्राइबल ज्वैलरी) के जरिए स्थानीय संस्कृति की झलक दिखाई। मणिपुर से लाए गए क्रोशिया डॉल्स विशेष आकर्षण का केंद्र रहे, जो पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध हस्तकला परंपरा को दर्शाते हैं।

भोपाल के वुडन टॉय के साथ नजर आया टेराकोटा शिल्प

कर्नाटक की प्रसिद्ध चन्नपटना (कन्नापटना) टॉय कला, जो ऑर्गेनिक रंगों एवं प्राकृतिक सामग्री से बनाई जाती है, सरिता शर्मा द्वारा प्रस्तुत की गई। मुकेश विश्वकर्मा (भोपाल) द्वारा निर्मित वुडन टॉय तथा छतरपुर के शिल्पकारों द्वारा बनाए गए उत्पाद दर्शकों को खूब भाए। इसके अतिरिक्त, भगवान दास प्रजापति द्वारा निर्मित टेराकोटा शिल्प ने भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाई।

केरल के मंदिरों में पूजा के लिए किया जाता 'पडयनी नृत्य'

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में केरल के मंदिरों में किया जाने वाला पडयनी नृत्य की खास प्रस्तुति दी गई। वहीं तमिलनाडु का परैयाट्टम में लोक कला की एक सशक्त अभिव्यक्ति देखने को मिली। परई (एक प्राचीन वाद्य यंत्र) की गूंज के साथ जब कलाकार नृत्य करेंगे, तो उनकी ऊर्जा दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगी। वहीं ओडिशा का चुटकचुटा में मधुर संगीत और पारंपरिक वेशभूषा का उम्दा मेलजोल देखने को मिला।

राजस्थान की कठपुतली कला भी रही खास

आंध्रप्रदेश के कलाकार एटिकप्पा टोरी एवं संतोष कुमार ने अपनी विशिष्ट शैली में हस्तनिर्मित वस्तुएं प्रस्तुत कीं। तो वहीं राजस्थान की प्रसिद्ध कठपुतली कला भी इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण रही। मदन लाल एवं बिल्लू राम भट्ट ने पारंपरिक कठपुतलियों के माध्यम से राजस्थान की लोक संस्कृति को जीवंत किया।

विश्व जल दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम

प्रतिभागियों को समझाया पृथ्वी पर छोटे से हिस्से में है पीने योग्य पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

आंचलिक विज्ञान केन्द्र में विश्व जल दिवस के अवसर पर जल एवं लैंगिक समानता थीम के अंतर्गत शनिवार को विविध जागरूकता कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत जार एवं बॉल प्रयोग के माध्यम से प्रतिभागियों को यह समझाया गया कि पृथ्वी पर उपलब्ध कुल जल का अत्यंत छोटा हिस्सा ही पीने योग्य जल के रूप में उपलब्ध है। इस सरल एवं प्रभावी प्रदर्शन के माध्यम से जल के सीमित संसाधनों एवं उनके संरक्षण की आवश्यकता को स्पष्ट किया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता से उपरोक्त विषय से संबंधित विज्ञान किट का निर्माण किया, जिससे उन्हें जल संरक्षण के वैज्ञानिक पहलुओं को समझने का अवसर प्राप्त हुआ तथा उनकी रचनात्मकता एवं प्रयोगात्मक कौशल का विकास हुआ।

आंचलिक विज्ञान केन्द्र में आयोजित हुआ कार्यक्रम

बुल्ले शाह से लेकर कबीर दास के दोहों ने संगीत की लहरियों का कराया अनुभव

ईदगाह कहानी और सूफियाना संगीत से सजी भोपाल स्टोरी टेलर्स की शाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

ईद के खास मौके पर भोपाल स्टोरीटेलर्स क्लब द्वारा एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कहानियों और सूफी संगीत की अनूठी प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध कहानीकार एवं मनोवैज्ञानिक ज्योति पांडे द्वारा मुंशी प्रेमचंद की कालजयी रचना ईदगाह की कहानी को विशेष अंदाज में प्रस्तुत किया गया तो वहीं शाम होते होते कहानी से सजी इस प्रस्तुति को सूफियाना संगीत ने विराम दिया।

कहानी प्रस्तुत करते हुए कहानीकार ज्योति पांडे।

सूफियाना संगीत की प्रस्तुति देते हुए अनाहिता।

भला हुआ मोरी गगरी फूटी...

वहीं, अगली कड़ी में गोवा से आईं गायिका अनाहिता ने अपनी सुमधुर आवाज में सूफियाना संगीत का ऐसा जादू बिखेरा कि बुल्ले शाह से लेकर कबीर दास के दोहों ने समा को संगीत की लहरियों से सजा दिया। अनाहिता ने अपनी प्रस्तुति की शुरूआत खबरें रशीदा... से की, इसके बाद अलिफ अल्लाह चंबे दी बूटी.... की प्रस्तुति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीतमय यात्रा की अगली कड़ी में अमीर खुसरो के प्रसिद्ध गीत तोरी सूरत की बलिहारी... ने अपनी मधुरता से सभी का मन मोहा तो वहीं प्रेम और विरह की भावनाओं को गहराई से व्यक्त करती इश्क में तो है गम.... ने श्रोताओं को भावविभोर किया।

प्रक्रिया, प्रयोग और मंचीय भाषा की खोज के नाम रहा थिएटर वर्कशॉप का तीसरा दिन

विहान ड्रामा वर्क्स की 'थिएट्रिक्स 28' थिएटर वर्कशॉप का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

विहान ड्रामा वर्क्स की 'थिएट्रिक्स' थिएटर वर्कशॉप, तीसरे दिन में एक महत्वपूर्ण रचनात्मक चरण में पहुंची। सौरभ अनंत द्वारा संचालित इस कार्यशाला में शनिवार को प्रतिभागियों को थिएटर की उस भाषा को समझाया गया जो केवल संवादों से नहीं, बल्कि शरीर, नजर, स्पेस और समूह की ऊर्जा से बनती है। प्रतिभागियों ने कई अभ्यासों के माध्यम से यह अनुभव किया कि मंच पर एक साधारण इशारा, एक चुप खड़ा कलाकार, या समूह का एक साथ ठहर जाना भी एक गहरी नाटकीय स्थिति और विचार पैदा कर सकता है।

प्रतिभागियों ने जानी डिवाइज्ड थिएटर की प्रक्रिया

इस मौके पर प्रतिभागियों के साथ डिवाइज्ड थिएटर की प्रक्रिया, मंचीय छवियों (स्टेज इमेज) का निर्माण, और सामूहिक सृजन की पद्धति पर काम किया। इस प्रक्रिया में प्रतिभागियों को रोजमर्रा के अनुभवों और सामाजिक स्थितियों को थिएटर की भाषा में बदलने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभ्यासों के दौरान प्रतिभागियों ने स्पेस, मूवमेंट और समूह संरचना के साथ प्रयोग करते हुए कई प्रभावशाली दृश्य बनाए।

स्व प्रभात गांगुली राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव 'धरोहर -16' में नाटक 'उनके बाद' का मंचन

आखिरकार, समय के साथ जीवन मूल्य और सोच में कैसे आता है बदलाव...

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

स्व. प्रभात गांगुली राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव 'धरोहर -16' के अंतर्गत शनिवार शाम रंग श्री लिटिल बैले ट्रूप में नाटक 'उनके बाद' का मंचन किया गया। कामतानाथ के लेखन में तैयार नाटक में निर्देशन बालेंद्र सिंह बालू का रहा। हम थियेटर ग्रुप द्वारा प्रस्तुत नाटक की कहानी एक परिवार के तीन पीढ़ियों के बीच के संबंधों और उनके जीवन के मूल्यों में परिवर्तन को दर्शाती है। पिता, पुत्र और मां के बीच के संवाद और उनके विचारों में अंतर से यह स्पष्ट होता है कि समय के साथ जीवन के मूल्य और सोच में कैसे बदलाव आता है।

रंग श्री लिटिल बैले ट्रूप में नाटका का मंचन करते कलाकार।

परिवार में संबंधों के महत्व को रेखांकित करता नाटक

नाटक में दिखाया गया कि हर एक युग में पीढ़ियों के बीच एक गहरी खाई होती है। पीढ़ियों के बीच के अंतर और समझ की कमी को उजागर करती यह नाट्य प्रस्तुति युवाओं को अपने माता-पिता और वरिष्ठों के साथ संवाद और समझ बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। इसके साथ ही युवाओं को अपनी पहचान और आत्म-खोज की यात्रा पर निकलने का मार्गदर्शन भी इस कहानी में दिया गया। इसके साथ ही परिवार में संबंधों के महत्व को भी इस कहानी में बखूबी दर्शाया गया।

अनभिज्ञ की प्रस्तुति के साथ आज से शुरू होगा समर नाट्य उत्सव

भोपाल। दुष्यंत कुमार संग्रहालय में रविवार से चार दिवसीय समर नाट्य उत्सव 2026 का शुभारंभ होने जा रहा है। कबीला सोसायटी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स द्वारा आयोजित समारोह के पहले दिन मॉरिस लॉजरस द्वारा लिखित एवं निर्देशित नाटक अनभिज्ञ का मंचन होगा। उत्सव के संयोजक अनिमेष श्रीवास्तव ने बताया कि यह आयोजन केवल नाट्य प्रस्तुतियों तक सीमित नहीं, बल्कि विचारों, संवेदनाओं और सामाजिक सरोकारों का एक सृजनात्मक मंच है। यह उत्सव जबलपुर के वरिष्ठ रंगकर्मी स्व समर सेनगुप्ता की स्मृति को समर्पित है, जिनकी रंगदृष्टि ने नाट्यकला को समाज के करीब लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उत्सव की खासियत यह है कि इसमें प्रस्तुत किए जाने वाले सभी नाटक मौलिक हैं और पहली बार मंचित होंगे। समारोह में 23 मार्च को अंबुज ठाकुर द्वारा निर्देशित खिड़की, 24 मार्च को दीपक नेमा द्वारा निर्देशित भोर का गीत तथा 25 मार्च को शेख उस्मान के निर्देशन में अमीर खुसरो का मंचन किया जाएगा। सभी नाट्य प्रस्तुतियां प्रतिदिन शाम 7 बजे से प्रारंभ होंगी।

- दुष्यंत कुमार संग्रहालय में चार दिन आयोजित होगा नाट्य समारोह

रील एडिक्शन

हेल्थ-लाइफ के लिए हार्मफुल

सोशल मीडिया पर रील्स की भरमार मौजूद रहती है। हर उम्र के लोग इसकी लत के शिकार हो रहे हैं। इससे उनके शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर भी प्रभाव पड़ रहा है। इससे बचने के लिए घर-बाहर अनुशासित रहते हुए कुछ नियमों का पालन करना जरूरी है। आप सभी के लिए बहुत जरूरी सलाह।

{ कवर स्टोरी / रजनी अरोड़ा }

वर्तमान डिजिटल युग में वर्चुअल दुनिया की लत, नई महामारी के रूप में तेजी से उभर रही है। जिसके विभिन्न प्लेटफॉर्मों के मोहपाश में अमूमन हम सभी बंधे हुए हैं। जेन-जी कहलाने वाली युवा पीढ़ी तो रियल वर्ल्ड के बजाय आर्टिफिशियल रील वर्ल्ड में घूम रही है। सोशल मीडिया पर वायरल होने, ख्याति पाने, फॉलोअर्स बढ़ने और पैसा कमाने की मंशा से रोज कंटेंट क्रिएट करने या फन रील्स बनाने की रैट रेस में शामिल हैं। इसके चलते न सिर्फ अभद्र आचरण, बल्कि अमर्यादित भाषा-डांस का भी सहारा लेते हैं। यही नहीं कई बार खुद अपनी और दूसरों की जान भी खतरे में डालने से गुरेज नहीं करते हैं। इसी वजह से आए दिन सोशल मीडिया को लेकर कई दुखद खबरें सुर्खियों में रहती हैं। ऐसे में डिजिटल एडिक्शन से बचने के लिए प्रभावी कदम उठाने जरूरी हैं।

बर्बाद होता है कीमती समय गौर करें तो अधिकांश सोशल मीडिया रील्स में कोई तर्क, तथ्य नहीं होता है। स्वस्थ और मर्यादित मनोरंजन भी नहीं होता। लेकिन इनकी लत ऐसी है कि लाखों-करोड़ों लोगों का कीमती वक्त रील्स देखने में गुजर जाता है। असल में टेक्नीक बेस्ड सोशल मीडिया कंपनियों का एल्गोरिदम, व्यूअर्स को खुद से जोड़े रखने के लिए पसंद के मुताबिक रील्स एक के बाद एक दिखाता रहता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में इंस्टाग्राम के लगभग 240 करोड़ यूजर्स हैं, जिनमें से तकरीबन 50 करोड़ भारत में हैं। जो रोजाना तकरीबन 1 करोड़ 76 लाख घंटे रील्स देखने में बिताते हैं और 350 करोड़ रील्स दूसरों से शेयर करते हैं। टिकटॉक पर तो यह आंकड़ा 10 गुना ज्यादा है यानी रोजाना 19 करोड़ 78 लाख घंटे रील्स देखने में बिताते हैं। वहीं मेटा के हिसाब से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर रोज तकरीबन 20 हजार करोड़ रील्स देखी जाती हैं।

क्या होता है असर: बहुत ज्यादा रील्स देखने से हमारे ब्रेन में डोपामाइन का विस्फोट होता है। यह एक न्यूरोट्रांसमीटर है, जो हमारी हैप्पीनेस के लिए जिम्मेदार है और यह रिवार्ड सिस्टम की तरह काम करता है। लाइक्स, ज्यादा से ज्यादा व्यूअर, फॉलोअर और सब्सक्राइबर मिलने से डोपामाइन बढ़ जाता है। यह और ज्यादा रील्स देखने के लिए मजबूर करता है। वहीं आपकी पोस्ट पर अगर ज्यादा लाइक्स या अच्छे कमेंट्स नहीं मिलते, तो हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं, खुद को दूसरे से कमतर समझने लगते हैं और नेगेटिविटी का शिकार हो जाते हैं।

रिश्तों से बढ़ रही दूरी: रील बनाने के जुनून ने युवाओं की सोच और जीवनशैली पर गहरा असर डाला है। रील्स न बनाने वाले को आजकल पुराने जमाने या जेन एक्स की सोच वाला माना जाता है। ऐसे लोग वास्तविक जीवन में सार्थक बातचीत और अनुभवों को साझा करने के बजाय सोशल मीडिया में लगे रहते हैं। जिसके चलते वे अपने रिश्ते-नातों, अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ रहे हैं। सामाजिक अलगाव, तनावपूर्ण रिश्ते और वास्तविक दुनिया में सामाजिक मेलजोल में कमी आ रही है।

बढ़ रही हैं शारीरिक समस्याएं: खेलने या फिजिकल एक्टिविटी करने के बजाय घर की चारदीवारी में मोबाइल या टैब पर घंटों बैठे रहते हैं। आउटडोर गेम्स खेलने से दूर होते जा रहे हैं। गतिहीन जीवनशैली की वजह से मोटापा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो रही हैं। आंखों में तकलीफ होती है, ड्राई आई विजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गलत पोश्चर में काम करने से गर्दन और पीठ में दर्द की शिकायत रहती है। स्क्रीन से निकलने वाली ब्ल्यू रेज से नींद में खलल पड़ सकता है, नींद की क्वालिटी प्रभावित होती है।

ऐसे छूटेगी रील एडिक्शन: सोशल मीडिया की लत, उसके नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए एक सुरक्षित और अधिक सकारात्मक ऑनलाइन वातावरण को बढ़ावा देना जरूरी है। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

स्क्रीन टाइम सीमित रखें: जानें कि आप अपने डिवाइस का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं और इससे आप क्या हासिल करना चाहते हैं? मैच्योर माइंड से दिन में टाइम लिमिट निर्धारित करें। दृढ़ संकल्प लें कि सोशल मीडिया का उपयोग कम से कम करना है। दिनचर्या नियत करें, जिसमें सोशल मीडिया के लिए नियत समय या एकाध घंटा निर्धारित करें। खुद के लिए समय निकालें। सभी फैमिली मेंबर्स खुद से कमिट करें कि उन्हें कुछ मिनट या अधिकतम आधे घंटे स्क्रीन देखना है।

डिजिटल लिट्रेसी है जरूरी: पैरेंट्स के लिए डिजिटल दुनिया की उपयोगिता, डिजिटल-स्पेस, इंटरनेट की अच्छाइयों, बुराइयों को जानना जरूरी है। ध्यान रखना चाहिए कि बच्चे किसी गेमिंग या गेंबलिंग एप का हिस्सा न बन रहे हों। बच्चों में रियल लाइफ के रिश्तों और रील लाइफ की आभासी दुनिया और सही-गलत में अंतर करने की समझ विकसित करनी चाहिए। डिजिटल गैजेट्स टाइम पास या गेम खेलने के बनिस्पत बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयोग में लाना सिखाना चाहिए।

इसके अलावा पैरेंट्स की जिम्मेदारी बच्चों को सिर्फ अच्छी सुख-सुविधाएं देना ही नहीं हैं, अनुशासन, कानून का सम्मान और जिम्मेदारी सिखाना भी है। बच्चों को यह समझाना भी है कि सोशल मीडिया पर हिट होने के लिए अपनी या किसी दूसरे की जिंदगी को खतरे में न डालें।

स्कूलों में हो डिजिटल एजुकेशन: फिजिकल एजुकेशन की तरह डिजिटल एजुकेशन भी कंपल्सरी होनी चाहिए। बच्चों को सोशल मीडिया की लत के नुकसान हैं, इनको देखने में खराब होते टाइम के बारे में समझाया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम में डिजिटल सिटिजनशिप प्रोग्राम की शुरुआत करनी चाहिए। जिसमें छात्रों को ऑनलाइन सुरक्षा, नैतिकता और सकारात्मक डिजिटल फुटप्रिंट बनाए रखने के महत्व के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। बच्चों को जिम्मेदार सोशल मीडिया के उपयोग और ऑनलाइन शिष्टाचार पर मार्गदर्शन के साथ-साथ अनुचित सामग्री साझा करने के परिणामों के बारे में जानकारी देनी चाहिए।

माइंडफुल प्रैक्टिस है जरूरी: उन ट्रिगर्स से अवगत रहें, जो रील के अत्यधिक उपयोग का कारण बनते हैं। डिजिटल गैजेट्स का समझदारी से उपयोग करें। ताकि प्रोडक्टिव रहें और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखें।

करें सेल्फ कंट्रोल एक्सरसाइज: अपना फोन अपने से 15 फीट दूर चार्ज करें और संभव हो तो आप जिस रूम में हों, वहां चार्ज न करें। यह डिस्टेंस आपको फोन से अलग काम करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। फोन में फालतू के एप्स खासकर सोशल मीडिया का नोटिफिकेशन बंद कर दें। घर में कुछ जगह नियत करें जहां फोन का इस्तेमाल नहीं करना है जैसे खाना खाते समय, काम के समय या पढ़ते समय।

दूसरी एक्टिविटीज में हों शामिल: पैरेंट्स को बच्चों का रोल मॉडल बनना चाहिए। सोशल मीडिया पर निर्भरता कम करने के लिए ऑफलाइन शौक विकसित करने चाहिए और फिजिकली एक्टिव रहना चाहिए। खासकर बच्चे को फिजिकल एक्टिविटीज करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। स्पोर्ट्स से वो हार-जीत की भावना तो सीखता ही है, शारीरिक, मानसिक तौर पर फिट रहता है।

नींद को महत्व दें: सोने का समय निर्धारित करें और सोने से करीब एक घंटा पहले स्क्रीन से दूर रहें। ब्ल्यू लाइट फिल्टर का इस्तेमाल करें। खासकर रात को स्क्रीन पर ब्ल्यू लाइट फिल्टर लगाएं। ताकि नींद न आने की समस्या से बचाव हो सके।

लें मदद: लत पर काबू पाने के लिए मार्गदर्शन और मदद के लिए दोस्तों, परिवार या मनोचिकित्सक से संपर्क करें। *

(फोर्टिस एस्कॉर्ट हार्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली में साइकोलॉजिस्ट डॉ. भावना बर्मी से बातचीत पर आधारित)

मनोरोगों के हो रहे शिकार

आज के दौर में युवाओं के मन में दूसरों से पीछे न रह जाएं, आउटडेटेड न दिखें, टेकसेवी न कहे जाने की मानसिकता के चलते सोशल मीडिया पर फोटो या रील्स डालने का पियर प्रेशर रहता है। इसकी वजह से कई तरह की समस्याएं आती हैं। ध्यान में कमी, रील्स देखने से ध्यान और एकाग्रता में कमी होना, जरूरी काम या रचनात्मक गतिविधियों में ध्यान न लगा पाना, काल्पनिकता में जीना, दूसरों से तुलना करना और खुद को कमतर मानना, आत्मविश्वास में कमी जैसी समस्याएं देखी जा रही हैं। हॉर्वर्ड मेडिकल स्कूल की रिसर्च के मुताबिक सोशल मीडिया पर रील्स देखने या बनाने की लत को वैज्ञानिक मास साइकोजेनिक इलनेस कहा जा रहा है। रील्स उन्हें मनोरोगी बनाने का कारण रही है। किसी से अपने मन की बात शेयर नहीं कर पाते हैं, जिसकी वजह से उनमें स्ट्रेस, एंजाइटी, आक्रोश, गुस्सा बहुत बढ़ रहा है। नाकाम होने पर कई बार अपने को संभाल नहीं पाते और डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं।

इस बात में संदेह नहीं कि एआई तकनीक में कई तरह कमाल की क्षमताएं मौजूद हैं। जहां कुछ लोग इसका मिसयूज कर रहे हैं। वहीं बहुत से लोग इसे पॉजिटिव तरीके से यूज करके नाम कमा रहे हैं, अपने जीवन को नई दिशा दे रहे हैं। जरूरत है एआई के संयमित और सही तरीके से उपयोग करने की।

एआई का पॉजिटिव यूज कर सकता है कमाल

{ टेक्नोलाइफ / डॉ. मोनिका शर्मा }

आमतौर पर एआई के गलत इस्तेमाल के समाचार आते हैं। इसकी गलत सलाहों की भी खूब चर्चा होती है। हम सदा से सुनते आए हैं कि किसी भी वस्तु या सेवा की अच्छाई या उसके उपयोग के परिणाम इस बात से तय होते हैं कि उसका इस्तेमाल कैसे किया जाता है? उसके उपयोग की मंशा क्या है? इस मोर्चे पर एआई के सही इस्तेमाल को लेकर एक टेक प्रोफेशनल हसन ने प्रेरणादायी उदाहरण सामने रखा है। हसन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की अपनी पोस्ट में बताया कि उन्होंने सिर्फ तीन महीनों में 27 किलो वजन कम कर लिया। ध्यान देने वाली बात है कि अपनी इस फिटनेस यात्रा में हसन ने चैट जीपीटी के सात प्रॉम्प्ट्स को यूज किया। जिम, सप्लीमेंट्स, पर्सनल ट्रेनर और बिना किसी महंगे फिटनेस एप के एआई की सहायता से एक सधा हुआ प्लान तैयार कर इस फिटनेस गोल को उन्होंने हासिल किया।

सकारात्मक हो इरादा: असल में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल का इरादा पॉजिटिविटी लिए हो तो परिणाम भी सकारात्मक मिलते हैं। इस मोर्चे पर यूजर्स का अनुशासन और आत्म नियमन तकनीक के मिली सुविधाओं का सार्थक इस्तेमाल करने के लिए आवश्यक है। चैट जीपीटी जैसे टूल्स मोटिवेट भी कर सकते हैं और मनोबल भी तोड़ सकते हैं। सब कुछ इस बात पर निर्भर है कि टेक्निकल सहूलियत का उपयोग कितने सधेपन से हो रहा है? कैसी जानकारियां मांगी जा रही हैं? किन विषयों पर सलाह ली जा रही है?

प्रश्न सही तो उत्तर सही: जैसा प्रश्न वैसा ही जवाब। यह बात वर्चुअल या असल सलाहों के मामले में अकसर लागू होती है। तकनीकी टूल्स के मामले में सबसे अहम यही है कि आप उनसे क्या पूछ रहे हैं? टेक प्रोफेशनल के मामले में यह बात गहराई से समझने योग्य है। सबसे पहले उन्होंने अपना वजन, उम्र, हाइट और टार्गेट डालकर चैट जीपीटी से अपने शरीर का एनालिसिस करवाया। साथ ही 12 हफ्तों का ऐसा फिटनेस और डाइट प्लान मांगा, जिसमें जिम जाने की जरूरत न पड़े। अपने रुटीन को ध्यान रखते हुए बहुत व्यावहारिक लक्ष्य रखे। खाने के लिए हाई प्रोटीन, फिक्स कैलोरी वाला साप्ताहिक प्लान का चार्ट बनाकर उसे फॉलो किया।

इस पहल पर एआई ने उन्हें डेली स्नैक्स की लिस्ट दी। इतना ही ओवरईटिंग रोकने के लिए खुद से बात करने वाले छोटे-छोटे मैसेज भी बनाए। कुल मिलाकर देखा जाए तो एआई ने जिम, महंगे खाने और भारी-भरकम रुटीन के बजाय एक ऐसी जीवनशैली का प्रारूप दिया, जिसके हिसाब से चलना मुश्किल न हो। आम जिंदगी में भी देखने में आता है कि वजन कम करना हो या कोई दूसरा लक्ष्य पाना, मुश्किल रुटीन को शुरू करने वाले लोग उसे बहुत दिन तक फॉलो नहीं कर पाते। यह वाकया बताता है कि पहले खुद अपनी एक चेकलिस्ट बनाकर तकनीकी टूल्स से मदद लेना बेहतर है। इससे मिलने वाली सही और टिकाऊ योजना न केवल लंबी चलती है बल्कि सफल भी होती है।

यूजर्स का अनुशासन अहम: एआई के इस्तेमाल में यूजर्स का अनुशासन सबसे अहम है। इन दिनों 'रेस्पोंसिबल एआई' शब्द भी चर्चा में है। इस शब्द का अर्थ उन नैतिक सिद्धांतों और शासन के नियमों से जुड़ा है, जिनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई टेक्नोलॉजीज का विकास और उपयोग इस तरह से किया जाए, जिससे समाज को लाभ हो। इनके इस्तेमाल से नुकसान कम हो। समझना कठिन नहीं यूजर्स का अनुशासन ही उपयोग को सार्थक बना सकता है। इन दिनों जब एआई के कुछ टूल्स का गलत इस्तेमाल कुछ लोग करते हैं। वहीं बहुत से लोग तकनीक के माध्यम से अपने पुरखों की तस्वीरों को नया रूप भी दे रहे हैं। अपने आइडियाज सुंदर सकारात्मक संदेश देने वाले वीडियो में ढाल रहे हैं। एआई के उपकरण दिव्यांगों की सहायता करते हैं। सिरी और एलेक्सा जैसे वर्चुअल असिस्टेंट रोजमर्रा के कई कामों को आसान बनाते हैं। कनाडा के युवा उद्यमी तुआन ले का उदाहरण भी इस मामले में एक मिसाल ही है। बिना किसी कॉलेज डिग्री या प्रोफेशनल कोर्स यूट्यूब से स्किल सीखने की जिद ने तुआन को एक कामयाब उद्यमी बना दिया। वीडियो एडिटिंग से करियर की शुरुआत करने वाले इस युवा ने यह स्किल पूरी तरह यूट्यूब से सीखी। फिर छोटे कारोबारियों के लिए बहुत कम फीस लेकर वीडियो बनाए।

कोविड काल में काम पर असर भी पड़ा पर फिर क्लाइंट बढ़ते गए। तुआन ने धीरे-धीरे अपने काम को 12 करोड़ रुपए के बिजनेस में बदल दिया। हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी 'स्किल द नेशन एआई चैलेंज' कार्यक्रम में कहा कि 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता विश्वभर की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को नया आकार दे रही है। यह हमारे सीखने, काम करने, आधुनिक सेवाओं तक पहुंचने और मानवता की सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना करने के तरीकों को बदल रही है।'

राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत जैसे युवा राष्ट्र के लिए एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि सकारात्मक बदलाव का बहुत बड़ा अवसर है। *

{ कविता / विक्रम सिंह }

आंखों की रोशनी

बस इतनी सी हसरत थी
कि बेटा पढ़-लिख जाए,
अपनी तनख्वाह से
घर का राशन ले आए।
दफ्तर जाने को
एक छोटा सा स्कूटर हो,
और बच्चों की फीस
समय पर भर पाए।
ख्वाब बस इतना था
कि शहर में उसका एक घर हो,
जिसके एक कोने में
बूढ़े बाप का छोटा सा कमरा हो।
मगर अब उसके पास
बड़ा फ्लैट, बड़ी गाड़ी है,
घर में खाना नहीं पकता
सब कुछ ऑर्डर पर आता है
पर उस आलीशान घर में
मेरा कमरा कहीं खो जाता है,
गाड़ियों के तेल के लिए पैसे हैं
पर मेरी दवा अकसर छूट जाती है
मेरी आंखों की रोशनी
धीरे-धीरे बुझ रही है,
बेटे की तरक्की
अंधेरे में उलझ रही है।

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कविता में विचार

हाल में हेमंत देवलेकर का तीसरा कविता संग्रह 'प्रूफ रीडर' छपकर आया है। संग्रह में संकलित अधिकांश छोटी-छोटी कविताओं में हेमंत गहन विचारों के बीज रोपते दिखते हैं। दुनिया भर में इंसानी जीवन के समक्ष मौजूद संकटों पर दृष्टि डालते हुए कवि कहीं विचलित दिखते हैं तो कहीं छोटा-सा कोई भरोसा उनके भीतर उम्मीद की लौ भी प्रज्ज्वलित कर देता है। 'एक नदी जिंदा चुन दी गई है/उसी का सन्नाटा है दीवार पर।' (रेत की हवस)। 'दुनिया कोरस में विलापती है/अब किसी का भरोसा नहीं रहा।' (भरोसा) जैसी पंक्तियां और 'लोरी', 'नई भूख' जैसी अनेक कविताएं हर संवेदनशील व्यक्ति को उद्वेलित करने में सक्षम हैं। *

पुस्तक: प्रूफ रीडर, लेखक: हेमंत देवलेकर, मूल्य: 250 रुपए
प्रकाशक: राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

सम्मान

हाल में ही साहित्य अकादेमी ने वर्ष 2025 के लिए हिंदी की लोकप्रिय कथाकार ममता कालिया की संस्मरणात्मक पुस्तक 'जीते जी इलाहाबाद' को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार देने की घोषणा की है। ममता जी के अब तक के रचनात्मक लेखन और इस पुस्तक की विशिष्टताओं को रेखांकित कर रहे हैं **पल्लव।**

ममता कालिया को जीते जी इलाहाबाद के लिए मिलेगा साहित्य अकादमी सम्मान

साहित्य प्रेमियों को जिस खबर का पिछले कई वर्षों से इंतजार था, वह आ गई। साहित्य अकादमी ने वर्ष 2025 के लिए हिंदी की प्रसिद्ध कथाकार ममता कालिया को यह पुरस्कार देने की घोषणा की है। उनकी संस्मरण पुस्तक 'जीते जी इलाहाबाद' को अकादमी का यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। हालांकि इससे पूर्व उनके उपन्यास 'दुक्खम सुक्खम', लंबी कहानी 'दौड़', शहरनामे की किताब 'कितने शहरों में कितनी बार' और 'बोलने वाली औरत' कहानी संग्रह को भी साहित्य जगत में काफी प्रतिष्ठा मिल चुकी है।

ममता जी के लेखन का सिलसिला 1963 से प्रारंभ हुआ था और तब से उनका साहित्य सृजन निरंतर जारी है। उनके लेखन की मुख्य विशेषता यह है कि वे भारतीय मध्यवर्ग के सामान्य जनजीवन को अत्यंत कुशलता से अपने लेखन में चित्रित करती हैं। वे किसी विचारधारा या वाद से आक्रांत होकर नहीं लिखतीं बल्कि खांटी जीवनानुभवों को प्रगतिशील दृष्टि से लेखन में जगह देती हैं। आश्चर्य नहीं कि उनकी दो पुस्तकों के शीर्षक 'थोड़ा-सा प्रगतिशील' और 'खांटी घरेलू औरत' उनके लेखन की प्रतिज्ञाओं को भी दर्शाते हैं। पेशे से उच्च शिक्षा में अंग्रेजी की शिक्षक रहीं ममता जी को दिल्ली, मुंबई और इलाहाबाद में काम करने के अनुभव हैं। वे वर्धा के महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय की अंग्रेजी पत्रिका 'हिंदी' की संपादक रहीं और कोलकाता की भारतीय भाषा परिषद की अध्यक्ष भी रहीं। विपुल मात्रा में लेखन करने वालीं ममता जी के गद्य को सदैव रोचकता, हार्दिकता और तरलता के लिए भी प्रशंसा मिली।

उनकी जिस कृति को अकादेमी ने पुरस्कार के लिए चुना है, वह संस्मरण की किताब है। ममता जी इससे पहले 'कितने शहरों में कितनी बार', 'अंदाज-ए-बयां उर्फ रवि कथा', 'कल परसों के बरसों', 'सफर में हमसफर' जैसी किताबें भी लिख चुकी हैं, जो कथेतर विधाओं की ही कृतियां हैं। कथेतर यानी कथा जैसी वे गद्य विधाएं, जो कथा तो नहीं हैं लेकिन कथा जैसा आस्वाद देती हैं। इनमें से 'कितने शहरों में कितनी बार' को विशेष रूप से आलोचनात्मक सराहना मिली, जो पहले 'तद्भव' पत्रिका में

धारावाहिक रूप से प्रकाशित हुई और जिसने एक तरह से नई विधा का सूत्रपात किया। यह विधा है-शहरनामा। ऐसा नहीं है कि इसमें वे स्मृतियों की पुनर्रचना नहीं कर रही थीं बल्कि कोई चाहे तो इसे भी संस्मरण की ही कृति मान सकता है लेकिन यहां ममता जी का जोर उस शहर के चरित्र को ध्यान में रखकर अपने अनुभव लिखने पर रहा। 'जीते जी इलाहाबाद' इस रचना शृंखला की उच्चतम परिणति है, जहां इलाहाबाद (प्रयागराज) जैसे सांस्कृतिक शहर के चरित्र को लिखते हुए इसके भीतर वे अपने और अपने प्रियजनों के व्यक्तित्व की तलाश भी करती हैं। हिंदी में इस तरह की कृतियां बहुत अधिक नहीं मिलतीं और नई शताब्दी में साहित्य की विधाओं में आ रहे बदलावों तथा अंतर्क्रियाओं का भी श्रेष्ठ उदाहरण ममता जी का कथेतर लेखन बन गया है। पाठकों में कथेतर के आकर्षण का मुख्य कारण है जीवन यथार्थ की अंतरंग प्रस्तुति और उसमें कथा जैसी सूत्रबद्धता या पठनीयता। हिंदी गद्य के इतिहास में संस्मरण, रेखाचित्र और जीवनियां पुरानी विधाएं हैं लेकिन नई शताब्दी में इनका चोला पूरी तरह बदला हुआ नजर आता है। अब यहां अश्रु विगलित श्रद्धांजलियां नहीं होतीं और न पुरखों का अतिरिक्त महिमामंडन।

पिछली शताब्दी के अंतिम दशक में जिन कृतियों के साथ कथेतर साहित्य के नए दौर का आगमन हुआ, उनमें रवींद्र कालिया की संस्मरण पुस्तक 'गालिब छुटी शराब,' काशीनाथ सिंह की 'याद हो कि न याद हो', दूधनाथ सिंह की 'लौट आ, ओ धार' तथा कांतिकुमार जैन की 'लौट कर आना नहीं होगा' अग्रगण्य हैं। ध्यान देना चाहिए कि संस्मरणों के साथ हिंदी साहित्य में आत्म उद्घाटन का नया दौर भी शुरू हुआ, जो आगे यात्रा आख्यानों, आत्मकथाओं, डायरियों, रेखाचित्रों, शहरनामों और जीवनियों के साथ बढ़ता गया। ममता कालिया के संस्मरण, शहरनामे और रेखाचित्र कथेतर विधाओं की शक्ति और संभावनाओं को दर्शाते हैं। उनके रेखाचित्रों की किताब 'कल परसों के बरसों' में इलाहाबाद के अनेक साहित्यकारों के व्यक्ति चित्र आए हैं।

ममता जी का जन्म 2 नवंबर 1940 को वृंदावन में हुआ। उनके पिता विद्याभूषण अग्रवाल आकाशवाणी में थे और उनके चाचा भारतभूषण अग्रवाल जाने माने कवि-लेखक। उनकी प्रारंभिक और उच्च शिक्षा दिल्ली, मुंबई, पुणे, नागपुर और इंदौर जैसे अलग-अलग शहरों में हुई। उन्हें अनेक सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें व्यास सम्मान, साहित्य भूषण सम्मान, यशपाल स्मृति सम्मान, महादेवी स्मृति पुरस्कार, राममनोहर लोहिया सम्मान, कमलेश्वर स्मृति सम्मान, सावित्री बाई फुले स्मृति सम्मान, लमही सम्मान आदि प्रमुख हैं। उन्होंने हिंदी के यशस्वी कथाकार और संपादक रवींद्र कालिया से विवाह किया, जो पूरी तरह मसिजीवी थे। संघर्षों से भरा ममता जी और रवींद्र जी का जीवन इन दोनों के कथेतर साहित्य का आधार भी है। साहित्य अकादेमी का यह पुरस्कार उनके लेखन के महत्त्व की प्रतिष्ठा ही नहीं है अपितु नई शताब्दी में आ रहे बदलावों के मध्य कथेतर विधाओं के महत्व की भी उद्घोषणा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि ममता जी की किताब के बहाने कथेतर विधाओं पर नए ढंग से चर्चा शुरू होगी और जीवन यथार्थ के उद्घाटन के लिए इनके सामर्थ्य को देखा-सराहा जाएगा। *

(लेखक दिल्ली के प्रसिद्ध हिंदू कॉलेज में सह आचार्य हैं)

देशभर में ईद-फितर मनाया गया

जयपुर-दिल्ली हाईवे पर पढ़ी नमाज, सामूहिक इबादत की, बरसे फूल

ईरान पर हो रहे हमलों के विरोध में प्रदर्शन भी किया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली/ जयपुर

शनिवार को पूरे भारत में ईद-उल-फितर का त्योहार हर्षोल्लास और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। 30 दिन के रमजान के रोजों के बाद, चांद दिखने पर लोगों ने मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा की, एक-दूसरे को गले लगाकर बधाई दी और मिठाइयां बांटी। इस मौके पर घरों में विशेष पकवान जैसे सेवइयां और शीर खुरमा बनाए गए। जयपुर में ईद उल फितर के अवसर पर शनिवार को जयपुर-दिल्ली हाईवे पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सामूहिक रूप से नमाज अदा की। नमाज के दौरान बड़ी संख्या में लोग इकट्ठे हुए और धार्मिक परंपराओं का पालन करते हुए शांतिपूर्ण ढंग से इबादत की। शहर की ईदगाह, जामा मस्जिद सहित विभिन्न मस्जिदों में सुबह से ही नमाजियों की भीड़ उमड़ी। ईदगाह में करीब एक लाख लोगों ने एक साथ नमाज अदा कर अमन और भाईचारे का संदेश दिया।

जयपुर-दिल्ली हाईवे पर मुस्लिम समुदाय ने नमाज अदा की

ईरान पर हो रहे हमलों के विरोध में जयपुर, सीकर और अजमेर सहित राजस्थान के कई जिलों में प्रदर्शन देखने को मिला। शनिवार को लोगों ने काली पट्टी बांधकर ईद की नमाज अदा की और मस्जिदों पर काले झंडे लगाए। कई स्थानों पर अमेरिका और इजराइल के खिलाफ नारेबाजी भी की गई।

दिल्ली की जामा मस्जिद में नमाज अदा करते लोग

लखनऊ में भी की नमाज अदा की

लोगों ने फूलों की बारिश से किया स्वागत

ईद के मौके पर अन्य समुदाय के लोगों ने नमाजियों पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाकर उनका स्वागत किया। हिंदू-मुस्लिम एकता समिति से जुड़े राजेश कुमार शर्मा ने कहा कि समाज में कुछ लोग भेदभाव फैलाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने संदेश देते हुए कहा कि राम के बिना रमजान अधूरा है और ईद के बिना दिवाली। सभी धर्मों के लोगों को मिलकर रहना चाहिए और एकता को मजबूत करना चाहिए। रैली के दौरान शिया-सुन्नी भाई-भाई, हिंदुस्तान जिंदाबाद जैसे नारे भी लगाए गए, जिससे आपसी एकता और देशभक्ति का संदेश देने की कोशिश की गई।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने दी बधाई, राष्ट्र को मजबूत बनाने का संकल्प लें

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों को ईद की बधाई दी है। राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा गया है, ईद पर सभी देशवासियों, विशेषकर मुस्लिम बहनों और भाइयों को हार्दिक बधाई। हम समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाने का संकल्प लें। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा है, ईद की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर करे कि यह दिन भाईचारे और सद्भाव को और बढ़ावा दे।

खबर संक्षेप

बीजेडी ने 6 विधायकों को निकाला बाहर

भुवनेश्वर। बीजू जनता दल ने हाल ही में राज्यसभा चुनाव में पार्टी के खिलाफ क्रॉस-वोटिंग करने वाले 6

विधायकों को पार्टी से निलंबित कर दिया है। यह फैसला बीजद की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने की। इन विधायकों पर एंटी-पार्टी गतिविधि का आरोप है।

एआईएमआईएम का यूसीसी के खिलाफ प्रदर्शन

अहमदाबाद। शनिवार को अहमदाबाद की जामा मस्जिद के बाहर यूसीसी को लागू करने के

खिलाफ लोगों ने प्रदर्शन किया। पुलिस ने 5 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। लोगों ने ईद की नमाज के बाद बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन एआईएमआईएम की ओर से किया गया था। इस दौरान यूसीसी को वापस लेने की मांग की गई है।

जेलों में भीड़, राज्य सरकारें हलफनामा दें

नई दिल्ली। देशभर की जेलों में बढ़ती भीड़भाड़ पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। जस्टिस

विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे अपनी-अपनी जेलों की वर्तमान स्थिति पर हलफनामा दाखिल करें। यह आदेश जेलों में भीड़भाड़ से जुड़ी जनहित याचिका में दिया।

पानीपत के नेशनल हाईवे पर 2 दर्जन वाहन भिड़े

पानीपत। जिले में शनिवार सुबह मौसम के बदले मिजाज से नेशनल हाईवे-44 पर तबाही दिखी।

शनिवार को पूरा जिला घने कोहरे में रहा। विजिबिलिटी इतनी कम थी कि वाहनों को 5 मीटर दूर का रास्ता भी दिखाई नहीं दे रहा था। सिवाह बस स्टैंड के पास दो दर्जन से अधिक वाहन टकरा गए।

मथुरा में गोरक्षक बाबा की ट्रक से कुचलकर मौत के बाद बवाल

सड़क पर उतरे लोगों ने काटा हंगामा, हाइवे कर दिया जाम, पुलिस पर भी कर दिया पथराव

ईद के दिन मथुरा जिले के छाता क्षेत्र में गौसेवक बाबा चंद्रशेखर महाराज की ट्रक से कुचलकर हुई संदिग्ध मौत के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया है। इस घटना से गुस्साए लोग सड़क पर उतर आए

एजेंसी ⏭ मथुरा

ईद के दिन मथुरा जिले के छाता क्षेत्र में गौसेवक बाबा चंद्रशेखर महाराज की ट्रक से कुचलकर हुई संदिग्ध मौत के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया है। इस घटना से गुस्साए लोग सड़क पर उतर आए और जमकर हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने इसे केवल दुर्घटना मानने से इनकार कर दिया है। घटना के विरोध में बड़ी संख्या में लोगों ने दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग (नेशनल हाइवे-19) को पूरी तरह जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने हाईवे के दोनों ओर यातायात रोक दिया, जिससे लंबा जाम लग गया और आम यात्रियों व वाहनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसी बीच एक रिपोर्ट के मुताबिक नाराज लोगों ने पुलिस पर पथराव किया।

जिले के छाता क्षेत्र में गौसेवक चंद्रशेखर महाराज की संदिग्ध मौत

आखिरकार सेना को उतारना पड़ा

छाता क्षेत्र में माहौल तनावपूर्ण

लोगों ने इस तरह सड़क जाम कर दी

गोसेवकों की मांग- आरोपियों का एनकाउंटर करें

लोगों का आरोप है कि बाबा की मौत एक सोची-समझी साजिश के तहत की गई हत्या है। वे लगातार ट्रक चालक की गिरफ्तारी और मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं। जब तक आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, एनकाउंटर जैसी मांग पूरी नहीं होती, तब तक जाम नहीं हटाया जाएगा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। भारी पुलिस बल तैनात कर स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है।

आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी की

बाबा को क्षेत्र में गौ-तस्करों की गतिविधियों की जानकारी मिली थी, जिसके बाद वे टीम के साथ उनकी तलाश में निकले थे। इसी दौरान नवीपुर के पास उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद छाता पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी कर दी है।

चंद्रशेखर ने फरसा वाले बाबा के रूप में पहचान बनाई

बाबा चंद्रशेखर मूल रूप से फिरोजाबाद के गांव गोपाल का नगला के रहने वाले थे। गोरक्षा में फरसा लेकर 'फरसा वाले बाबा' के रूप में पहचान बनाई।

संगठनों और समर्थकों में गुस्सा

बाबा का पार्थिव शरीर उनके गांव अंजनोख स्थित गोशाला में लाया गया, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण और समर्थक जुटे। बाबा ब्रज क्षेत्र में काफी प्रसिद्ध थे। उनकी मौत की खबर फैलते ही कई संगठनों और समर्थकों में गुस्सा और दुख का माहौल है।

8 साल की आयु में बन गए थे संत

बाबा चंद्रशेखर आठ साल की उम्र में संत बन गए थे। माता-पिता की मौत के बाद घर छोड़ दिया था, फिर संत हो गए। उसके बाद आयोध्या गए। श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन में भी हिस्सा लिया था। 20 साल तक वहां रहे, उसके बाद ब्रज में आ गए थे। यहां गोसेवा का संकल्प लिया और गोशाला चला रहे थे। मथुरा के छाता ब्लॉक के आजनोख में बाबा की एक विशाल गोशाला है। जिसमें वह गायों की सेवा करते थे। उनके इस कार्य के चलते आसपास के इलाके के लोग भी उनसे जुड़ गए थे। गोपाष्टमी पर विशाल आयोजन करते थे जिसमें काफी संख्या में गोसेवक जुटते थे।

सीएम योगी बोले-दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

मथुरा में गौरक्षक बाबा चंद्रशेखर उर्फ फरसा बाबा की हत्या के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया है। आरोप है कि गौत्सकरों ने फरसा बाबा को गाड़ी से कुचल दिया जिसके बाद उनकी मौत हो गई। अब सीएम योगी ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए अफसरों को कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है, साथ ही कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

'डिजिटल-अरेस्ट' पर ठगी

सरकार ने वॉट्सएप को कहा ठगों की आईडी करो ब्लॉक

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

देश में तेजी से बढ़ रहे 'डिजिटल अरेस्ट' घोटालों पर लगाम लगाने केंद्र सरकार ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म वॉट्सएप को कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। गृह मंत्रालय द्वारा गठित उच्च स्तरीय अंतर-विभागीय समिति ने वॉट्सएप से ऐसे डिवाइस आईडी को ब्लॉक करने को कहा है, जिनका इस्तेमाल बार-बार ठगी के लिए किया जा रहा है। यह फैसला उच्चस्तरीय बैठक में लिया गया, जिसमें प्लेटफॉर्म की सुरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और फर्जी खातों पर नियंत्रण के उपायों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में यह भी चर्चा हुई कि स्काइप की तरह वॉट्सएप पर भी सुरक्षा फीचर्स लागू किए जाएं। इनमें संदिग्ध कॉल पर चेतावनी, कॉलर की अतिरिक्त जानकारी और संभावित ठगी की पहचान शामिल हो सकती है। वॉट्सएप ने सुझावों को लागू करने पर सहमति जताई है। उपायों को लागू करना भी शुरू कर दी है।

सरकार के प्रमुख निर्देश

- डिजिटल अरेस्ट घोटालों में इस्तेमाल होने वाले डिवाइस आईडी की पहचान और ब्लॉकिंग
- संदिग्ध अकाउंट्स की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कड़े तकनीकी उपाय
- यूजर डेटा को 180 दिन तक सुरक्षित रखना, ताकि जांच एजेंसियों को मदद मिल सके
- एंड्रॉइड सिस्टम में उपयोग होने वाले हानिकारक एपीके फाइल्स की पहचान और रोकथाम
- एआईऔर मशीन लर्निंग के जरिए फर्जी पहचान, सरकारी लोगो के दुरुपयोग और सिंथेटिक कंटेंट की पहचान
- स्काइप जैसे सेफ्टी फीचर्स लागू करने की तैयारी

क्या होता है 'डिजिटल अरेस्ट' घोटाला

डिजिटल अरेस्ट स्कैम में ठग खुद को पुलिस, सीबीआई या अन्य एजेंसियों का अधिकारी बताकर वीडियो कॉल करते हैं और पीड़ित को यह विश्वास दिलाते हैं कि वह किसी गंभीर अपराध में फंसा है। इसके बाद डराकर उससे बैंक खातों में बड़ी रकम ट्रांसफर कराई जाती है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में ऐसे 1.23 लाख से अधिक मामले सामने आए, जिनमें लगभग 1935 करोड़ रुपए की ठगी हुई जो 2022 की तुलना में तीन गुना अधिक है।

सिम लिंकिंग और ट्रेसबिलिटी पर जोर

पिछले साल नवंबर में डिपार्टमेंट ऑफ टेलिकॉम ने निर्देश जारी कर एप-आधारित सेवाओं को सिम लिंकिंग अनिवार्य करने को कहा था। इसका उद्देश्य यूजर्स की पहचान सुनिश्चित करना और मल्टी-डिवाइस के दुरुपयोग को रोकना है। वॉट्सएप ने संकेत दिया है कि वह इस निर्देश को अगले 4–6 महीनों में लागू करेगा और एक्शन टेकन रिपोर्ट भी सौंपेगा।

एजेंसियों के साथ सहयोग बढ़ाएगा वॉट्सएप

प्लेटफॉर्म ने जांच एजेंसियों से सहयोग बढ़ाने, संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्टिंग और फर्जी खातों पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वॉट्सएप अब प्रोफाइल फोटो और अन्य डेटा का मिलान भी करेगी।

राहुल ने पोस्ट में किया दावा

चुनाव के बाद पेट्रोल-डीजल व एलपीजी की कीमतें बढ़ेंगी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में चल रही जंग और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का

असर भारतीय मुद्रा पर भी पड़ रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार कमजोर हो रहा है। इसे लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार का घेराव किया। राहुल ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि रुपए का डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर 100 की तरफ बढ़ना और इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी- ये सिर्फ आंकड़े नहीं, आने वाली महंगाई के साफ संकेत हैं। उन्होंने कहा कि सरकार चाहे इसे 'नॉर्मल' बताए, लेकिन हकीकत ये है कि उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे। एमएसएमई को ज्यादा चोट लगेगी। एफआईआई का पैसा तेजी से बाहर जाएगा, जिससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा। हर परिवार पर असर पड़ना तय है। चुनाव के बाद पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कीमतें भी बढ़ा दी जाएंगी।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने किया ऐलान

सीएम, मंत्रियों व विधायकों का वेतन कटेगा, दिहाड़ी का बढ़ेगा

एजेंसी ⏭ शिमला

हिमाचल के सीएम सुक्खू ने बजट में सीएम, मंत्रियों, विधायकों से

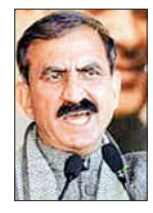

लेकर मुख्य सचिव से लेकर ए व बी श्रेणी कर्मचारियों-अधिकारियों के वेतन 50 से 3 प्रतिशत तक 6महीने के लिए डेफर करने की घोषणा की है। क्लास 1 और 2 के कर्मचारी और अधिकारियों का 3 प्रतिशत वेतन 6 माह तक टाला (डेफर) किया गया। मुख्यमंत्री के वेतन का 50, डिप्टी सीएम 40, मंत्री 30 और विधायक का 20 प्रतिशत डेफर करने की घोषणा की है। न्यायपालिका से भी ऐसा अनुरोध किया है।

न्यूनतम दिहाड़ी 750 की

सुक्खू ने कहा कि विधायक क्षेत्र विकास निधि को 2 करोड़ 20 लाख से घटाकर 1 करोड़ 20 लाख रुपए किया गया। ग्रेच्युटी का भुगतान भी किया जाएगा। अनुबंध कर्मचारियों को नियमित करेंगे। दिहाड़ी को 750 रुपए करने की घोषणा की।

केरल विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज, पार्टियां तय कर रहीं प्रत्याशी

राज्यों में सियासी सरगर्मी

भाजपा ने जारी की तीसरी सूची, इसमें 11 उम्मीदवारों के नामों का किया ऐलान

एजेंसी ⏭ केरलम

केरल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर सियासी सरगर्मी बढ़ी है। इसी बीच भाजपा ने तीसरी उम्मीदवार सूची जारी कर चुनावी मुकाबले को और तेज कर दिया है। इस सूची में 11 उम्मीदवारों के नाम हैं, जिससे साफ है कि पार्टी अब पूरे जोर से चुनावी मैदान में उतर चुकी है। भाजपा ने तीसरी सूची में मुख्य रूप से दक्षिण के जिलों पर फोकस किया है। पार्टी ने तिरुवनंतपुरम, कोवलम, पुथुप्पल्ली और चवारा जैसी सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं।

पुडुचेरी में भाजपा के 9 उम्मीदवार तय

पुडुचेरी में चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल बढ़ी है। भाजपा ने पहली सूची जारी करते हुए 9 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। इसमें पार्टी प्रमुख और वर्तमान गृह मंत्री ए. नमशिवायम का नाम भी शामिल है। इन्हें मान्नाडीपेट से टिकट दिया है।

जो बंगाल को निशाना बना रहे, वो जहन्नुम में जाएं

कोलकाता। ईद पर बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी ने राजनीतिक संदेश देकर माहौल को गरम कर दिया। रेड रोड पर नमाज के बाद उन्होंने 'सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है'... से लेकर 'खुदी को कर बुलंद इतना'... तक कहा। उन्होंने साफ कहा कि 'जो लोग बंगाल को निशाना बना रहे हैं, वो जहन्नुम में जाएं'।

लोकसभा में कल सीएपीएफ बिल लाएंगे केंद्रीय गृहमंत्री शाह

कोर्ट के फैसले के बाद कदम

कानूनी रूप से तय की जाएगी सशस्त्र पुलिस बल में आईपीएस की पोस्टिंग

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को लोकसभा में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) से जुड़ा महत्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रहे हैं।

यह कदम सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद उठाया जा रहा है, जिसमें मई 2025 में सरकार को सीएपीएफ में आईपीएस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति को चरणबद्ध तरीके से कम करने का निर्देश दिया गया था। प्रस्तावित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 का उद्देश्य भर्ती प्रक्रिया और सेवा शर्तों को विनियमित करना बताया जा रहा है।

विवाद की पृष्ठभूमि

यह मामला सेवानिवृत्त सीएपीएफ अधिकारियों की याचिका के बाद सामने आया था। याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि वर्तमान व्यवस्था में पदोन्नति संरचना इस तरह बनी है कि आंतरिक कैडर अधिकारियों को शीर्ष पदों तक पहुंचने से वंचित किया जाता है, जबकि आईपीएस अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर वरीयता मिलती है।

क्या है मुख्य चिंता

कुछ याचिकाकर्ताओं का कहना है कि सरकार इस विधेयक के जरिए वरिष्ठ पदों पर आईपीएस अधिकारियों की संख्या को कानूनी रूप से तय कर सकती है, जिससे सुप्रीम कोर्ट के आदेश का प्रभाव कम हो सकता है। वर्तमान स्थिति में सीएपीएफ के शीर्ष पदों पर आईपीएस अधिकारियों का वर्चस्व बना हुआ है। उदाहरण के तौर पर बीएसएफ में सभी अतिरिक्त महानिदेशक पद आईपीएफ अधिकारियों के पास हैं। आईटीबीपी में एडीजी स्तर पर सीएपीएफ कैडर का प्रतिनिधित्व नहीं के बराबर है।

मथुरा के गोवर्धन पर्वत की पवित्र तलहटी पहुंचीं

राष्ट्रपति ने किया पौधरोपण, 21 किमी की परिक्रमा भी की

एजेंसी ⏭ मथुरा

यहां के गोवर्धन पर्वत की पवित्र तलहटी में राष्ट्रपति ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया। मथुरा जनपद स्थित इस धार्मिक स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय प्रशासन, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनाए रखने के साथ-साथ उनका पर्यावरणीय संतुलन भी बेहद आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने और प्रकृति की रक्षा करने की अपील की।

धार्मिक स्थलों की पवित्रता और पर्यावरणीय संतुलन का दिया संदेश

सेवायतों ने माला-पटुका पहनाकर किया स्वागत

कुछ दूर पैदल चलने के बाद गोल्फ गाड़ी से तय की दूरी

गोवर्धन में शनिवार को देश की राष्ट्रपति ने श्रद्धा भाव के साथ पवित्र गोवर्धन पर परिक्रमा शुरू की। पहले उन्होंने गोवर्धन महाराज की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मंदिर सेवायतों ने राष्ट्रपति का माला और पटुका पहनाकर स्वागत किया। राष्ट्रपति ने परिक्रमा की शुरुआत कुछ दूरी पैदल चलकर की, जिसके बाद गोल्फ गाड़ी से करीब 21 किलोमीटर लंबी परिक्रमा पूरी की।

गोवर्धन पहुंचने वाली देश की पहली राष्ट्रपति

वे शनिवार को गोवर्धन पहुंचीं, जहां वे गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा पूरी की। द्रौपदी गोवर्धन पहुंचने वाली देश की पहली राष्ट्रपति भी हैं। शनिवार को दिल्ली लौटने से पहले राष्ट्रपति मुर्मू का गोवर्धन परिक्रमा का भी कार्यक्रम तय था। उन्होंने गोवर्धन पहुंचकर गोल्फ कार्ट के जरिए 7 कोस की परिक्रमा शुरू की। परिक्रमा पूरी होने के बाद वे नई दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

सुरक्षा का रखा गया खास ध्यान

राष्ट्रपति के आगमन को लेकर पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। परिक्रमा मार्ग पर जगह-जगह पुलिस, पीएसी और खुफिया एजेंसियों के जवान तैनात हैं। मार्ग को पहले से साफ-सुथरा कर सजाया गया, वहीं श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष प्रबंध किए थे।

परिचम एशिया में और गहराया तनाव

ईरान के नतांज यूरेनियम प्लांट पर हवाई हमला, विकिरण रिसाव नहीं

यह परमाणु सुविधा तेहरान से लगभग 220 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। यह सुविधा जून 2025 में ईरान और इजराइल के बीच 12-दिवसीय युद्ध के दौरान और हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा भी लक्षित की गई थी

अमेरिका - ईरान जंग
विश्व युद्ध की आहट

आगामी हफ्ते में ईरान पर बढ़ेंगे हमलेः काट्ज

'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के लक्ष्य पूरा करेंगे

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान के नतांज परमाणु सुविधा पर शनिवार को हवाई हमले की सूचना मिली है। ईरान ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि नतांज परमाणु संवर्धन सुविधा पर हवाई हमला हुआ, हालांकि किसी भी तरह के विकिरण रिसाव की सूचना नहीं है। नतांज, जो ईरान का मुख्य संवर्धन स्थल है, पहले भी युद्ध के शुरुआती हफ्तों में हमलों का निशाना बन चुका है, जिससे कई इमारतें क्षतिग्रस्त हुई थीं। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था ने पहले कहा था कि ऐसे हमलों से किसी भी तरह के 'रेडियोलॉजिकल परिणाम' की उम्मीद नहीं है। यह परमाणु सुविधा तेहरान से लगभग 220 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। यह सुविधा जून 2025 में ईरान और इजराइल के बीच 12-दिवसीय युद्ध के दौरान और हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा भी लक्षित की गई थी। इस घटना ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चौथे सप्ताह में तनाव को और बढ़ा दिया है। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा है कि आने वाले सप्ताह में ईरान के खिलाफ हमले काफी बढ़ जाएंगे। इराक ने सभी विदेशी तेल कंपनियों द्वारा विकसित तेल क्षेत्रों पर फोर्स मैज्योर की घोषणा की है। यह कदम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में युद्ध और नौवहन में बाधाओं के कारण लिया गया।

सैनिकों के शव भी वापस ले जाना मुश्किल होगाः ईरान

ईरान के नतांज यूरेनियम प्लांट पर इजराइली सेना का हमला

अमेरिका ने 'पैट्रियट' मिसाइलों को यूरोप से हटाकर पश्चिम एशिया भेजा

पैट्रियट मिसाइल

अमेरिका ने बड़ी संख्या में 'पैट्रियट' मिसाइलों को यूरोप से हटाकर पश्चिम एशिया की ओर भेज दिया है। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी सेना के पास राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा तय किए 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पर्याप्त हथियार, गोला-बारूद और सैन्य भंडार मौजूद हैं। वहीं, ईरान की सेना के एक बड़े अधिकारी ने अमेरिका को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पहले भी जब दुश्मनों ने हमला किया, तो ईरान ने उन्हें 'सरप्राइज' दिया था और इस बार भी वैसा ही होगा। उन्होंने कहा कि हालात इतने खराब हो सकते हैं कि सैनिकों के शव भी वापस ले जाना मुश्किल हो जाएगा।

होर्मुज स्ट्रेट बंद करने पर 20 देशों ने जताई नाराजगी

कई देशों ने मिडिल ईस्ट में ईरान की ओर से की जा रही कार्रवाई की घोर निंदा की और होर्मुज स्ट्रेट बंद करने को लेकर नाराजगी भी जाहिर की है। इसके साथ ही सभी देशों ने संयुक्त बयान जारी कर ईरान से हमले रोकने की अपील की। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, जापान, कनाडा, रिपब्लिक ऑफ कोरिया, न्यूजीलैंड, डेनमार्क, लातविया, स्लोवेनिया, एस्टोनिया, नॉर्वे, स्वीडन, फिनलैंड, चेकिया, रोमानिया, बहरीन और लिथुआनिया के नेताओं ने होर्मुज स्ट्रेट में हालात को लेकर संयुक्त बयान जारी किया है। संयुक्त बयान में कहा गया कि हम खाड़ी में बिना हथियार वाले कमर्शियल जहाजों पर ईरान के हालिया हमलों, तेल और गैस इंस्टॉलेशन समेत सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमलों और ईरानी सेना द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को असल में बंद करने की कड़ी निंदा करते हैं।

मिडिल ईस्ट के बाहर ईरान का बड़ा हमला

हिंद महासागर में सैन्य ठिकानों पर दागी बैलिस्टिक मिसाइलें

ईरान ने शनिवार को हिंद महासागर में स्थित अमेरिका और ब्रिटेन के संयुक्त सैन्य बेस 'डिएगो गार्सिया' पर दो मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। मिडिल ईस्ट की सीमाओं से दूर अमेरिकी ठिकाने पर ईरान का यह अब तक का सबसे बड़ा और दुर्लभ हमला माना जा रहा है। हालांकि, ईरान द्वारा दागी गई दोनों मिसाइलें अपने लक्ष्य तक पहुंचने में विफल रहीं। एक मिसाइल उड़ान के दौरान टूट गई, जबकि एक अमेरिकी युद्धपोत ने दूसरी मिसाइल पर एसएम-3 इंटरसेप्टर दागा।

घटना निंदनीयः ब्रिटेन

वहीं, ब्रिटेन ने ईरान द्वारा मिसाइल दागे जाने की घटना की निंदा की है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय का कहना है कि ईरान द्वारा पूरे क्षेत्र में हिंसक हमले करना और होर्मुज जलडमरूमध्य को बंधक बनाए रखना ब्रिटिश हितों और ब्रिटिश सहयोगियों के लिए खतरा है। ब्रिटेन ने ईरान पर अमेरिकी-इजराइली हमलों में भाग नहीं लिया है, लेकिन उसने अमेरिकी बमवर्षकों को होर्मुज जलडमरूमध्य पर स्थित ईरान के मिसाइल ठिकानों पर हमला करने के लिए ब्रिटेन के ठिकानों का उपयोग करने की अनुमति दी है।

रूस बोला यह गैरजिम्मेदाराना कार्रवाई

हमला अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने नतांज परमाणु संवर्धन संयंत्र पर हुए हमलों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन बताया। शनिवार को जारी एक बयान में जखारोवा ने कहा कि इस तरह की गैरजिम्मेदाराना कार्रवाईयां पूरे मध्य पूर्व में विनाशकारी आपदा का वास्तविक खतरा पैदा करती हैं और स्पष्ट रूप से क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा को और कमजोर करने के उद्देश्य से की गई हैं। रूस लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को शांतिपूर्ण बताता आया है।

अमेरिका का दुनिया में इसलिए है दबदबा

80 देशों में 750 से ज्यादा मिलिट्री बेस, सर्वाधिक जापान में

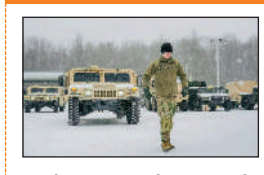

दुनिया के किसी भी हिस्से में अमेरिका चंद घंटे में सैन्य कार्रवाई या अभियान चलाने की क्षमता रखता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि दुनिया भर में उसके सैन्य एयरबेस एवं प्रतिष्ठान हैं। वाशिंगटन डीसी में अमेरिकन यूनिवर्सिटी में राजनीतिक मानवशास्त्र के प्रोफेसर डेविन वाइन के मुताबिक कम से कम 80 देशों में अमेरिका के लगभग 750 से ज्यादा सैन्य बेस हैं। अमेरिका के सबसे ज्यादा एयरबेस जापान में और उसके बाद जर्मनी और फिर दक्षिण कोरिया में हैं।

मोसाद चीफ बार्निया ने दी थी गलत जानकारी

'ईरान में हमले से सत्ता परिवर्तन संभव', परिणाम उलट

इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के प्रमुख डेविड बार्निया ने युद्ध शुरू होने से पहले पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को बताया था कि 'ईरान में तख्तापलट संभव है।' बार्निया ने राजनीतिक नेतृत्व से कहा था कि यदि इस ऑपरेशन के सैन्य लक्ष्य हासिल हो जाते हैं तो वांछित परिणाम हासिल हो सकते हैं। उनकी रिपोर्ट के बाद ही पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सैन्य अभियान शुरू होने के बाद ईरान में सत्ता परिवर्तन की तरफ इशारा किया था। ट्रंप ने बार बार ईरानी लोगों से सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरने की अपील की थी। लेकिन ईरान के लोग सरकार के खिलाफ नहीं उतरे हैं। ये इजराइल और अमेरिका के लिए बड़ा झटका है।

डॉ. जयशंकर ने ईरानी विदेश मंत्री से की बात

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने ईरानी विदेश मंत्री से बातचीत की है। एक्स पर एक पोस्ट में डॉ. जयशंकर ने लिखा कि शनिवार शाम ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से बात हुई। मैंने उन्हें नवरोज और ईद की बधाई दी। हमारी बातचीत संघर्ष से संबंधित नवीनतम घटनाक्रमों और क्षेत्र पर इसके प्रभावों पर केंद्रित थी।

दुबई में फंसा रांची के कैप्टन राकेश रंजन सिंह का शव

दुबई में रांची के रहने वाले 47 वर्षीय मर्चेंट नेवी कैप्टन कैप्टन राकेश रंजन सिंह का शव फंसा हुआ है। उनकी मौत एक फ्यूल टैंकर पर दिल का दौरा पड़ने से हुई थी। उनका शव इस समय दुबई में पोर्ट पुलिस की हिरासत में शेख राशिद अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में रखा हुआ है।

ईरान बनाएगा मुस्लिम ब्रदरहुड अंब्रेला, मसूद बोले- 'आप हमारे भाई'

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने ईद-उल-फितर के मौके पर दुनिया के मुस्लिम देशों को एक 'अंब्रेला' के नीचे आने का न्योता दिया है, जिसका मकसद यूरोपियन यूनियन की तर्ज पर एक ताकतवर इस्लामिक ब्लॉक बनाना है। राष्ट्रपति पेजेशकियन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पड़ोसी मुस्लिम देशों को संबोधित करते हुए भावुक और आक्रामक अपील की है। उन्होंने साफ कहा है 'इस्लामिक देशों और प्यारे पड़ोसियों, आप हमारे भाई हैं'। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान का अपने पड़ोसियों के साथ कोई विवाद नहीं है। पेजेशकियन ने चेतावनी दी कि मुस्लिम देशों के बीच मतभेद का एकमात्र फायदा 'जायोनी सत्ता' को मिलता है।

खबर संक्षेप

भारत-भूटान के बीच जल्द मनी ट्रांसफर सेवा

नई दिल्ली। भारत और भूटान के बीच डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए एक नई पहल की गई है।

जल्द ही दोनों देशों के बीच यूपीआई के जरिए विदेश में पैसे भेजने की सुविधा शुरू की जाएगी। यह सुविधा डाक नेटवर्क के जरिए दी जाएगी, जिसमें यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन के पोस्ट ट्रांसफर सिस्टम को भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) से जोड़ा जाएगा।

सिओल में आग लगने से 10 की मौत, 59 घायल

सियोल। दक्षिण कोरिया में डेजॉन के वाहन कलपुर्जा कारखाने में संभवतः विस्फोट के कारण आग

लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, कम से कम 59 अन्य लोग घायल हो गए और 4 लोग लापता हैं। गृह एवं सुरक्षा मंत्रालय ने बताया कि 25 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। 500 से अधिक दमकलकर्मियों, पुलिसकर्मियों और आपातकालीन कर्मियों को तैनात किया गया है। आग लगने के कारण पता नहीं हैं।

मणिपुर में 50 आईईडी और कई हथियार बरामद

इंफाल। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के जिलों से कम से कम 29 आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद तथा

50 आईईडी जब्त किए हैं। पुलिस ने बताया कि एक अभियान के दौरान काकचिंग जिले के वाबागई तुरेल मामेई क्षेत्र से एक एके-56 राइफल सहित छह आग्नेयास्त्र, तीन ग्रेनेड और गोला-बारूद बरामद किए गए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उत्तराखंड के सैनिक स्कूल के स्थापना दिवस पर बोले

आधुनिक युद्ध सीमाओं से परे, 'राष्ट्रहित' की रक्षा के लिए सेना व नागरिकों का तैयार होना जरूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज का युद्ध सीमाओं से परे चला गया है, जिसमें देश की सुरक्षा में आर्थिक, डिजिटल, ऊर्जा और यहां तक कि खाने की सुरक्षा भी शामिल है। उन्होंने शनिवार को उत्तराखंड के घोड़ाखाल स्थित सैनिक स्कूल के स्थापना दिवस और हीरक जयंती समारोह को वर्चुअली संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि आज संघर्षों का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। किसी भी राष्ट्र को आर्थिक, साइबर, अंतरिक्ष और सूचना युद्ध के माध्यम से कमजोर किया जा सकता है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को हर समय सतर्क और तैयार रहने की जरूरत है।

सैनिक स्कूलों में लड़कियों का एडमिशन क्रांतिकारी फैसला

एनसीसी में कैडेट्स के एडमिशन की क्षमता अब 20 लाख

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

सही और गलत में फर्क करना सीखें

रक्षा मंत्री ने कहा कि तैयार रहने का मेरा मतलब युद्ध के लिए नहीं बल्कि सामने आने वाली हर परिस्थिति के लिए तैयार रहने से है। यह तैयारी मानसिक दृढ़ता की है, ताकि आप कठिन परिस्थितियों में भी संयम बनाए रखें। यह तैयारी बौद्धिक स्पष्टता की है, ताकि आप सही और गलत में फर्क कर सकें। उन्होंने युवाओं से अनुशासन और दृढ़ संकल्प के माध्यम से मानसिक मजबूती और बौद्धिक स्पष्टता विकसित करने का आह्वान किया, ताकि वे हर चुनौती का सामना कर सकें।

आधुनिक चुनौतियों का सामना करें

राजनाथ सिंह ने छात्रों से आग्रह किया कि वे आधुनिक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए वीयूसीए (अस्थिर, अनिश्चित, जटिल और अस्पष्ट) के कॉन्सेप्ट का अपना संस्करण विकसित करें, जिसमें दूरदर्शिता, समझ, साहस और अनुकूलन क्षमता शामिल है।

100 सैनिक स्कूल बनाने का फैसला

राजनाथ सिंह ने कहा कि पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल में देशभर में 100 नए सैनिक स्कूल बनाने का फैसला लिया गया है। एक और पहल में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) में 17 लाख कैडेट्स के एडमिशन की कैपेसिटी को बढ़ाकर 20 लाख कर दिया गया है। रक्षा मंत्री ने सैनिक स्कूलों में लड़कियों के एडमिशन के फैसले को ऐतिहासिक और क्रांतिकारी बताया। उन्होंने कहा कि यह देश की 'नारी शक्ति' को मजबूत कर रहा है। ये लड़कियां आने वाले समय में 'नारी शक्ति' की मिसाल बनेंगी और अलग-अलग सेक्टर में नई ऊंचाइयों को छुएंगी।

एनआरसी की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

पाक हमलों के कारण 1 लाख से अधिक अफगानी बेघर, शिविरों में ली पनाह

लोग साफ पानी और स्वास्थ्य सेवा से वंचित

एजेंसी ▶▶ काबुल

अंतर्राष्ट्रीय मानवीय राहत एजेंसी नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल (एनआरसी) की रिपोर्ट दावा करती है कि तालिबान-पाकिस्तान के बीच लड़ाई के कारण 1,15,000 (एक लाख 15 हजार) से अधिक अफगानी बेघर हो गए हैं। अफगानिस्तान में एनआरसी के निदेशक जैकोपो कैरीडी ने कहा कि जिन परिवारों को अपना अस्तित्व खतरे में लग रहा था, उन्हें अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है।

हजारों लोगों ने कामचलाऊ कैंपों और स्थानीय परिवारों की दया पर पनाह ली है। कइयों को घटिया घर किराए पर लेने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जिसका खर्च उठाना भी मुश्किल है। उन्हें साफ पानी, स्वास्थ्य सेवा और बच्चों को स्कूली शिक्षा तक नहीं मिल पा रही है। फरवरी में अफगानिस्तान के कुनार और नंगरहार प्रांतों में पाकिस्तानी हमले शुरू होने के बाद से, 76 अफगान आम लोग मारे गए हैं और 213 घायल हुए हैं।

अफगानिस्तान पर हमला फाइल फोटो

800 घरों को पहुंचा नुकसान

एनआरसी ने कहा कि अफगानिस्तान में अब तक करीब 800 घरों को नुकसान पहुंचा है, और परिवारों को इस नुकसान से उबरने में वर्षों लग सकते हैं। कैरीडी ने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि लड़ाई में शामिल लोग अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करें। आम लोगों के इंफ्रास्ट्रक्चर को कभी भी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। दुनिया में उथल-पुथल के बीच, अफगानों की चिंता की जानी चाहिए, उन्हें भूलना नहीं चाहिए। खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें और बंद सीमा उन परिवारों के लिए मुश्किलें और ज्यादा खड़ी कर रहे हैं, जिनकी जिंदगी पहले ही लड़ाई की वजह से बर्बाद हो चुकी है। एजेंसी ने बताया कि मदद के लिए फंडिंग में कटौती से अफगानिस्तान पर बहुत बुरा असर पड़ा है।

चीनी दूतावास ने दी जानकारी

एयर चाइना शुरू करेगा बीजिंग और दिल्ली के बीच सीधी उड़ानें

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

एयर चाइना फिर से बीजिंग और दिल्ली के बीच सीधी उड़ानें शुरू करेगा। यह जानकारी शनिवार को भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने दी। 'एक्स' पर एक पोस्ट में यू जिंग ने लिखा कि बीजिंग और दिल्ली के बीच एयर चाइना की सीधी उड़ानें फिर से शुरू होना केवल यात्रा तक सीमित नहीं है। यह व्यापार, पर्यटन और भरोसे को बढ़ावा देने वाला कदम है और संघाई सहयोग संगठन और ब्रिक्स के सदस्य देशों के लोगों के बीच आपसी सहयोग के लिए एक बड़ा सकारात्मक संकेत है। बता दें, पिछले साल करीब पांच साल के

अंतराल के बाद भारत और चीन ने फिर से हवाई सेवाएं शुरू कीं, जिससे दोनों देशों के संबंधों में सुधार का संकेत मिला। एक फरवरी को एयर इंडिया ने शंघाई और दिल्ली के बीच सीधी उड़ान की घोषणा की। इस तरह दोनों शहरों के बीच छह साल बाद फिर से उड़ान सेवा शुरू हुई। इसके अलावा, चीनी एयरलाइन चाइना ईस्टर्न ने भी पिछले साल नवंबर में शंघाई से दिल्ली के लिए उड़ानें शुरू कीं।

'द कैंटोनमेंट कांस्पीरेसी' के प्रमोशन कार्यक्रम से इतर बातचीत में बोले पूर्व सेनाप्रमुख नरवणे

मुझे लिखने का शौक... अब रुचि केवल काल्पनिक कथा लेखन में

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे एक बार फिर से चर्चा में हैं। लेकिन इस बार मामला उनके द्वारा पूर्व में लिखी गई 'आत्मकथाः फोर स्टार ऑफ डेस्टिनी' किताब से जुड़ा हुआ नहीं है। बल्कि जनरल के एक नई रचना सस्पेंस थ्रिलर उपन्यास 'द कैंटोनमेंट कांस्पीरेसी' से संबंधित है। पुणे में जिसके प्रमोशन कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि मुझे लिखने का शौक है। लेकिन अब मेरी रुचि केवल काल्पनिक कथा और कहानियों के लेखन में ही है। मैं, समय-समय पर कुछ न कुछ लिखता रहा हूं। जिसमें मैंने न केवल सेना की कुछ रिपोर्ट के विषय में लिखा है। बल्कि उसके अलावा में दुनिया की सबसे बड़ी पैदल सेना कही जाने वाली भारतीय थलसेना की तमाम अकादमिक पत्रिकाओं के लिए भी मैं लेखन करता रहा हूं। पूर्व में मैंने कुछ लघु कहानियां भी लिखी हैं। जिन्हें बहुत अच्छा रिस्पांस मिला है। ऐसी ही मेरी एक कहानी फेमिना पत्रिका में प्रकाशित हुई है। वर्ष-1999 में भारत और पाकिस्तान के बीच जम्मू-कश्मीर के कारगिल में हुई लड़ाई पर मैं एक युद्ध आधारित कहानी 'टाइगर हिल' लिख चुका है। पत्रकारों ने पूर्व सेनाप्रमुख से फोर स्टार ऑफ डेस्टिनी को लेकर कुछ सवाल पूछे थे। जिनके जवाब में उन्होंने यह जानकारी दी है।

'फोर स्टार ऑफ डेस्टिनी' किताब पर मचे राजनीतिक बवाल के बीच आई पूर्व सेनाप्रमुख मनोज नरवणे की नई रचना

अच्छी प्रतिक्रिया से बढ़ा हौसला

जनरल नरवणे ने मीडिया से बातचीत में ये भी कहा कि 'द कैंटोनमेंट कांस्पीरेसी' उपन्यास को लोगों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। जबकि मैंने बतौर लेखक पहली बार ऐसे किसी उपन्यास को लिखा है। लेकिन इसके साथ जुड़ा मेरा अनुभव काफी अच्छा रहा है। साथ ही मेरे उपन्यास का प्रदर्शन भी अच्छा है। फौजी से कथाकार बनने तक का यह सफर सुखद रहा है। लोगों से मिल रही अच्छी प्रतिक्रिया से मेरा हौसला लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने आम जन से उम्मीद जताते हुए कहा कि इसे पढ़कर सभी को अच्छा लगेगा।

जल्द आएगा दूसरा संस्करण

उन्होंने कहा, जल्द ही इस उपन्यास का दूसरा संस्करण भी लोगों के हाथ में होगा। मुख्य किरदार रोहित-रेणुका पहले की तरह ही बने रहेंगे। लेकिन इस बार उनकी नई सैन्य यूनिटों में तैनाती होगी और जहां पर वो दोनों एकजुटता से उनके सामने आने किसी रहस्य से पर्दा उठाएंगे।

विंबलडन में पहली बार 'वीडियो रिव्यू सिस्टम' की शुरुआत, छह कोर्ट में खिलाड़ियों के लिए होगा उपलब्ध

एजेंसी ▶▶| लंदन

विंबलडन चैंपियनशिप 2026 का आयोजन 29 जून से 12 जुलाई के बीच होगा। ऑल-इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब (एईएलटीसी) ने पुष्टि की है कि इस सीजन में पहली बार टूर्नामेंट में एक नया वीडियो रिव्यू सिस्टम (वीएआर) पेश किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में वीएआर के टेनिस वर्जन का इस्तेमाल किया जाएगा, जो ग्रैंड स्लैम में छह कोर्ट पर खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध होगा।

वीएआर टेक्नोलॉजी चैंपियनशिप के दौरान सेंटर कोर्ट और कोर्ट वन पर हर समय उपलब्ध रहेगी। वहीं, अन्य कोर्ट (कोर्ट नंबर 2, कोर्ट नंबर 3, कोर्ट 12 और कोर्ट 18 शामिल हैं) पर यह सुविधा तभी उपलब्ध होगी, जब उन पर पुरुषों और महिलाओं के सिंगल्स मैच खेले जा रहे होंगे।

जोड़ा गया ईएलसी में नया अपग्रेड

टूर्नामेंट में इस बार इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग (ईएलसी) में एक नया अपग्रेड जोड़ा गया है। 2026 से सभी कोर्ट्स पर लाइव ईएलसी के विज़ुअल संकेत स्कोरबोर्ड पर भी दिखाए जाएंगे, जिससे दर्शकों का अनुभव और अधिक रोमांचक और पारस्परिक बनेगा। वहीं, एईएलटीसी ने विंबलडन परिसर का आकार लगभग तीन गुना करने की योजना बनाई है। इस दिशा में उन्हें बड़ी सफलता मिली है, क्योंकि लंदन हाई कोर्ट ने फैसला दिया कि यह विकास योजना भूमि उपयोग नियमों से बाधित नहीं है। मौजूदा सिंगल्स चैंपियन जैनिक सिनर और इगा स्वियातेक अपने खिताब का बचाव 29 जून से शुरू करेंगे।

चैंपियनशिप का आयोजन 29 जून से 12 जुलाई के बीच

वीएआर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वाला तीसरा ग्रैंड स्लैम

इस घोषणा के साथ, विंबलडन यूएस ओपन और ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद वीएआर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वाला तीसरा ग्रैंड स्लैम बन गया है। वीएआर से खिलाड़ियों को कई तरह से फायदा होगा। इसके साथ ही मैदानी अंपायर की ओर से लिए गए फैसलों की सटीकता भी बनी रहेगी। यह सिस्टम खिलाड़ियों को कई तरह के विवादित फैसलों को चुनौती देने की सुविधा देता है, जैसे कि डबल बाउंस, फाउल शॉट या बाधा से जुड़े फैसले।

यूएस ओपन 2023 में पहली बार हुआ था वीएआर का इस्तेमाल

यूएस ओपन 2023 में वीएआर का इस्तेमाल करने वाला पहला बड़ा टूर्नामेंट था। अब फरवरी 2025 से यह नौ एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सभी कोर्ट पर उपलब्ध है। विंबलडन का डिजिटल अपग्रेड बीते साल शुरू हुआ था, जब टूर्नामेंट ने इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग (ईएलसी) की शुरुआत की थी। इस कदम के साथ ही पिछले 147 वर्षों से लाइन जजों की ओर से निभाई जा रही भूमिका समाप्त हो गई थी।

खबर संक्षेप

50 मीटर फ्रीस्टाइल में मैकएवॉय ने तोड़ा विश्व रिकॉर्ड

शेनजेन। ओलंपिक और विश्व चैंपियन तैराक कैमरन मैकएवॉय ने पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल में 17 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया के 31 वर्षीय खिलाड़ी ने शेन्ज़ेन में चाइना ओपन में 20.88 सेकंड का समय दर्ज किया, जो ब्राजील के खिलाड़ी सेसार सिएलो के पिछले रिकॉर्ड से 0.03 सेकंड कम है। सिएलो ने 2009 में तैराकी के तथाकथित 'सुपर सूट' युग के दौरान 20.91 सेकंड का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। बाद में इस तरह की प्रतियोगिताओं को बंद कर दिया गया था। इन प्रतियोगिता में खिलाड़ी की क्षमता बढ़ाई जाती थी, जिसके कारण 2009 में लगभग 150 विश्व रिकॉर्ड टूट गए थे। इस तरह की प्रतियोगिताओं पर 2010 में पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया था।

आईएसएलः चेन्नईयिन एफसी और एफसी गोवा में मुकाबला आज

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी रविवार को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के अपने पहले घरेलू मैच में चौथे स्थान पर काबिज एफसी गोवा के खिलाफ जीत की लय को जारी रखना चाहेगा। चेन्नईयिन की टीम प्रतिद्वंद्वी केरला ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ मिली जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी। इमरान खान के पहले गोल ने चेन्नईयिन को इस सत्र की पहली जीत दिलाई थी। क्लब के मुख्य कोच क्लाईफोर्ड मिरांडा ने कहा, ' मैं अपनी रणनीति का खुलासा नहीं करूंगा, लेकिन हम एक टीम और एक समूह के तौर पर प्रतिद्वंद्वी को रोकने की कोशिश करते हैं।' मुख्य कोच ने आगे कहा, ' हम कई तरह के बदलाव करके देख रहे हैं। और हम निरंतरता लाने की दिशा में काम कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि हम इसमें सफल होंगे और नियमित रूप से गोल करना शुरू कर देंगे।

ब्राइटन के खिलाफ नहीं खेलेंगे मोहम्मद सालाह

लिवरपूल। इंग्लिश फुटबॉल क्लब लिवरपूल एफसी के मैनेजर अर्ने स्लॉट ने पुष्टि की है कि स्टार फॉरवर्ड खिलाड़ी मोहम्मद सालाह मांसपेशियों में चोट के कारण ब्राइटन एंड होव एल्बियन के खिलाफ आगामी प्रीमियर लीग मैच नहीं खेल पाएंगे। सालाह को यह चोट लिवरपूल के हाल ही में एनफील्ड में गैलाटासराय के खिलाफ खेले गए यूईएफए चैंपियंस लीग मैच के दौरान लगी थी। इस मिस्र के फॉरवर्ड खिलाड़ी को दूसरे हाफ में मैदान से बाहर बुला लिया गया था, जबकि उन्होंने 4-0 की जीत में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसमें उन्होंने एक गोल और एक असिस्ट किया था।

आईपीएल : 28 मार्च को चिन्नास्वामी स्टेडियम पर भिड़ेंगे आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद

कोहली ने साथी खिलाड़ियों को दिया गुरु मंत्र, कहा- 'एक भी मिनट बर्बाद न करें'

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के अपने साथी खिलाड़ियों से 'स्विच आन' करने का आग्रह किया और कहा कि आईपीएल खिताब बरकरार रखने की तैयारी में अब उन्हें अभ्यास सत्र का एक मिनट भी बर्बाद नहीं करना है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर पहले अभ्यास सत्र के दौरान कोहली ने कहा कि उसी जज्बे को बरकरार रखना है, जिसके दम पर उन्होंने पिछले साल खिताब जीता था। कोहली ने कहा,' हमने पिछले दो तीन सत्र में काफी मेहनत की है, जिसके दम पर पिछले साल यह उपलब्धि हासिल कर सके। अब रास्ता और कठिन होगा क्योंकि बाकी टीमें भी पूरी चुनौती देंगी।' आरसीबी को 28 मार्च को चिन्नास्वामी स्टेडियम पर पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है ।

हमें आगे रहना है तो स्विच आन करो : कोहली

कोहली ने कहा, ' हमें समय बर्बाद नहीं करना है। हमें आगे रहना है तो स्विच आन कर लीजिए। किसी भी सत्र का एक मिनट भी व्यर्थ नहीं करना है। हमें अगले ढाई महीने में अपना 120 प्रतिशत देना होगा।' आरसीबी ने टीम में वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, जोर्डन कॉक्स, विकी ओस्तवाल और सात्विक देसवाल को शामिल किया है।

हमारी टीम बेहतर : कोच एंडी फ्लावर

मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा, 'नीलामी काफी रोचक थी और हमारी टीम बेहतर हुई है। हमने कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों को लिया है। विराट और रजत की अगुवाई में स्थापित खिलाड़ियों के साथ उन्हें आरसीबी का हिस्सा बनाना रोमांचक होगा।' उन्होंने यह भी कहा, 'इस साल बात अलग होगी क्योंकि अब हम खिताब जीत चुके हैं। आरसीबी के सभी प्रशंसकों के लिए यह गर्व की बात है। लेकिन अब पिछला सत्र बीत गया है और नई चुनौती सामने है। यह काफी रोमांचक है और हम आईपीएल जीतने आए हैं।' विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा , ' सभी एक दूसरे से मिलकर बहुत खुश हैं। सभी कोचों से फिर मिलकर और अभ्यास करके बहुत अच्छा लग रहा है।'

आकाशदीप पीठ की चोट के कारण आईपीएल से बाहर

कोलकाता। चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रहे कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को तब एक और झटका लगा जब उसके प्रमुख तेज गेंदबाज आकाशदीप पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से बाहर हो गए।

आकाशदीप कम से कम आठ सप्ताह तक नहीं खेल पाएंगे, जिससे दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का जून की शुरुआत में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में खेलना भी संदिग्ध है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, 'आकाशदीप की पीठ के निचले हिस्से में दर्द फिर से उबर गया है और उन्हें ठीक होने में आठ से 12 सप्ताह तक लग सकते हैं। वह आईपीएल में नहीं खेल पाएंगे और उनका अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में खेलना भी संदिग्ध है।' इस 29 वर्षीय गेंदबाज ने अपना आखिरी मैच जम्मू कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के रूप में खेला था। तब वह पूरी तरह से फिट नहीं दिख रहे थे। उन्होंने पहली पारी में केवल 13 ओवर और दूसरी पारी में सात से कम ओवर फेंके थे। तब से वह बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं और उन्होंने बुधवार से यहां शुरू हुए केकेआर के अभ्यास शिविर में हिस्सा नहीं लिया।

ओलंपिक में स्क्वाश का पदार्पण ऐतिहासिक : घोषाल

नई दिल्ली। भारत के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सौरव घोषाल ने 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में स्क्वाश को शामिल किए जाने को ऐतिहासिक पल बताते हुए कहा कि खेल के विकास के लिए बेहतर कोचिंग और 'इकोसिस्टम' को मजबूत बनाने की जरूरत है। हाल ही में विश्व प्रीमियर स्क्वाश के खेल कमिश्नर नियुक्त किए गए घोषाल ने कहा,' मैं खुशकिस्मत रहा हूं कि मैंने भारत के लिए 20 साल से ज्यादा पेशेवर स्क्वाश खेला है। यह उस सारे अनुभव को साथ लाने का दौर है और मुझे खुशी है कि वैश्विक स्तर पर योगदान दे पा रहा हूं।' उन्होंने कहा,' मैंने दबाव के हालात को हमेशा मौके की तरह देखा है। यह खेल के लिए कुछ खास करने का मौका है।' स्क्वाश में भारत के बढ़ते ग्राफ के बारे में घोषाल ने कहा,' ताकत आंकड़ों में दिखती है। ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी खेलेंगे तो चैम्पियन निकलेंगे। भविष्य भी उज्जवल दिख रहा है।'

तुमकुरु में पहला आईटीएफ महिला डब्ल्यू35 टूर्नामेंट

बेंगलुरु। कर्नाटक के टेनिस में बढ़ते कद को बढ़ावा देने के लिए तुमकुरु में 4 से 10 मई तक पहला आईटीएफ महिला विश्व टेनिस टूर डब्ल्यू35 टूर्नामेंट खेला जाएगा। टूर्नामेंट तुमकुर यूनिवर्सिटी परिसर स्थित जिला टेनिस स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे पहले दो दशक से पूर्व एक आईटीएफ महिला टूर्नामेंट का आयोजन हुआ था। इस टूर्नामेंट में उदीयमान अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और भारत के शीर्ष पेशेवर 32 खिलाड़ियों के एकल मुख्य ड्रॉ और क्वालीफाइंग दौर में भाग लेंगे। तुमकुरु में आखिरी बार 2003 में एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट खेला गया था, जिसमें रोहन बोपन्ना और प्रकाश अमृतराज जैसे खिलाड़ियों ने भाग लिया था।

टेबल टेनिस

मानव और यशस्विनी ने जीता राष्ट्रीय टेबल टेनिस का खिताब

एजेंसी ▶▶| इंदौर

पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) के मानव ठक्कर और यशस्विनी घोरपड़े ने सीनियर राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अपना पहला एकल खिताब जीता।

पुरुषों के फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त मानव ने अपेक्षानुरुप प्रदर्शन करते हुए रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) के जीत चंद्र पर 4-1 (11-2 11-4 6-11 11-9 11-3) की शानदार जीत हासिल की। इसके विपरीत महिला एकल के फाइनल में काफी कड़ा मुकाबला देखने को मिला तथा आखिर तक रोमांच बन रहा। आखिर में यशस्विनी ने अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करा लिया। उन्होंने फाइनल में पीएसपीबी की युवा खिलाड़ी सिंड्रेला दास पर 4-3 (11-6,12-14,11-5,9-11, 13-11, 6-11, 11-8) से जीत हासिल करके खिताब अपने नाम किया।

डी विश्व ट्रॉफी से सम्मानित दिव्यांशी

मिश्रित युगल फाइनल में अंकुर भट्टाचार्जी (पश्चिम बंगाल) और सुहाना सैनी (हरियाणा) ने अनिकेत बोस और सम्प्रीति रॉय की पश्चिम बंगाल की जोड़ी को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-9 11-7 9-11 13-15 12-10) से हराया। इस बीच दिव्यांशी भौमिक को सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ी को दिए जाने वाले डी विश्व ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया और शुक्रवार को खेले गए एक कड़े मुकाबले में पिछली बार की चैंपियन दीया चिताले के सामने कड़ी चुनौती पेश की। दिव्यांशी ने एशियाई युवा चैंपियनशिप में अंडर-15 एकल में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा उन्होंने पिछले साल आईटीटीएफ युवा विश्व चैंपियनशिप में अंडर-19 का खिताब भी अपने नाम किया था।

26 मार्च से हीरो इंडियन ओपन भाग लेंगे शीर्ष खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| गुरुग्राम

दुनिया के शीर्ष सौ खिलाड़ियों में से पांच और विश्व टूर के कई पूर्व चैंपियन हीरो इंडियन ओपन 2026 में भाग लेंगे, जो 26 से 29 मार्च तक डीएलएफ गोल्फ और कंट्री क्लब पर खेला जाएगा। इनमें विश्व रैंकिंग में 22वें स्थान पर काबिज और पीजीए टूर पर हाल ही में जीत दर्ज करने वाले अक्षय भाटिया और 2018 ओपन चैंपियन और तीन बार के राइडर कप विजेता इटली के फ्रांसिस्को मोलिनारी शामिल हैं। भाटिया के अलावा शीर्ष 100 में शामिल खिलाड़ियों में कासे जार्विस (69), एल्विस स्माइली (74), डेविड पुइग (85) और ट्रिस्टन लॉरेंस (89) शामिल हैं। भारतीयों में दो बार के डीपी विश्व टूर विजेता शुभंकर शर्मा , 2025 पीजीटीआई आर्डर आफ मेरिट विजेता युवराज संधू , मनु गंडास , ओमप्रकाश चौहान और वीर अहलावत शामिल हैं। भारतीय गोल्फ यूनियन की ओर से सह मान्यता प्राप्त और डीपी विश्व टूर का हिस्सा इस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 2.55 मिलियन डॉलर ईनामी राशि है।

बीसीसीआई का बड़ा ऐलान, आयरलैंड में भिड़ेगी टीम इंडिया, तारीखें तय

आयरलैंड के खिलाफ 26 और 28 जून को टी20 खेलेगा भारत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया के आयरलैंड दौरे का शेड्यूल शनिवार को जारी कर दिया। भारतीय टीम 2 टी20 मैचों के लिए जून 2026 में आयरलैंड का दौरा करेगी।

बीसीसीआई की ओर से जारी शेड्यूल के मुताबिक, भारतीय टीम 26 जून और 28 जून को पहला और दूसरा टी20 मुकाबला खेलेगी। दोनों मुकाबले बेलफास्ट में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट टीम का हाल के कुछ वर्षों में आयरलैंड का यह चौथा दौरा होगा। टीम इंडिया 2018, 2022 और 2023 में भी आयरलैंड के दौरे पर गई थी। वहीं, भारतीय टीम 2007 के बाद पहली बार बेलफास्ट में खेलेगी। आयरलैंड क्रिकेट टीम और आयरलैंड क्रिकेट फैंस को भारतीय टीम के दौरे का हमेशा से इंतजार रहता है। भारतीय टीम को लेकर वहां के फैंस के बीच उत्साह रहता है। बीसीसीआई आयरलैंड दौरे पर युवा खिलाड़ियों की टीम भेजती रही है। देखना होगा कि आगामी दौरे पर सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली वो टीम आयरलैंड जाती है, जिसने विश्व कप जीता था, या किसी दूसरे खिलाड़ी की कप्तानी में युवा टीम भेजती है।

माइका हमानो ने पहले हाफ में लगाया जोरदार शॉट, टीम को दिलाई जीत

महिला एशियाई कप पर जापान का कब्जा, ऑस्ट्रेलिया को हराया

एजेंसी ▶▶| सिडनी

माइका हमानो के पहले हाफ में किए गए गोल की बदौलत जापान ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराकर महिला एशियाई कप का खिताब जीत लिया। हमानो चेल्सी से 'लोन' पर टोटेनहम के लिए खेलती हैं। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 17वें मिनट में बाएं ओर से मिले पास पर पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से जोरदार शॉट लगाया। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी 10 मिनट में बराबरी के लिए पूरा दबाव बनाया, लेकिन जापान की मजबूत रक्षा पंक्ति ने उन्हें लगातार रोके रखा।

जापान ने 2014 और 2018 में जीता था कप

जापान ने 2014 और 2018 में भी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर लगातार महिला एशियाई कप जीते थे। इस तरह उसने पिछले चार महाद्वीपीय टूर्नामेंटों में तीसरी बार खिताब जीता है। एशिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए छह मैचों में सिर्फ एक गोल खाया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 2010 के बाद से यह महाद्वीपीय चैंपियनशिप नहीं जीती है, जब सैम केर (तब 16 वर्ष की थीं) ने फाइनल में गोल किया था। एशियाई कप से छह टीमें अगले साल ब्राजील में होने वाले महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। मध्य पूर्व युद्ध से प्रभावित ईरानी टीम की भागीदारी के कारण 12 टीमों के इस टूर्नामेंट ने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया।

आंध्रप्रदेश के तिरूपति में 34वीं राष्ट्रीय फेडरेशन कप स्पर्धा

थ्रोबॉल में मप्र की पुरुष टीम बनी उपविजेता

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

आंध्रप्रदेश थ्रोबॉल एसोसिएशन द्वारा 13 से 15 मार्च तक तिरूपति में आयोजित 34वीं राष्ट्रीय फेडरेशन कप थ्रोबॉल प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की पुरुष टीम मध्यप्रदेश ने गोवा को 15-6 एवं 15-5 से पराजित किया। हरियाणा को 15-01 से तथा 15-02 से हराया तमिलनाडु से संघर्ष पूर्ण मैच में म. प्र. टीम 15-11 एवं 15-12 से विजयी रही। सेमीफाइनल में उड़ीसा को 15-10 एवं 15-08 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। म.प्र.का मैच मेजबान आंध्रप्रदेश से हुआ बहुत ही संघर्ष पूर्ण मैच में मप्र ने आंध्रप्रदेश को 15-11 से पराजित किया, लेकिन दूसरे सेट में आंध्रप्रदेश ने म.प्र. को 15-08 से पराजित किया निर्णायक सेट में एक-एक अंक के लिए संघर्ष होता रहा। अंत में आंध्रप्रदेश ने म.प्र. को 15-13 से हराते हुए विजेता होने का गौरव प्राप्त किया। म.प्र. उपविजेता रहा । म.प्र. शासन के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, थ्रोबॉल संघ के सचिव अविनाश बुरबुरे, आशीष सक्सेना, हेमन्त कपूर, सुरेश चैनानी, जोइस थॉमस, संतोष वर्मा आदि ने बधाई दी।

13 से 15 मार्च तक आंध्र पदेश थ्रोबॉल एसोसिएशन द्वारा किया गया आयोजन

टीम ने भोपाल आकर खेल मंत्री विश्वास सारंग से की सौजन्य भेंट

लगातार तीन साल जीती चैंपियनशिप

बॉक्सिंग में पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय बाड़ी के खिलाड़ी दिखा रहे कमाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय, बाड़ी, जिला रायसेन में कार्यरत बॉक्सिंग कोच रोहित कहार ने अपनी तीन वर्षों की कोचिंग में निरंतर शानदार प्रदर्शन किया है। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय की बॉक्सिंग टीम ने जिला एवं राज्य स्तर की कई चैंपियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया और अनेक पदक जीते हैं। इन तीन वर्षों में कोच कहार ने खिलाड़ियों को कठिन प्रशिक्षण देकर उन्हें मानसिक व शारीरिक रूप से मजबूत बनाया, जिसके परिणामस्वरूप कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे। विद्यालय के इन खिलाड़ियों में कृष्णांत गौर, सत्यम आदिवासी, विकास ठाकुर, प्रयाग धराड़, नमन रघुवंशी, शिवांश आदिवासी शामिल हैं। वहीं बालिका वर्ग में गरिमा चौधरी, गुंजन पष्टारिया, प्राची साहू, माधवी रजक ने कोच कहार और विद्यालय को गौरवान्वित किया है। इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार, उप-प्राचार्य निशांत कुमार तिवारी, पी.ई.टी. शिक्षक संगीता गुरुदेव एवं डॉ. रणधीर ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

वीएस क्रिकेट अकादमी ने यंग स्टार बी चेम्प को 138 रन

विधायक ट्रॉफी अंडर-12 शुरू, खेल मंत्री सारंग ने किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

गौतम नगर के खेल मैदान में विश्वास सारंग क्रिकेट अकादमी द्वारा आयोजित विधायक ट्रॉफी अंडर 12 का शनिवार को शुभारंभ हो गया, जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि खेल मंत्री विश्वास सारंग ने किया। इस अवसर पर वार्ड 70 के पार्षद अशोक वाणी, वार्ड 69 के पार्षद सूर्यकांत गुप्ता, वार्ड 58 के पार्षद राकेश यादव, उपेंद्र तोमर समेत अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इसके बाद उद्घाटन मैच विश्वास सारंग क्रिकेट अकादमी और यंग स्टार बी चेम्प के बीच खेला गया। यंग स्टार बी चेम्प ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। विश्वास सारंग क्रिकेट अकादमी ने निर्धारित 30 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 246 का विशाल स्कोर बनाया, जिसमे कप्तान मेदांत उइके शानदार शतक लगाते हुए 90 गेंद पर 21 चौके और दो छक्के की सहायता से 116 रन बनाए, जबकि कबीर अग्रवाल ने 56 रन और ओम रघुवंशी ने 30 रन का योगदान दिया। यंग स्टार की तरफ से आरव ने 48 रन देकर एक विकेट लिया।

जवाबी पारी खेलने उतरी यंग स्टार बी चेम्प की टीम 27 ओवर मे 108 रन बनाकर ऑल आउट हो गई और यह मैच 138 रन से हार गई। वीएस अकादमी के गेंदबाज करते हुए गामिनी उईके ने 21 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि जयेश यादव ने 14 रन देकर 2 विकेट लिए। प्लेयर ऑफ़ द मैच मेदांत उइके को दिया गया।

नौवीं मास्टर्स कप क्रिकेट प्रतियोगिता

मयंक चतुर्वेदी अकादमी ने राजीव गांधी अकादमी को 2 विकेट से हराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

स्व. कैलाश नारायण सारंग स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में शनिवार को मयंक चतुर्वेदी क्रिकेट अकादमी और राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी के मध्य खेला गया जिसमे राजीव गांधी अकादमी ने 7 विकेट पर 194 रन बनाए। इनमें यशराज ने सर्वाधिक 73 रन (83 गेंद) बनाए, जबकि नैतिक ने नाबाद 42 रनों का योगदान दिया। मयंक अकादमी के गेंदबाज रौनक और कृष्णा सरीन ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में मयंक की टीम ने 8 विकेट के नुकसान पर 197 रन बनाकर मैच 2 विकेट से जीत लिया। मयंक के सारांश ने 39 रन और कप्तान देवांश यदुवंशी ने 62 रनों की पारी खेली।

राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी के नैतिक जैन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके, जबकि प्रिंस ने 2 विकेट लिए। मैच में शानदार बल्लेबाज़ी के लिए देवांश यदुवंशी को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

प्रदेश के किसी भी आयुर्वेद महाविद्यालय में नहीं है डीएम कोर्स

आयुर्वेद कॉलेजों में जल्द शुरू हो सकता है सुपर स्पेशलिटी डीएम कोर्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

एलोपैथी की तर्ज पर सुपर स्पेशलिटी कोर्स डीएम (डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन) तीन वर्षीय कोर्स अब मध्यप्रदेश के आयुर्वेदिक कॉलेजों में शीघ्र प्रारंभ हो सकता है।

डीएम कोर्स मनोरोग, हेपेटोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, रिप्रोडक्टिव मेडिसिन, जेरोन्टोलॉजी में प्रारंभ होना है। प्रदेश में सात शासकीय व 32 निजी आयुर्वेद कॉलेज समेत कुल 39 कॉलेज संचालित हैं। परंतु कहीं भी सुपर स्पेशलिटी डीएम कोर्स अभी नहीं है। डीएम कोर्स में प्रवेश हेतु आयुर्वेद पीजी-एमडी, एमएस डिग्री होना अनिवार्य है।

निजी आयुर्वेद महाविद्यालय शिक्षक कल्याण संघ के कार्यकारी अध्यक्ष व आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ राकेश पाण्डेय ने बताया कि प्रदेश में भी एलोपैथी की तरह ही सुपर स्पेशलिस्ट आयुर्वेद डॉक्टर्स की आवश्यकता बनी हुई है। खासकर राजधानी भोपाल में तो पं खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद कॉलेज से जुड़ा हुआ वेलनेस सेंटर जैसे जगहों पर इन डॉक्टर्स की अहमियत बढ़ जाती है।

कहीं न कहीं एमबीबीएस डॉक्टर्स की कमी को इन सुपर स्पेशलिस्ट आयुर्वेद डॉक्टरों से सरकार विशेष ट्रेनिंग देकर पूरी कर सकती है। आयुर्वेद कॉलेजों, विश्वविद्यालयों को सर्वप्रथम राज्य सरकार की एनओसी लेकर विश्वविद्यालय में आवेदन के साथ एनसीआईएसएम को भी जानकारी देनी होगी।

ऐसे में यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो सत्र 2027 से यह प्रारंभ हो सकता है। विशेषज्ञों की मानें तो डीएम कोर्स में प्रवेश एआईएपीजीईटी की तरह ही परीक्षा से होगा। केंद्र सरकार इसे प्रारंभ करने की मंजूरी दे चुका है।

भदोही के कारपेट, चंदेरी की साड़ियां समेत समेत सैकड़ों उत्पाद उपलब्ध

सीहोर की हस्तशिल्प प्रदर्शनी में लुभा रहे भोपाल के जरी-जरदोजी व जूट उत्पाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल और विकास आयुक्त हस्तशिल्प वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सीहोर के बाल विहार, पुराना कलेक्ट्रेट परिसर में हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आयोजन 19 मार्च से किया जा रहा है। प्रदर्शनी 28 मार्च प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे खुली रहेगी। इस प्रदर्शनी में संपूर्ण भारत के हस्तशिल्पियों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री स्वयं हस्तशिल्पियों द्वारा की जाएगी। यहां विश्वप्रसिद्ध भदोही का कारपेट, भागलपुर की सिल्क साड़ियाँ एवं सूट, उज्जैन की बटिक प्रिंट, दिल्ली की ज्वेलरी, भोपाल की जरी-जरदोजी एवं जूट उत्पाद, ग्वालियर एवं जबलपुर का पैच वर्क एवं स्टोन क्राफ्ट, हैदराबाद की कलमकारी, कोटा राजस्थान का हेड ब्लॉक प्रिंट, बंदेरी की साड़ियां, महोबा उत्तर प्रदेश का आर्ट मेटल, जपपुर का लेदर वर्क, पश्चिम बंगाल की जामदानी सिल्क साड़ियां, पंजाब की फुलकारी, बुधनी के लकड़ी के खिलौने एवं अनेक आकर्षक हस्तशिल्प उत्पाद एक ही स्थान पर देखने व खरीदने को मिलेंगे।

लाइफ स्टाइल

टीवी मसाला

बच्चों को प्यार और सही माहौल देना सबसे जरूरी : नकुल

मुंबई। टेलीविजन से लेकर ओटीटी की दुनिया में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में राज करने वाले अभिनेता नकुल मेहता ने हाल ही में पेरेंटिंग पर खुलकर बात की। एक्टर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन में एक पॉडकास्ट क्लिप शेयर किया, जिसमें उन्होंने माता-पिता बनने की जिम्मेदारी को खेती-किसानी से जोड़कर बहुत ही खूबसूरत तरीके से समझाया। नकुल ने कहा, माता-पिता भी एक किसान जैसे हैं। किसान अपने खेतों में जैसे बीज बोता है, पानी देता है, धूप-बारिश का ख्याल रखता है और फसल को जानवरों-कीड़ों से बचाता है, वैसे ही माता-पिता भी अपने बच्चों की देखभाल करते हैं। हमारा काम है बच्चों को सही माहौल देना। उन्हें ढेर सारा प्यार, देखभाल और अच्छी परवरिश देना, ताकि वे मजबूत और अच्छे इंसान बनकर बड़े हो सकें। नकुल ने कहा कि आज के समय में बच्चे इंटरनेट और सोशल मीडिया की दुनिया में बड़े हो रहे हैं। ऐसे में उन्हें सही राह दिखाना बेहद जरूरी है। नकुल ने भविष्य की चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा, हमारे बच्चे एक ऐसी दुनिया में बड़े हो रहे हैं, जहां एआई का इस्तेमाल बहुत बड़ा असर डालेगा।

पीरियड ड्रामा में नजर आएंगी सई

मुंबई। *एक्टर महेश मांजरेकर की बेटी व बॉलीवुड एक्ट्रेस सई मांजरेकर जल्द ही एक ऐसी दुनिया में कदम रखने जा रही हैं, जो आज के समय से बिल्कुल अलग है। वह इन दिनों प्री-इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा की तैयारी कर रही हैं। यह प्रोजेक्ट उनके लिए एक बड़ा बदलाव है। सई का कहना है कि इस फिल्म की तैयारी काफी चुनौतीपूर्ण और उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव रही है। फिल्म के बारे में सई मांजरेकर ने बताया कि इस किरदार ने उन्हें एक्टिंग को एक अलग नजरिए से समझने के लिए प्रेरित किया है। उस दौर के सामाजिक और सांस्कृतिक माहौल को समझने से लेकर अपनी बॉडी लैंग्वेज, बोलने का तरीका और हाव-भाव बदलने तक, उन्होंने इस किरदार के लिए काफी रिसर्च और मेहनत की है ताकि वह उस समय को सही तरीके से पर्दे पर दिखा सकें। अपने अनुभव को लेकर सई ने कहा, यह प्रोजेक्ट मेरे लिए अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण और रोमांचक यात्राओं में से एक रहा है। खासकर प्री-इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा के लिए सिर्फ डायलॉग याद करना और सेट पर पहुंच जाना काफी नहीं होता। इसमें बहुत तैयारी करनी पड़ती है। उस समय के बारे में पढ़ना, रिसर्च करना, यह समझना कि लोग कैसे रहते थे, कैसे बात करते थे, कैसे खुद को प्रस्तुत करते थे और अपनी भावनाएं कैसे व्यक्त करते थे। उस दौर में हर चीज़ एक अलग अनुशासन और सादगी से जुड़ी होती थी, जो आज की दुनिया से काफी अलग है।*

मैं हर हेयर वीविंग कंपनी का सपना हूं

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनुपम खेर फैंस के बीच एक अलग ही पहचान रखते हैं। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन अधिकतर उनका बाल्ड लुक ही देखने को मिला है। रियल लाइफ में एक्टर हमेशा बाल्ड लुक में ही नजर आते हैं। ऐसे में अब एक्टर का बाल्ड लुक ही उनकी पहचान बन गया है। वहीं, हाल ही में अनुपम खेर ने खुलासा किया कि उन्हें हेयर ट्रांसप्लांट का कभी बार ऑफर हुआ, लेकिन उन्होंने बाल नहीं लगवाए। हाल ही में एक इंटरव्यू में अनुपम खेर ने बताया कि कई हेयर वीविंग कंपनियों और डॉक्टरों ने उन्हें हेयर ट्रांसप्लांट कराने के लिए पैसे ऑफर किए थे, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उन्होंने कहा, मैं हर हेयर वीविंग कंपनी का सपना हूं। बहुत से लोग पैसे देने को तैयार हैं कि बस बाल लगवा लो। लेकिन मैंने उन्हें ये मौका नहीं दिया। अनुपम का कहना है कि कितने भी पैसे की जरूरत हो, वह बाल नहीं लगवाएंगे क्योंकि ऐसा करने से वह खुद को बदल देंगे और वही अनुपम खेर नहीं रहेंगे। इस दौरान एक्टर ने एक मजेदार किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया कि जब उनके बेटे सिकंदर छोटे थे, तो एक बार वह पढ़ रहे थे, जिसमें हेयर ऑयल का विज्ञापन था। सिकंदर ने सोचा पिताजी बाल लगवाने के बारे में सोच रहे हैं, तो उन्होंने कहा, 'पिताजी, सोचना भी मत।' अनुपम खेर का कहना हैं कि युवा उन्हें 'सर' या 'अंकल' न कहकर 'एके' या 'अनुपम जी' कहें। अनुपम को 'अंकल जी' कहलाना पसंद नहीं क्योंकि इससे वह एक खास उम्र की कैटेगरी में बंध जाते हैं। वे रूढ़ियों को तोड़ना चाहते हैं।

लग्जरी कारों से खचाखच भरा है श्रद्धा का गैराज

ज्वेलरी ब्रांड की श्रद्धा है को-फाउंडर

मुंबई। *बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर की सादगी उनके फैंस को खूब पसंद आती है। 'स्त्री' एक्ट्रेस इंस्टाग्राम पर सबसे पॉपुलर बॉलीवुड अभिनेत्रियों में से एक हैं। फैंस के साथ कमेंट सेक्शन में जाकर जिस तरह से वह बातचीत करती हैं, वह लोगों का दिल जीत लेता है। श्रद्धा कपूर भले ही देखने में कितनी भी सिंपल क्यों न लगें, लेकिन उनके शौक बिल्कुल भी सादे नहीं हैं। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि उनके गैराज में अलग-अलग कीमत की कई लग्जरी कारें खड़ी हैं। अगर आपने उनकी गाड़ियों का कलेक्शन और उनकी कीमत के बारे में जान लिया, तो आपका भी मुंह खुला का खुला रह जाएगा। श्रद्धा कपूर ने 2023 में अपनी सबसे महंगी कार 'लैंबॉर्गिनी हुराकान टेक्निका' खरीदी थी, जिसे वह अक्सर खुद ही ड्राइव करते हुए दिखाई देती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस कार के अलावा भी श्रद्धा के पास कई शानदार गाड़ियां हैं, जिनकी कीमत करोड़ों में है।*

रिपोर्ट की मानें तो, श्रद्धा कपूर की कुल नेटवर्थ 140 करोड़ रुपए के आसपास है। वह सालाना 25 से 30 करोड़ रुपए तक कमाती हैं, जिसमें उनकी फिल्मों की फीस, विज्ञापन और बिजनेस इन्वेस्टमेंट्स शामिल हैं। वह अपनी एक फिल्म के लिए तकरीबन 8 से 17 करोड़ रुपए के बीच में चार्ज करती हैं। इसके अलावा, मुंबई के जुहू स्थित अपने फ्लैट्स से उन्हें हर महीने लगभग 6 लाख रुपए का किराया आता है। एक मशहूर ज्वेलरी ब्रांड में श्रद्धा कपूर की 21% हिस्सेदारी है और वह इसकी को-फाउंडर भी हैं। श्रद्धा ने एक ब्यूटी ब्रांड में भी निवेश किया है, जिसका वह फेस हैं। बात करें ब्रांड एंडोर्समेंट की, तो वह इसके लिए 1 से 2 करोड़ रुपए की भारी-भरकम फीस चार्ज करती हैं।

श्रुति ने शेयर की सुपर हेल्दी रेसिपी

मुंबई । अभिनेत्री श्रुति हासन अपने काम के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वे अक्सर अपनी जिंदगी के मजेदार पल, फोटो के अलावा खास रेसिपी शेयर करती रहती हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने कुछ ऐसा ही किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया। इसमें आसान और टेस्टी स्नैक की रेसिपी बताई। अभिनेत्री ने लिखा, छुट्टी का दिन मतलब अपने स्क्रिप्ट को पढ़ते हुए थोड़ी-थोड़ी ब्रेक में सोशल मीडिया देखना। इसी दौरान एक दिलचस्प स्नैक रेसिपी दिखी, जिसे मैंने ट्राई किया और इसकी शौकीन हो गई हूं। अभिनेत्री ने बताया कि ये टेस्टी रेसिपी का नाम 'खजूर के साथ वेनिला ग्रीक योगर्ट स्नैक' है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादक: प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930